www.navpradesh.com

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 | शुक्ल पक्ष-द्वादशी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 78 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

'आप' के 7 सांसदों के विलय को मंजूरी, राज्यसभा में भाजपा की सदस्य संख्या अब 113

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा के 7 सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही भाजपा की राज्यसभा में सदस्यों की संख्या 113 हो गई है। उसके इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब उसने यह आंकड़ा छुआ है। वहीं आम आदमी पार्टी के लिए यह करारा झटका है और वह उच्च सदन में 10 से सीधे 3 पर आकर ठहर गई है। ये सभी सांसद पंजाब के हैं और वहां अब आम आदमी पार्टी का सिर्फ एक सांसद बचा है। बलबीर सिंह सीचेवाल ने पार्टी नहीं बदली है, जबकि अन्य 7 सांसदों ने उद्देश्य से भटकने का आरोप लगाते हुए राघव चड्ढा की लीडरशिप में पाला बदल लिया।

इस मामले में आम आदमी पार्टी ने तीन सांसदों के खिलाफ अर्जी भी राज्यसभा चेयरमैन को दी थी और उनकी सदस्यता खत्म करने की मांग रखी थी। आप की दलील थी कि इन तीन सांसदों ने पार्टी छोड़ी है, जबकि अन्य 4 नहीं दिखे हैं। ऐसे में ये 4 मिलकर अल्पमत में हैं और इनका पार्टी छोड़ना दल-बदल कानून के तहत आता है। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को इन सभी

सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दी। उनकी इस मंजूरी ने उच्च सदन में भाजपा की ताकत को काफी बढ़ा दिया है। एक ही झटके में भगवा दल के खेमे में राज्यसभा सदस्यों की संख्या 7 बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा जाने वाले सांसदों में चर्चित नेता राघव चड्ढा के अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, राज्यसभा में पार्टी उपनेता अशोक मित्तल, संदीप पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। इन सांसदों में सबसे चौंकाने वाला नाम तो संदीप पाठक का ही है। उन्हें अरविंद केजरीवाल का करीबी माना जाता था। वह लंबे समय तक पंजाब के मामलों को देखते थे। इसके अलावा पार्टी में उनका पद संगठन महासचिव का था। संदीप पाठक को लेकर कहा जा रहा है कि उन्होंने नई दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी और पंजाब में अपनी उपेक्षा किए जाने पर नाराजगी भी जताई थी। इससे अरविंद केजरीवाल पर कोई असर नहीं पड़ा और अंत में उन्होंने पार्टी से ही इस्तीफा दे दिया।

केजरीवाल ने मुझसे इस्तीफा मांगा था: विक्रमजीत

वहीं एक अन्य सांसद विक्रम जीत सिंह साहनी का दावा है कि अरविंद केजरीवाल ने मुझसे 22 अप्रैल को मीटिंग की थी। उन्होंने मुझे खुद बुलाया था और बातचीत में कहा था कि आपके ऊपर कोई दबाव तो नहीं है। इस पर मैंने कहा कि मैं किसी भी तरह के या किसी के भी दबाव में नहीं हूं। फिर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आपको राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा देने पर विचार करना चाहिए। मैंने इससे इनकार कर दिया।

आज बेबाक

जिस ठरकी डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को नर्क कहा था वह खुद ही एक हमले में नर्क वासी होने से बाल बाल बचा। यह दूसरी बार उसे जीवन दान मिला है। अमेरिका में सरेआम सड़कों पर स्कूल, कालेज, होटल और चुनावी सभाओं में धांय - धांय गोलियां चलना आम बात है। ड्रग्स के नशे में चूर अपराधियों के गढ़ अमेरिका को यह बुड़बक स्वर्ग बताकर डिंग हाक रहा है वहां यदि भारतीय मूल के प्रतिभाशाली लोग अपनी जान हथेली पर रखकर बड़ी - बड़ी कंपनियों और शासन प्रशासन में न बैठे होते तो आज अमेरिका की स्थिति नर्क से भी बद्तर होती।

तापमान	
अधिकतम 44°	न्यूनतम 29°

बाजार भाव	
गोल्ड	सिल्वर
1,55,830	2,64,900

शेयर बाजार	
सेंसेक्स	निफ्टी
77,303.63	24,892.70

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,289,644,926	1,474,583,419

राष्ट्रपति मुर्मु 27 अप्रैल से 1 मई तक हिमाचल प्रदेश की यात्रा पर रहेंगी

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिए 27 अप्रैल से 1 मई, 2026 तक हिमाचल प्रदेश की यात्रा पर रहेंगी। अपनी इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शिमला के मशोबरा में राष्ट्रपति निवास में ठहरेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने कल रविवार को एक बयान जारी इसकी जानकारी दी है। जिसके अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक भवन, शिमला में आयोजित भोज में शामिल होंगी। इसे बाद 29 अप्रैल को वह अटल टनल का दौरा करेंगी।

कोरबा के वेदांता प्लांट में चिमनी हादसे के 17 साल बाद आज तक किसी को नहीं मिली सजा

वेदांता हादसा: जांच के तरीके पर उठने लगे सवाल, किसे बचा रहे!

■ औद्योगिक सुरक्षा विभाग की कमजोर मॉनिटरिंग के कारण लगातार हो रहे हादसे

रायपुर/नवप्रदेश। सक्ती जिले के वेदांता पावर प्लांट की यूनिट में 14 अप्रैल को जोरदार विस्फोट के बाद अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है। भीषण धमाके से प्लांट में काम करने वाले दर्जनों मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। कई मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कई मजदूरों का इलाज अभी चल रहा है। इस मामले की जांच को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। भाजपा सांसद कमलेश जांगड़े सहित कांग्रेस नेताओं ने हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

शुरुआती जांच रिपोर्ट में पता चला है कि यह हादसा सुरक्षा मानकों की अनदेखी और तकनीकी खामियों को नजरअंदाज करने के कारण हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बायलर के फर्नेस में अत्यधिक मात्रा में ईंधन जमा किया गया था, जिससे दबाव असामान्य रूप

■ शेष पृष्ठ 8 पर

जांच के बीच चर्चा वेदांता के पॉवर गेम की

हादसे की गंभीरता को देखते हुए बिलासपुर संभाग के आयुक्त सुनील जैन को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उच्चस्तरीय जांच का उद्देश्य दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाना और जिम्मेदारों की पहचान करना है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय करना है। जांच को पारदर्शी बनाने के लिए आम लोगों, प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित पक्षों से साक्ष्य और दस्तावेज आमंत्रित किए गए हैं। इस हादसे से जुड़ी जानकारी देने के लिये 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयुक्त कार्यालय, बिलासपुर संभाग में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा जा सकता है। संभागायुक्त जैन ने कहा है कि यह जांच केवल औपचारिकता नहीं है बल्कि इसका मकसद सच्चाई तक पहुंचना और दोषियों को सजा दिलाना है।

दूसरी बार वेदांता ग्रुप ने दिये जख्म

वेदांता ग्रुप से छत्तीसगढ़ को लगातार दूसरी बार ऐसा जख्म मिला है, जिसे भुलाना आसान नहीं है। इससे पहले राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक हादसा 23 सितंबर 2009 को कोरबा में स्थित वेदांता-स्टेरलाइट पावर प्लांट में हुआ था। 1200 मेगावाट संयंत्र की स्थापना के लिये लगाई जा रही 240 मीटर ऊंची चिमनी ढहने से करीब 40 मजदूरों की मौत हो गई। चिमनी हादसे की जांच में कंपनी प्रबंधन की गंभीर लापरवाही का पता चला। जिस जमीन पर चिमनी बनाई जा रही थी, उसके लिए एनओसी जारी नहीं की गई थी। कोरबा विकास योजना के प्रावधानों के खिलाफ निर्माण किया गया। निर्माण के लिये वैधानिक अनुमति भी नहीं ली गई। तकनीकी और औद्योगिक सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे प्रबंधन की अत्यधिक गंभीर लापरवाही का नतीजा माना। हादसे में चिमनी निर्माण से जुड़ी बालको, सेपको, जीडीसीएल, बीवीआईएल और डीसीपीएल सहित पांच कंपनियों को आरोपी बनाया गया। चिमनी निर्माता कंपनी सेपको के तीन चीनी इंजीनियर दोषी ठहराए गए, लेकिन वे विशेष अदालत में पेश ही नहीं हुए। 40 मजदूरों की मौत के जिम्मेदारों को आज तक सख्त सजा नहीं मिली। यही वजह है कि वेदांता पार्ट 2 यानी सक्ती पावर प्लांट में हुए हादसे के बाद एक बार फिर जांच रिपोर्ट और जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर अभी से सवाल उठने लगे हैं।

अनिल अग्रवाल को बचाने प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू, क्षेत्रीय सांसद जांगड़े का काउंटर अटैक

नव प्रदेश लगातार

हिंसा की आग में पश्चिम बंगाल

पीएम की रैली से पहले जगद्दल में बवाल, उपद्रवियों ने फेंके देसी बम!

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित रैली से ठीक पहले उत्तर 24 परगना जिले का जगद्दल इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। रविवार रात और सोमवार सुबह के बीच जगद्दल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों के बीच भीषण हिंसक झड़प हुई।

उपद्रवियों ने एक-दूसरे पर जमकर पत्थरबाजी की और देखते ही देखते कई देसी बम फेंके गए। बमों के धमाकों से पूरे इलाके में दहशत फैल गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हिंसा पर काबू पाने के लिए जब केंद्रीय सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची, तो उपद्रवियों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस बमबाजी की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। इसके अलावा, झड़प में दोनों गुटों के दो अन्य समर्थकों को भी गंभीर चोटें आई हैं।

घायल जवान को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है और पूरे जगद्दल क्षेत्र को छावनी में बदल दिया गया है। इस हिंसा के बाद राज्य में राजनीतिक पारा और चढ़ गया है।

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर ईंट-पत्थर से हमला

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद कैमरे के सामने मिताली बाग

फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा, 'मेरी गाड़ी की हालत देखिए। उन लोगों ने बड़े-बड़े पत्थर फेंके।

■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ 'धान का कटोरा' होने के साथ-साथ सेवा, समर्पण और आस्था की भूमि: विष्णुदेव

■ तेंदुवा धाम में श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लिया संतों का आशीर्वाद

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण स्थित राम मिलेंगे आश्रम, तेंदुवा धाम कुरियारी में आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा में शामिल हुए। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ आश्रम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने पद्म

विभूषण से सम्मानित जगदुरु रामभद्राचार्य महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन भूमि सदैव भगवान श्रीराम के चरणों से धन्य रही है। उन्होंने वनवास काल में भगवान श्रीराम के आगमन और माता शबरी की अद्भुत भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि इस धरती ने आस्था, समर्पण और विश्वास की अनूठी परंपरा को सहेज कर रखा है। उन्होंने कहा कि

■ शेष पृष्ठ 8 पर

लद्दाख में बनाए गए पांच नए जिले

जम्मू-कश्मीर (ए.)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने ऐलान किया है कि उन्होंने पांच नए जिलों के गठन को मंजूरी दे दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्सेना ने लिखा, ÷लद्दाख के लिए एक ऐतिहासिक दिन। मैंने लद्दाख में पाँच नए जिलों के गठन की अधिसूचना को मंजूरी दे दी है, जिससे लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएँ और उनकी लंबे समय से चली आ रही माँग पूरी हुई है। पाँच नए ज़िलों - नुब्रा, शाम, चांगथांग, ज़ांस्कर और द्रास - के गठन के साथ, लद्दाख में अब मौजूदा दो ज़िलों के बजाय कुल सात ज़िले होंगे।

होर्मुज बंद होने से बढ़ीं कच्चे तेल की कीमतें भारत में सड़क बनाना भी हो रहा मुश्किल

नई/दिल्ली (ए.)। ईरान और अमेरिका की बीच दूसरे चरण की वार्ता ना होने पाने के बाद तेल बाजार एक बार फिर उछल गया है। अमेरिका और ईरान की संभावित वार्ता से एक उम्मीद जगी थी कि शायद जल्द ही होर्मुज खुल जाए। हालांकि अब इसका कोई रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में ब्रेंट ऑइल की कीमतें 2.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 107.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। ऐक्सियस की रिपोर्ट की मानें तो तेहरान की तरफसे डोनाल्ड ट्रंप के सामने एक नया प्रस्ताव रखा हैष इसमें कहा गया है कि होर्मुज खोलने

■ शेष पृष्ठ 8 पर

भारत में बढ़ रहा दबाव

शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है।

सड़क बनाने के लिए डामर का भी संकट

मेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से उत्तर प्रदेश में सड़कों के निर्माण के लिए आवश्यक डामर (बिटुमिन) का संकट गहरा गया है। इसका असर हमीरपुर जिले में लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) की सड़क परियोजनाओं पर साफदिखाई दे रहा है। कई सड़कें अधर में लटक गई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता (एसई) सुनील कांत ने रविवार को बताया कि सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर क्रूड ऑयल से तैयार होता है ।

भारतमाला घोटाले में पूर्व मंत्री के भाई और जमीन कारोबारी के ठिकानों पर छापा

■ छत्तीसगढ़ में ईडी का बड़ा एक्शन, करीब 500 करोड़ रुपये के घोटाले का अनुमान

धमतरी/रायपुर। छत्तीसगढ़ में सोमवार तड़के प्रवर्तन निदेशालय ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए हड़कंप मचा दिया है। चर्चित भारतमाला परियोजना घोटाले की जांच का दायरा बढ़ाते हुए ईडी की टीम ने पूर्व मंत्री और कुरुद विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर और जमीन कारोबारी गोपाल गांधी के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी है।

तीन गाड़ियों में पहुंचे 12 से ज्यादा अधिकारी: मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह धमतरी जिले के कुरुद स्थित सरोजिनी चौक के पास भूपेंद्र चंद्राकर के आवास पर ईडी की तीन गाड़ियां पहुंचीं। टीम में 12 से अधिक अधिकारी शामिल हैं, जो घर के अंदर दस्तावेजों की गहनता से जांच कर रहे हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और घर को अंदर से लॉक कर दिया गया है ताकि जांच के दौरान कोई बाधा न आए।

भूपेंद्र चंद्राकर पर आरोप है कि उन्होंने भारतमाला परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में प्रभाव का इस्तेमाल कर अपने करीबियों को अनुचित लाभ पहुँचाया। शिकायत के अनुसार, अभनपुर, कायाबांधा, दुर्ग, पाटन, राजनांदगांव के देवादा और मगरलोड जैसे क्षेत्रों में करोड़ों रुपए का फर्जी मुआवजा दिलवाया गया है। इन

■ शेष पृष्ठ 8 पर

तैयार हुआ 'बैकअप रनवे': चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ के लिए विशेष पट्टियां उपलब्ध

यूपी ने रचा इतिहास: एक्सप्रेस-वे पर सर्वाधिक एयरस्ट्रिप वाला राज्य

बिहार/ए.। उत्तर प्रदेश वर्तमान में बुनियादी ढांचे के विकास में न केवल देश का नेतृत्व कर रहा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरा है। गंगा एक्सप्रेसवे पर नई एयरस्ट्रिप के निर्माण के साथ ही यूपी अब देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहाँ चार प्रमुख एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ के लिए विशेष पट्टियां उपलब्ध हैं। यह उपलब्धि राज्य को वैश्विक सामरिक मानचित्र पर एक सुरक्षित और सुदृढ़ प्रदेश के रूप में स्थापित

■ शेष पृष्ठ 8 पर

भारत की भौगोलिक सुरक्षा स्थितियों को देखते हुए एक्सप्रेसवे पर एयरस्ट्रिप एक दूरदर्शी कदम है। युद्ध के समय यदि मुख्य वायु सेना स्टेशन दुश्मन के निशाने पर आते हैं, तो ये 'बैकअप रनवे' के रूप में काम करते हैं:

त्वरित जवाबी कार्रवाई: सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और जगुआर जैसे फाइटर जेट इन पट्टियों का उपयोग करके पुनः ईंधन भरने और उड़ान भरने में सक्षम हैं।

विकेंद्रीकृत संपदा: सभी विमानों को एक ही बेस पर रखने के बजाय, उन्हें अलग-अलग एक्सप्रेसवे पैच पर फैलाया जा सकता है, जिससे दुश्मन के लिए उन्हें निशाना बनाना असंभव हो जाता है।

आत्मनिर्भर भारत की मजबूती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने 'एक्सप्रेसवे इकोनॉमी' के साथ 'सुरक्षा इकोनॉमी' का जो मेल बैठाया है, वह भारत को बाहरी खतरों के प्रति अधिक लचीला बनाता है। आने वाले समय में, ये एयरस्ट्रिप उत्तर प्रदेश को दक्षिण एशिया के सबसे मजबूत सामरिक हब के रूप में स्थापित करेंगे, जहाँ विकास की गति और राष्ट्र की सुरक्षा साथ-साथ कदम मिलाकर चलेंगे।

लॉजिस्टिक हब: ये सड़कें सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे भारी मालवाहक विमानों के लिए भी सक्षम हैं, जो युद्ध के समय टैंक और रसद पहुंचा सकते हैं।

'संजीवनी' और आर्थिक विकास: यह विज़न केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं या मेडिकल इमरजेंसी में एयरस्ट्रिप बेहद महत्वपूर्ण है।

आपदा प्रबंधन: बाढ़ या भूकंप के समय यदि हवाई संपर्क टूट जाए, तो इन एयरस्ट्रिप के जरिए तत्काल राहत सामग्री पहुंचाई जा सकती है।

एयर एम्बुलेंस: भविष्य में इनका उपयोग एयर एम्बुलेंस के लिए किया जा सकता है, जिससे गंभीर मरीजों को बड़े शहरों तक मिनटों में पहुँचाया जा सकेगा।

डिफेंस कॉरिडोर: एक्सप्रेसवे के किनारे बन रहे डिफेंस कॉरिडोर इन एयरस्ट्रिप के साथ मिलकर एक संपूर्ण इकोसिस्टम बना रहे हैं, जहाँ हथियारों का निर्माण, परीक्षण और परिवहन एक ही जगह से संभव होगा।

संक्षिप्त खबरें

कटीगांव में दिवाल पर लिख मोर गांव-मोर अभियान के तहत पानी बचाने का दिया संदेश

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकासखंड के अंतिम छोर स्थित ग्राम पंचायत कटीगांव में जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों में गंभीर लापरवाही सामने आई है। करीब एक वर्ष पूर्व गांव में सौर ऊर्जा आधारित पानी टंकी का निर्माण तो पूरा कर लिया गया, लेकिन

आज तक पाइपलाइन विस्तार और घर-घर नल कनेक्शन का कार्य अधूरा पड़ा है। इसके चलते ग्रामीणों को भीषण पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि टंकी निर्माण के बाद से ही काम आगे नहीं बढ़ पाया है। पंचायत भवन के पास निर्माण से संबंधित बोर्ड भी दीवार से टिकाकर रख दिया गया है, जो अधूरे कार्य की गवाही दे रहा है। कई घरों वाले इस गांव में पाइपलाइन बिछाने और कनेक्शन देने की जिम्मेदारी ठेकेदार को सौंपी गई थी, लेकिन शुरुआती काम के बाद ही ठेकेदार ने कार्य अधूरा छोड़ दिया।वर्तमान स्थिति यह है कि गांव की गलियों में पाइपलाइन अधूरी अवस्था में पड़ी हुई है और कई घरों के सामने कनेक्शन अधूरे छोड़े गए हैं। नतीजतन, अधिकांश घरों तक आज भी पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, वहीं नहाने और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए तालाब का सहारा लेना पड़ रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार संबंधित विभाग और ठेकेदार को शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दो ग्राम पंचायतों को मिली पानी टैंकर की सौगात

छुरिया/नवप्रदेश। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जनसुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव द्वारा एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की गई है। उनके प्रयासों से जिला पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भोलापुर एवं ग्राम पंचायत भंडारपुर को 15वें वित्त आयोग की राशि से पानी टैंकर प्रदान किए गए हैं, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को विशेषकर भीषण गर्मी के मौसम में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दोनों ग्राम पंचायतों में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। आज विधिवत पूजा-पाठ एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ इन पानी टैंकरों को ग्रामवासियों को समर्पित किया गया। इस दौरान पूरे गांव में उत्साह, उल्लास एवं खुशी का माहौल देखने को मिला और ग्रामीणों ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

गरीबों के लिए संबल बने जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा

छुरिया/नवप्रदेश। जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत टीपनगढ़ में इंसानियत और जनसेवा की एक मार्मिक तस्वीर सामने आई, जहां जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा ने एक जरूरतमंद वृद्ध महिला की मदद कर समाज के सामने संवेदनशील नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया।गांव की वृद्ध महिला फुलेश्वरी बाई साहू बीते तीन महीनों से पेंशन न मिलने के कारण गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही थीं। दो वक्त की रोटी के लिए भी संघर्ष कर रही इस महिला की हालत की जानकारी मिलते ही संजय सिन्हा बिना देर किए सीधे उनके घर पहुंचे।वृद्धा के कच्चे घर और अभावों से घिरी जिंदगी को देखकर वे भावुक हो उठे। महिला ने बताया कि वह मात्र 7 किलो राशन और बंद पड़ी पेंशन के सहारे जीवन गुजारने को मजबूर हैं। घर में बिजली जैसी मूलभूत सुविधा भी नहीं है, जिससे उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए संजय सिन्हा ने मौके पर ही संबंधित कार्यकर्ताओं को आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने के निर्देश दिए, ताकि शीघ्र ही बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके और पेंशन बहाली की प्रक्रिया तेज हो।

नगरी से हज यात्रा पर रवाना हुए अहमद रजा

नगरी/नवप्रदेश। इस वर्ष हज यात्रा के पावन अवसर पर नगरी शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं बुद्धिजीवी अहमद रज़ा (गुड्डू भाई) अपनी धर्मपत्नी के साथ 26 अप्रैल, रविवार को मक्का और मदीना शरीफ की पवित्र यात्रा के लिए रवाना हुए। उनके प्रस्थान के अवसर पर शहर का माहौल भावुक

और आध्यात्मिक भावनाओं से सराबोर नजर आया। हज यात्रियों को विदा करने के लिए विभिन्न समाजों के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। सभी ने नम आंखों से उन्हें अलविदा कहा और उनके सुखद, सुरक्षित एवं सफल हज यात्रा के लिए दिल से दुआएं कीं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने हाजियों से अपने लिए भी दुआ करने का अनुरोध किया, जो इस पवित्र यात्रा की परंपरा का हिस्सा माना जाता है।विदाई कार्यक्रम में क्षेत्र की विधायक अंबिका मरकाम, पूर्व विधायक लक्ष्मी ध्रुव, रामप्रसाद तिवारी, देव दत्त तिवारी, डॉ. रूपनारायण पचौरी, निकेश ठाकुर, अजय छाजेड़, मोहन सुरेशा, भानेन्द्र ठाकुर, भावेश चोपड़ा, बृजलाल साहू, संतोष (संतनु) साहू, प्रकाश निर्मलकर सहित शहर के गणमान्य नागरिक एवं मुस्लिम समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने हज यात्रा को अत्यंत पवित्र बताते हुए कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण और मानवता का संदेश भी देती है। उन्होंने अहमद रज़ा एवं उनकी धर्मपत्नी के लिए मंगलमय यात्रा की कामना की।नगरी शहर से हज पर जाने वाले हाजियों के प्रति लोगों में विशेष उत्साह और सम्मान देखने को मिला, जो आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है।

बारनवापारा अभयारण्य में लौटी रौनक: काले हिरणों की बढ़ती संख्या की सफलता

■ **देशभर में गूंजा संरक्षण मॉडल**

बलौदाबाजार। बलौदा बाजार जिले का बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य इन दिनों वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरक कहानी लिख रहा है। एक समय यहां से लगभग खत्म हो चुके काले हिरण अब फिर से बड़ी संख्या में खुले मैदानों में विचरण करते दिखाई दे रहे हैं।

ब्लैकबक की वापसी ने बदली पहचान

करीब 245 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अभयारण्य जो कभी काले हिरणों से खाली हो चुका था, आज फिर से भर गया है। इस अभयारण्य में आज लगभग 200 काले हिरण मौजूद हैं। यह संख्या इस बात का संकेत है कि सही योजना और लगातार प्रयासों से लुप्त होती प्रजातियों को भी फिर से बसाया जा सकता है।

पांच दशक तक रहा था खालीपन

1970 के दशक के बाद अतिक्रमण और प्राकृतिक आवास के नुकसान के चलते कृष्णमृग यहां से लगभग गायब हो गए थे। लंबे अंतराल के बाद वर्ष 2018 में पुनर्स्थापन योजना को मंजूरी मिली और वैज्ञानिक तरीके से इन्हें फिर से बसाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह कदम वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

2018 से शुरू हुई नई पहल

संरक्षण की शुरुआत आसान नहीं रही, शुरुआती समय में बीमारी के कारण कुछ काले हिरणों की मौत ने चिंता बढ़ाई, लेकिन इसके बाद प्रबंधन प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए। स्थिति को सुधारने के लिए वर्ष 2018 में राज्य स्तर पर विशेष योजना तैयार की गई। इसके तहत वैज्ञानिक तरीके से ब्लैकबक का पुनर्वास किया गया, उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

मन की बात में सराहना

छत्तीसगढ़ के वन्यजीव संरक्षण को उस समय बड़ी पहचान मिली जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में बरनवापारा के काले हिरणों के संरक्षण प्रयासों की सराहना की। इस उल्लेख ने राज्य की पर्यावरणीय पहल को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

काला हिरण बना संरक्षण की पहचान

काला हिरण अपने विशिष्ट स्वरूप और तेज गति के लिए जाना जाता है। इसके लंबे घुमावदार सींग और खुले मैदानों में रहने की प्रवृत्ति इसे अन्य वन्यजीवों से अलग बनाती है। बरनवापारा में इसकी बढ़ती संख्या यह साबित करती है कि सही दिशा में किए गए प्रयास किस तरह विलुप्त होती प्रजातियों को नया जीवन दे सकते हैं।

देश के लिए प्रेरणा बना मॉडल

बरनवापारा की यह सफलता केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक उदाहरण बनकर उभरी है। यह दिखाता है कि समर्पण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और निरंतर प्रयास से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव लाया जा सकता है। इच्छाशक्ति और योजना मजबूत हो, तो खोती हुई प्राकृतिक विरासत को फिर से जीवित किया जा सकता है।

रेंजर और डिप्टी रेंजर पर कार्रवाई की अनुशंसा

मरवाही के जंगलों में पेड़ों की बड़ी तस्करी, बीट गार्ड सस्पेंड

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही वनमंडल से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां जंगलों में लंबे समय से बेशकीमती पेड़ों की अवैध कटाई जारी थी। गौरेला वन परिक्षेत्र के पीपरखूंटी बीट में तस्करों ने संगठित तरीके से सागौन और सरई जैसे कीमती पेड़ों को काटकर ठिकाने लगा दिया। बताया जा रहा है कि यह सिलसिला पिछले दो से तीन महीनों से लगातार चल रहा था।

ग्रामीणों की शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस अवैध गतिविधि की जानकारी समय रहते वन विभाग को दे दी थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। आरोप है कि विभाग की लापरवाही का फायदा उठाकर तस्कर बेखौफ होकर जंगल साफ करते रहे।

जांच में मिले 100 से ज्यादा पेड़ों के ठूंठ: जब मामला उच्च स्तर तक पहुंचा, तब रायपुर से स्टेट फ्लाइंग स्क्वाड की टीम को मौके पर भेजा गया। जांच के दौरान टीम ने जंगल में 122 कटे पेड़ के जड़ का हिस्सा बरामद हुआ, जिससे पूरे वन विभाग में हड़कंप मच गया। आशंका है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

विभागीय कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा क्षेत्र मरवाही वनमंडल मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर और बिलासपुर-जबलपुर मुख्य मार्ग से सटा हुआ है। इसके बावजूद इतनी बड़ी घटना का समय रहते पता नहीं चलना विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि बिना अंदरूनी मिलीभगत के इतनी बड़ी तस्करी संभव नहीं है।

प्रशासन की कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बीट गार्ड दीपक सिदार को निलंबित कर दिया है। वहीं गौरेला रेंजर प्रबल दुबे और डिप्टी रेंजर राजकुमार रजक के खिलाफ भी कार्रवाई की अनुशंसा राज्य सरकार को भेजी गई है।

जांच जारी, बड़े खुलासों की संभावना

फिलहाल, फ्लाइंग स्क्वाड की टीम पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो इस मामले में तस्करों के साथ-साथ विभाग के कई जिम्मेदार अधिकारियों पर भी बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

ओडिशा के 3 शिकारी रंगे हाथ गिरफ्तार

टाइगर रिजर्व में जहर से शिकार की साजिश नाकाम

■ **एंटी पोचिंग टीम की सख्ती, सीधे भेजे गए जेल**

गरियाबंद / नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में अवैध शिकार की एक बड़ी कोशिश को एंटी पोचिंग टीम ने समय रहते नाकाम कर दिया। परिक्षेत्र इंदागांव (धुरवागुड़ी) बफर के पीपलखूंटा सर्कल में नियमित गश्त के दौरान वन अमले ने तीन संदिग्धों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपी ओडिशा के नवरंगपुर जिले के ग्राम अछला के निवासी हैं, जो गोड़ेना जलप्रपात के बहते पानी को फावड़े से रोककर उसमें जंगल से लाए गए जहरीले पत्ते मिला रहे थे। उनका उद्देश्य पानी को विषैला बनाकर बड़ी मात्रा में मछलियों और अन्य जलीय जीवों का शिकार करना था। एंटी पोचिंग टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसके

बाद गरियाबंद पुलिस के सहयोग से विधिवत कार्रवाई की गई।

वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ पी.ओ.आर. प्रकरण क्रमांक 16/393 दिनांक 25 अप्रैल 2026 दर्ज कर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 2, 27, 29, 50 और 52 के तहत मामला कायम किया। आरोपियों को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी देवभोग के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल गरियाबंद भेज दिया गया।

उप निदेशक वरुण जैन और सहायक संचालक गोपाल सिंह कश्यप के मार्गदर्शन तथा परिक्षेत्र अधिकारी सुशील कुमार सागर की रणनीति में यह कार्रवाई सफल रही।

निंदा प्रस्ताव का किसी भी कानून पर बाध्यकारी प्रभाव नहीं: मो. अकबर

कवर्धा/नवप्रदेश। पूर्व केबीनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने बयान जारी कर कहा है कि लोकसभा में 131 वां संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाने के पश्चात् भाजपा लोगों को गुमराह करना चाह रही है। महिला आरक्षण विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 2023 को पारित हो चुका है तथा लोकसभा विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का कानून बन चुका है। महिला आरक्षण की आड़ में मनमाने परिसीमन करने भाजपा का षडयंत्र सफल नहीं हुआ तो वह गैर भाजपा पर्टियों पर महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने देने का झूठा आरोप लगा रही है जबकि महिला आरक्षण विधेयक

वर्ष 2023 में ही पारित हो चुका है।

प्रदेश के पूर्व केबीनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के अनुसार विधानसभा का सत्र बुलाने की शक्ति राज्यपाल के पास है लेकिन व्यवहार में यह निर्णय मंत्री परिषद (केबिनेट) की सलाह पर होता है। यदि सरकार चाहे तो किसी विशेष मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने की सिफारिश कर सकती है। सामान्यतः विशेष सत्र राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दो पर चर्चा के लिए, विश्वास मत/बहुमत परीक्षण, बजट या अनुपूरक बजट पारित करने के लिए, प्राकृतिक आपदा या कानून व्यवस्था संकट या विशेष कानून पारित करने के लिए बुलाया जाता है। लेकिन मामला अत्यंत गंभीर हो, तात्कालिक या राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण हो तो सरकार विशेष सत्र बुला सकती है। मोहम्मद अकबर ने कहा कि विधानसभा इसलिए है ताकि राज्य अपनी जनता के लिए अपने स्तर पर शासन चला सके और स्थानीय समस्याओं का समाधान कर सकें।

घटारानी के जंगलों में तेंदुआ, भिड़ंत के बाद जान बचाकर भाग निकला युवक

गरियाबंद /नवप्रदेश। । छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के प्रसिद्ध घटारानी जंगल में तेंदुए और एक युवक के बीच जमकर हुए द्वंद्व में जान बचाकर भाग निकले। घटारानी के घने जंगलों में तेंदूपत्ता कार्य से जुड़ी रस्सी लेने गए एक युवक पर दो मादा तेंदुओं ने जानलेवा हमला कर दिया। शावकों के साथ मौजूद तेंदुओं के हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसने साहस दिखाते हुए किसी तरह अपनी जान बचा ली।

जंगल में घात लगाए बैठी थीं मादा तेंदुए: जानकारी के अनुसार, ग्राम जमाही निवासी भीखम कमार रोज की तरह जंगल गया था। उसे अंदाजा नहीं

था कि झाड़ियों के पीछे खतरा छिपा है। जैसे ही वह अंदर पहुंचा, उसका सामना दो मादा 5 तेंदुओं से हो गया, जो अपने शावकों के साथ थीं। अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर आक्रामक हुई तेंदुओं ने अचानक युवक पर हमला बोल दिया। हमला इतना तेज था कि, युवक लहूलुहान हो गया और जंगल में उसकी चीखें गूंज उठीं।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भीखम ने हिम्मत नहीं हारी और संघर्ष करते हुए वहां से भागनें में सफल रहा।

वन विभाग का हाई अलर्ट

घायल युवक को तत्काल फिंगेश्वर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए महासमुंद रेफर किया गया है। उसके शरीर पर. तेंदुओं के नाखून और दांत के गहरे निशान पाए गए हैं। घटना के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। मादा तेंदुओं के साथ शावकों की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के गांवों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे फिलहाल जंगल की ओर न जाएं।

इंडक्शन फर्नेस में रिसाव, बड़ा हादसा टला

■ **जांच के बाद यूनिट अस्थायी रूप से बंद**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम हथनेवरा स्थित कारखाना मेसर्स- प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड में शुक्रवार 24 अप्रैल को इंडक्शन फर्नेस से पिघली धातु के रिसाव की घटना सामने आई। राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई भी श्रमिक घायल नहीं हुआ, हालांकि हादसा गंभीर रूप ले सकता था। जानकारी के अनुसार प्लांट में 15 टन क्षमता वाले इंडक्शन फर्नेस में रोज की तरह धातु पिघलाने का काम चल रहा था। इसी दौरान कल दोपहर करीब 2रू30 बजे फर्नेस की कॉइल में छेद हो गया, जिससे पानी का रिसाव शुरू हो गया। यह पानी गर्म पिघली धातु के संपर्क में आ गया। साथ ही फर्नेस की अंदरूनी लाइनिंग में भी छेद हो गया, जिससे पिघली धातु बाहर निकलने लगी और तेज आवाज हुई।

पूर्व मंत्री धनीराम साहू के बेटे की मौत

■ **पत्नी और प्रेमी पर मारपीट, जमीन बेचने व उकसाने के गंभीर आरोप**

रायपुर। रायपुर के मोवा इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पूर्व राज्यमंत्री धनीराम साहू के 45 वर्षीय बेटे जयेंद्र साहू की मौत ने सनसनी फैला दी है। इस मामले में परिवार ने मृतक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें मारपीट, मानसिक प्रताड़ना और करोड़ों की जमीन बेचने तक की बातें शामिल हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और कई अहम

पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

पूर्व राज्यमंत्री ने थाने में दर्ज कराई शिकायत: घटना के बाद धनीराम साहू सीधे मोवा थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। उन्होंने साफकहा कि उनके बेटे जयेंद्र की मौत महज़ आत्महत्या नहीं बल्कि प्रताड़ना का परिणाम है। धनीराम ने बहू और उसके प्रेमी पर बेटे के साथ नियमित मारपीट करने, पैसे और गहने ले जाने तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए।

भाई ने दी सूचना: मृतक के बड़े भाई भागवत साहू ने पुलिस को बताया कि जयेंद्र ने खुद को घर में बंद कर लिया था। सूचना मिलने पर जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो घर के हाल में जयेंद्र का शव मिला।जिसके बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया।

आस्था: वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का विशेष पूजन, दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सोमनाथ मंदिर के 1000 साल पूरे, बलौदाबाजार पहुंचा पवित्र शिवलिंग

बलौदाबाजार (नवप्रदेश)। दशहरा मैदान में सोमवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। लगभग 1000 वर्षों से सुरक्षित माने जा रहे सोमनाथ मंदिर के ज्योतिर्लिंग के पवित्र अवशेष शिवलिंग श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए शहर लाए गए। इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर पर सनातनी समाज एवं आर्ट ऑफ लिविंग के संयुक्त तत्वावधान में बलौदा बाजार के दशहरा मैदान में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच

शिवलिंग का विशेष पूजन

कार्यक्रम की शुरुआत में विधि-विधान से पूजा-अर्चना और अभिषेक के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का विशेष पूजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे थे। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित नगर वासियों ने कतारबद्ध होकर इस दिव्य शिवलिंग के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

लिया देशभर में दर्शन कराने का संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित आर्ट ऑफ लिविंग के प्रमुख ट्रस्टी स्वामी प्रणवानंद जी महाराज ने कहा कि, श्री श्री रवि शंकर के ट्रस्ट द्वारा सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पवित्र अंशों को देशभर में ले जाकर श्रद्धालुओं को दर्शन कराने का संकल्प लिया गया है। यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

दर्शन के लिए लाया गया सोमनाथा के शिवलिंग का अंश: स्वामी जी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि, चंद्रमा द्वारा सौराष्ट्र के सोमनाथ मंदिर, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है, सदियों से आस्था का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में मोहम्मद गजनबी ने इस मंदिर पर 17 बार आक्रमण किए और 18वीं बार शिवलिंग को क्षतिग्रस्त किया। वर्तमान में जो अवशेष दर्शन हेतु लाए गए हैं, उन्हें उसी पवित्र शिवलिंग के अंश के रूप में देखा जा रहा है, इस शिवलिंग में एक विशेष मैग्नेटिक ऊर्जा का वास है। स्वामी प्रणवानंद जी ने आगे बताया कि, गुरुजनों की मंशा है कि इस दिव्य शिवलिंग के दर्शन पूरे भारतवर्ष के लोगों को कराए जाएं। इसी क्रम में यह पवित्र अवशेष विभिन्न राज्यों में भ्रमण कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में दर्शन के पश्चात इसे अन्य राज्यों में ले जाया जाएगा और अंततः बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग के मुख्यालय में स्थापित किया जाएगा।

हिस्ट्रीशीटर रवि साहू की 7 करोड़ की संपत्ति कुर्की की तैयारी

सफेमा के तहत बड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में नशे के कारोबार और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रवि साहू की करीब 7 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सफेमा एक्ट के तहत रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर मुंबई स्थित सक्षम न्यायालय में भेज दिया है। इसके साथ ही जेल में बंद आरोपी को नोटिस भी जारी कर दिया गया है। पुलिस का यह कदम अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद रायपुर में गैंगबाजों और नशे के सौदागरों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ-साथ उनकी अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि केवल गिरफ्तारी से अपराध पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगाया जा सकता, बल्कि आर्थिक स्रोतों को खत्म करना जरूरी है।

हिस्ट्रीशीटर मुकेश बनिया भी रडार पर

रवि साहू के बाद अब पुलिस की नजर हिस्ट्रीशीटर मुकेश बनिया पर है। करीब 15 वर्षों से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय मुकेश बनिया फिलहाल जेल में बंद है। पुलिस उसके पिछले छह वर्षों की संपत्ति का रिकॉर्ड खंगाल रही है। अधिकारियों का अनुमान है कि जांच में करोड़ों की बेनामी संपत्ति सामने आ सकती है।

छह साल की संपत्ति पर होगा एक्शन

नियमों के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में आरोपी द्वारा पिछले छह वर्षों में अर्जित संपत्तियों को कार्रवाई के दायरे में लाया जा सकता है। इसी आधार पर रवि साहू और उससे जुड़े लोगों की संपत्तियों की जांच की जा रही है। पुलिस का फोकस उन सभी संपत्तियों पर है, जो अवैध कमाई से अर्जित की गई हैं।

55 मामलों का आरोपी अब संपत्ति पर प्रहार

रवि साहू लंबे समय से गांजा तस्करी और संगठित अपराध का बड़ा नाम रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ हत्या, मारपीट, अवैध वसूली, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 55 गंभीर मामले दर्ज हैं। एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में उसे सजा भी सुनाई जा चुकी है और वर्तमान में वह जगदलपुर जेल में बंद है। पुलिस का कहना है कि ऐसे अपराधियों के नेटवर्क को खत्म करने के लिए उनकी संपत्ति पर कार्रवाई करना बेहद जरूरी है।

11 मकान और कई प्लॉट का खुलासा

जांच के दौरान पुलिस को रवि साहू और उसके परिजनों के नाम पर भारी निवेश का पता चला है। माना रोड स्थित आरएस ढाबा भी जांच के दायरे में है। इसके अलावा 11 नजूल मकान, कई कीमती प्लॉट, बसें और कारें उसके और उसकी पत्नी के नाम पर दर्ज मिली हैं। पुलिस अब उसके बेटे ऋषि साहू और भाई कृष्णा साहू के नाम पर दर्ज संपत्तियों की भी जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

सट्टेबाज बाबू खेमानी भी जांच के घेरे में

इसी कड़ी में हाल ही में गिरफ्तार सट्टेबाज बाबू उर्फ गुलशन खेमानी की संपत्तियों की भी जांच तेज कर दी गई है। पुलिस ने टाटीबंध स्थित उसके ठिकाने पर छापेमारी कर कई प्लॉट, वाहन, बैंक खातों और लेनदेन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं। आरोपी के परिजन फरार बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश जारी है। पूछताछ में आरोपी ने पिछले तीन वर्षों से ऑनलाइन एप के जरिए सट्टेबाजी संचालित करने की बात स्वीकार की है, जिसमें विदेशी कनेक्शन भी सामने आया है।

तीनों जोन में बनेगी हिस्ट्रीशीटरों की सूची

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के नॉर्थ, सेंट्रल और वेस्ट जोन में सक्रिय हिस्ट्रीशीटरों की सूची तैयार की जा रही है। इन सभी के खिलाफ सफेमा के तहत कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्तियों को सीज करने की योजना बनाई गई है। पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में ऐसे कई मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान केवल शुरुआत है। संगठित अपराध और नशे के अवैध कारोबार से जुड़े हर बड़े चेहरे को चिन्हित कर उसकी अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर में अपराध के नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

50 लाख गबन कांड का खुलासा ड्राइवर समेत सात आरोपी गिरफ्तार

■ **आरोपी से 49.5 लाख रुपए नकद बरामद**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में करीब 50 लाख रुपये के गबन मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी ड्राइवर सहित कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 49 लाख 50 हजार रुपये नगद, एक एमजी विंडसर कार और वारदात में प्रयुक्त वर्ना कार जब्त की गई है। जब्त संपत्ति की कुल कीमत लगभग 66 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी कृष्णा साहू कंपनी में ड्राइवर के पद पर कार्यरत था। उसने अपने रिश्तेदारों और साथियों के साथ मिलकर पूर्व योजना के तहत इस वारदात को अंजाम दिया। घटना 25 अप्रैल की दोपहर की है, जब कंपनी का एकाउंटेंट भूपेंद्र देवांगन और ड्राइवर कृष्णा साहू कचना क्षेत्र से लगभग 50 लाख रुपये लेकर बैंक जा रहे थे। बैंक बंद होने के कारण वे रकम लेकर देवपुरी स्थित निवास लौट रहे थे।

इसी दौरान गीतांजलि नगर स्थित भारत माता चौक के पास कृष्णा साहू ने गुटखा लेने के बहाने एकाउंटेंट को कार से उतार दिया और मौका मिलते ही नगदी से भरी कार लेकर फरार हो गया। एकाउंटेंट द्वारा शोर मचाने और संपर्क करने की कोशिश के बावजूद आरोपी फरार हो गया और मोबाइल फोन भी बंद कर लिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ) मयंक गुर्जर और पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा खम्हारडीह थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी की गतिविधियों को ट्रैक किया और तकनीकी विश्लेषण व मुखबिर तंत्र की मदद से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में कृष्णा साहू ने बताया कि उसने अपने परिवार और साथियों के साथ मिलकर रकम का बंटवारा कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने एक महिला सहित कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों के खिलाफ थाना खम्हारडीह में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(4), 306 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पेयजल आपूर्ति : गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन के निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने मनेन्द्रगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदारों को पेयजल आपूर्ति से जुड़ी सभी संरचनाओं में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को प्रगतिरत कार्यों की गंभीरता से नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। विभागीय अधिकारियों की टीम ने मनेन्द्रगढ़ विकासखंड में चैनपुर इंटेकवेल, जल शोधन संयंत्र, गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला तथा डिवीजन कार्यालय भवन सहित चिरमिरी क्षेत्र के डब्ल्यूटीपी का अवलोकन किया। टीम ने ग्राम पंचायत सेंधा, लोहारी एवं हर्रा अंतर्गत ग्राम सेंधा, नवापारा एवं हर्रापारा में प्रगतिरत पेयजल परियोजनाओं की जमीनी स्थिति का भी निरीक्षण किया। अधीक्षण अभियंता एस.एन. पांडे के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने निर्माणाधीन संरचनाओं की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों के अनुपालन तथा कार्यों की प्रगति का गहन परीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों।

मेडिकल कालेजों के 13 विभागों को मिलेंगे 62 सहायक प्राध्यापक, दस्तावेजों की जांच आज से

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के शासकीय मेडिकल कालेजों में संचालित 13 विभागों को शीघ्र ही 62 असिस्टेंट प्रोफेसर मिलेंगे। सीजीपीएससी के माध्यम से पूरी की जा रही भर्ती प्रक्रिया में इन विभागों के लिए चयनित डाक्टरों के दस्तावेजों की जांच 28 एवं 30 अप्रैल को की जाएगी। शासकीय मेडिकल कालेज में स्क्रूटनी के बाद जारी होने वाली अंतिम सूची के बाद काफी हद तक डाक्टरों की समस्या हल हो जाएगी।

राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों में सहायक प्राध्यापक के 673 पद हैं, जिसमें से 361 पद रिक्त हैं, जो आंकड़ा अपने आप में काफी बड़ा है। इसका असर चिकित्सा शिक्षा के साथ संबंधित अस्पतालों की उपचार व्यवस्था पर पड़ रहा है। सरकार इन कमियों को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती करवा रही है। इसके तहत चिकित्सा महाविद्यालयों में संचालित 13 विभागों की कमियां काफी हद तक दूर कर ली जाएंगी। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद चयनित अभ्यर्थियों की चयन सूची के साथ अपने तमाम दस्तावेज लेकर

शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर आना होगा, जहां चिकित्सा शिक्षा संचालनालय की टीम उनका परीक्षण करेगी। तय शेड्यूल के मुताबिक अस्थि रोग, रेडियोथेरेपी निश्चेतना, एनेस्थिसिया, फार्माकोलॉजी, त्वचा रोग एवं शिशु रोग विभाग के सहायक प्राध्यापकों के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच 28 तथा मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग, ईएनटी, कम्यूनिटी मेडिसिन एवं फॉरेंसिक मेडिसिन तथा सर्जरी विभाग के चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच 30 अप्रैल को की जाएगी।

लंबे समय बाद सीधी भर्ती

सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती की प्रक्रिया दो साल बाद पूरी की जा रही है। वर्ष 2024-2025 में इस पर ब्रेक लगा था, वहीं 2023 में केवल 5 लोगों की भर्ती की ठगई थी। इस भर्ती के बाद विभाग में लंबे समय से एक ही पदों पर काम करने वाले चिकित्सा शिक्षकों को प्रमोशन के रास्ते खुलेंगे। साथ ही मेडिकल कालेजों में फैकल्टी की व्यवस्था होने के बाद सीटे लेप्स होने का जोखिम कम हो जाएगा।

जबरन खुदाई से सहमे किसान मुआवजे पर बढ़ा विवाद

■ **प्रशासन की चुप्पी से आक्रोश**

रायपुर/नवप्रदेश। निजी उद्योगों द्वारा खेतों में पाइपलाइन बिछाने के लिए की जा रही जबरिया खुदाई ने ग्रामीण इलाकों में गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। किसानों का आरोप है कि बिना सहमति और बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए उनके खेतों में खुदाई की जा रही है, जिससे उपजाऊ जमीन बर्बाद हो रही है। इतना ही नहीं, मुआवजे के नाम पर बेहद कम राशि देकर किसानों से जबरन दस्तखत कराए जा रहे हैं। इस पूरे मामले में प्रशासन की खामोशी ने किसानों के आक्रोश को और बढ़ा दिया है।

आरंग ब्लॉक के ग्राम भैंसा सहित आसपास के कई गांवों में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक बताई जा रही है। किसान हरबंश धीवर ने बताया कि उनके साढ़े चार एकड़ संयुक्त खेत में रात के समय उद्योग से जुड़े लोग पहुंचे और कागजों पर जबरन हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद करीब 150 मीटर तक खेत की खुदाई कर दी गई। उन्हें मुआवजे के तौर पर मात्र 80 हजार रुपये दिए गए, जबकि खेत की उपजाऊ मिट्टी और संरचना पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। उनका कहना है कि इस नुकसान की भरपाई आने वाले कई वर्षों तक संभव नहीं है।

इसी गांव के किसान रामजी साहू का आरोप है कि उनके खेत में बिना किसी सूचना या सहमति के करीब 300 मीटर तक खुदाई कर दी गई, लेकिन उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया। वहीं किसान रमेश को केवल 300 रुपये प्रति मीटर की दर से भुगतान किया गया, जो वास्तविक नुकसान के मुकाबले बेहद कम है। किसानों का कहना है कि ठेकेदार अपनी मनमर्जी से मुआवजा तय कर रहे हैं और खेतों की मेड़, पेड़-पौधों तक को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

किसान अशोक यादव, नरेन्द्र और दादू ने भी आरोप लगाया कि उनकी जमीन पर बिना सूचना खुदाई की गई और विरोध करने पर उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। किसानों को यह भी कहा जा रहा है कि यदि उन्होंने विरोध किया तो उनके खिलाफ केस दर्ज कर जमीन जब्त कर ली जाएगी। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया है।

किसानों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि खुदाई के बाद जमीन कई वर्षों तक खेती के लायक नहीं रह जाएगी। भारी मशीनों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिससे न तो ट्रैक्टर चलाना संभव होगा और न ही हार्वेस्टर का उपयोग किया जा सकेगा। किसानों का कहना है कि जब जमीन से उत्पादन ही नहीं होगा तो उन्हें होने वाले दीर्घकालिक नुकसान की भरपाई कौन करेगा।

पानी की किल्लत झेलने वाले गांव में अब हर घर नल कनेक्शन

■ **जल जीवन मिशन ने बदली गांव की तस्वीर**

रायपुर/नवप्रदेश। जल जीवन मिशन से गांवों की तस्वीर बदल रही है। इसने ग्रामीणों, खासकर महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। हर साल पानी की किल्लत झेलने वाले गांवों में भी अब मिशन की बदौलत नल से हर घर स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। राजनांदगांव के डोंगरगढ़ विकासखंड के दूरस्थ वनांचल गांव घीकुड़िया में जल जीवन मिशन के तहत सोलर आधारित जल आपूर्ति की व्यवस्था ने गांव की सूरत बदल दी है। जल जीवन मिशन से घीकुड़िया में अब हर घर तक शुद्ध पेयजल की पहुंच सुनिश्चित हो गई है। इससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। मिशन के अंतर्गत गांव में पानी टंकी का निर्माण, पाइपलाइन बिछाने तथा नल कनेक्शन के माध्यम से प्रत्येक घर तक जल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इस सुविधा से महिलाओं को काफी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अब उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता और वे अपने अन्य कार्यों पर ज्यादा ध्यान दे पा रही हैं। घीकुड़िया में जल आपूर्ति की नई व्यवस्था से बच्चों की दिनचर्या में भी सार्थक बदलाव आया है। पहले जहां पानी लाने में समय व्यतीत होता था, वहीं अब बच्चे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में अधिक समय दे पा रहे हैं।

नव प्रदेश
रायपुर, मंगलवार 28 अप्रैल 2026
Gmail: navpradesh@gmail.com

सुविचार

उगते हुए सूरज और दौड़ते हुए घोड़े के चित्र लगाने से सफलता नहीं मिलती. सफलता पाने के लिए सूरज से पहले जागना और घोड़े से तेज भागना पड़ता है।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक

दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश कहे जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। यह तो गनीमत हुई कि डोनाल्ड ट्रंप सहित अमेरिका के सभी बड़े नेताओं मे से किसी को भी हमलावर की गोली नहीं लगी। डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के एक बड़े होटल में रात्रिभोज का आयोजन किया था जिसमें सभी वीआईपी मेहमान मौजूद थे। इस दौरान एक हथियार बंद हमलावर ने अंधाधूध गोलियां बरसानी शुरू कर दी। तत्काल सुरक्षाकमी हरकत में आये और डोनाल्ड ट्रंप सहित सभी नेताओं को वहां से सुरक्षित बाहर निकाल दिया। हमलावार को भी मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। यह तीसरी बार है जब डोनाल्ड ट्रंप पर हमला किया गया है पहली बार जब वे राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे तब उन्हें गोली मारने की कोशिश की गई थी जिससे वे बाल बाल बचे थे इसके बाद राष्ट्रपति चुने जाने के बाद गोल्फ मैदान में भी उनपर असफल हमला किया गया था इस बार तो हद ही हो गई। जब वाशिंगटन के मशहूर होटल हिल्टन में उन्हें निशाना बनाने की कोशिश की गई। इसी होटल में दशकों पूर्व एक और अमेरिकी राष्ट्रपति पर भी गोलियां चलाई गई थी। इसक बावजूद डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में गंभीर चूक हुई है। इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब आप प्रभावशाली होते हैं तो लोग आपके पीछे पड़ जाते हैं लेकिन जब आप प्रभावशाली नहीं होते तो वे आपको अकेला छोड़ देते हैं। डोनाल्ड ट्रंप विश्व के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति हैं और इन दिनों अमेरिका तथा ईरान के बीच जंग का माहौल बना हुआ है। ऐसे में तो उनकी हर जगह कड़ी सुरक्षा निहायत जरूरी है। बेशक वे अपनी देश अमेरिका में ही हों लेकिन वहां भी उनपर खतरा मंडरा रहा है। दो बार पहले भी उन पर हमले की कोशिश होना और फिर भी उनकी सुरक्षा में लापरवाही बरतना वाकई हैरत की बात है। डोनाल्ड ट्रंप निशाना बनाये जाने की कोशिश पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है और इस घटना की कड़ी निंदा की है। पीएम मोदी ने कहा है कि सुरक्षा चूंक के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेन्स सहित सभी नेताओं का सुरक्षित रहना संतोष का विषय है लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। बहरहाल डोनाल्ड ट्रंप के कार्यक्रम के दौरान हुई गोलीबारी से सबक लेकर अब उनकी सुरक्षा के इंतेजाम और पुख्ता किये जाने चाहिए।

दूसरे चरण का मतदान बड़ी चुनौती

बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान तो छिट पुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण रहा किन्तु 29 अपैल को जिन 142 सीटों पर दूसरे चरण मतदान होना है उसे शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना चुनाव आयोग और वहां तैनात सुरक्षाबलों के बड़ी चुनौती होगी। दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार पर विराम लग गया है। अब प्रत्याशी और उनके समर्थक घर घर जाकर ही दस्तक दे पाएंगे। यही वह समय है जब वहां अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत होगी। सत्तारूढ़ टीएमसी के कार्यकर्ता लगातार मतदाताओं को डरा धमका रहे हैं। एक टीएमसी समर्थक के घर के पास तो सुरक्षाबलों ने 100 से ज्यादा बम बरामद किये हैं। जिसकी एनआईए से जांच कराई जा रही है। यदि इन बमों की बरामदगी नहीं होती तो जाहिर है दूसरे चरण के मतदान के पूर्व या दौरान इन बमों के जरिए किसी गंभीर घटना को अंजाम दिया जा सकता था। इस बीच बंगाल के बैरनपूर में चुनाव प्रचार के आखरी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा होने के पूर्व टीएमसी समर्थकों ने भाजपा के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह पर हमला कर दिया। नतीजतन वहां टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच जमकर बवाल हुआ। पत्थरबाजी की भी घटना हुई और मौके पर मौजूद बंगाल पुलिस मुकदर्शक बनकर तमाशा देखती रही। इस बीच बंगाल की जिस भवानीपुर विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही हैं वहां भी भाजपा और टीएमसी के नेता आपमे सामने आ गये थे। वहां ममता बनर्जी भी चुनावी सभा ले रही थी जिसमें मात्र डेढ़ दो सौ लोग उपस्थित थे। जबकि वहां से कुछ ही दूरी पर शुभेंदू अधिकारी की चुनावी सभा में हजारों की भीड़ जुटी थी। इससे नाराज होकर ममता बनर्जी चुनावी सभ को संबोधित किये बगैर मंच छोड़कर चली गई और उसके बाद टीएमसाी समर्थकों ने भाजपा की चुनावी सभा में जाकर उत्पाद मचाया था। इन तमाम घटनाओं को मद्देनजर रखकर बंगाल में दूसरे चरण का मतदान शांतिपूर्वक कराना निश्चित रूप से चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती सिद्ध होगी।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए: नौकरियों और विकास के लिए महिलाओं के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक समझौता

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफ्टीए), जिस पर सोमवार को हस्ताक्षर किये जायेंगे, विकसित दुनिया के साथ भारत की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है।

पीयूष गोयल

यह एफ्टीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है। ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी, प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं।

निर्यात और रोजगार को मजबूत बढ़ावा

दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहाँ हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10त्न शुल्क लगाया जाता है। यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुँच से लाभ मिलेगा। इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है। यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है। व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है।

नारी शक्ति

इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला-नेतृत्व वाला एफ्टीए है। वार्ता टीम की लगभग सभी सदस्य महिलायें थीं। इनमें मुख्य वार्ताकार, उप मुख्य वार्ताकार, क्षेत्र प्रमुख और न्यूजीलैंड में भारत की राजदूत शामिल हैं। यह उपलब्धि मोदी सरकार में महिलाओं के बढ़ते महत्व को दर्शाती है। यह शासन, नेतृत्व और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास के संचालक के रूप में नारी शक्ति के विचार को सुदृढ़ करती है।

किसान पहले

एफ्टीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है। न्यूज़ीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा। इन पहलों में बेहतर बीज सामग्री, अनुसंधान सहयोग, किसानों के लिए क्षमता निर्माण, बागवानी प्रबंधन प्रथाएं, कटाई के बाद सुधार, खाद्य सुरक्षा प्रणाली और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है। सेब उत्पादकों और सतत मधुमक्खी पालन तौर-तरीकों के लिए परियोजनाएं उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को

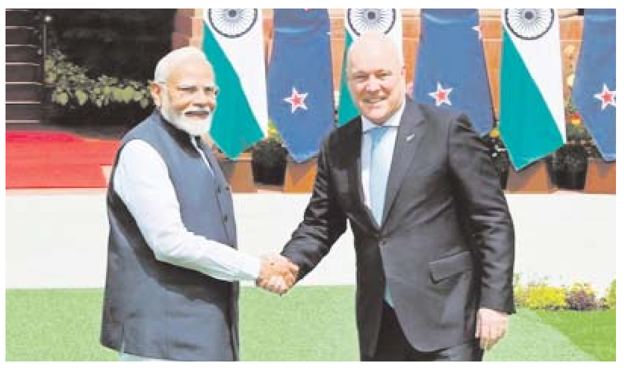

बढ़ाएंगी, जिससे कृषि समृद्धि में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है। डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ ख़ास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है। समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें। किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वार्ताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है।

युवा और पेशेवर

समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है। किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते में पहली बार, न्यूजीलैंड ने भारतीय छात्रों के आवागमन और अध्ययन के बाद काम करने के अवसरों के लिए एक संरचना-युक्त रूपरेखा पेश की है। भारतीय छात्रों पर कोई संख्यात्मक सीमा नहीं है। छात्रों को अध्ययन के दौरान प्रति सप्ताह कम से कम 20 घंटे काम करने की अनुमति दी जाएगी, जबकि अध्ययन के बाद काम करने के अधिकार - एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन वर्षों तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार वर्षों तक - बढ़ाए गये हैं। समझौता किसी भी समय 5,000 भारतीय पेशेवरों तक के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीज़ा मार्ग पेश करता है, जिसके तहत आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, निर्माण तथा योग, आयुर्वेद, भारतीय व्यंजन और संगीत शिक्षा जैसे चयनित पारंपरिक क्षेत्रों में तीन वर्षों तक रहने की अनुमति होगी। इसके अलावा, एक वर्किंग हॉलीडे वीज़ा योजना प्रत्येक वर्ष 1,000 युवा भारतीयों को न्यूज़ीलैंड में 12 महीने तक रहने और काम करने की अनुमति देगी, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक अनुभव को मजबूती मिलेगी।

निवेश और नवाचार

न्यूजीलैंड ने भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इससे विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सेवाओं, नवाचार इकोसिस्टम और रोजगार सृजन को समर्थन मिलने की उम्मीद है। जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक 'पुनर्संतुलन खंड' शामिल किया गया है, जिससे भारत को यह अधिकार मिलता है कि यदि निवेश संबंधी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं होतीं हैं, तो वह सुधारात्मक कदम उठा सकता है। यह समझौता अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और नवाचार-आधारित क्षेत्रों में सहयोग को भी बढ़ावा देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दीर्घकालिक विकासात्मक साझेदारियों में व्यापार पूरक भूमिका निभाएगा।

व्यापार रणनीति

भारत-न्यूज़ीलैंड एफ्टीए विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी करने की स्पष्ट और भरोसेमंद व्यापार रणनीति को प्रतिबिंबित करता है, जो भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए सार्थक बाजार पहुँच की सुविधा देता है और घरेलू संवेदनशीलताओं का सम्मान करता है। आज भारत ताकत और विश्वसनीयता की स्थिति के साथ वार्ता करता है। पहले के दशकों में व्यापार समझौतों को अक्सर संवेदनशील क्षेत्रों को अपर्याप्त सुरक्षा दिए बिना अंतिम रूप दिया जाता था, इसके विपरीत वर्तमान वार्ताएं सुनिश्चित करती हैं कि कृषि, डेयरी और अन्य संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहें। जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपनी सहभागिता को प्रगाढ़ कर रहा है, विकसित दुनिया के साथ हुए व्यापार समझौते इस तथ्य का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि व्यापार नीति को कैसे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा सकता है, जिससे विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में समावेशी वृद्धि और दीर्घावधि आर्थिक सुदृढ़ता सुनिश्चित होती है।

नए भारत की एमएसएमई क्रांति के केंद्र में है नारी शक्ति

शोभा करंदलाजे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सितंबर 2023 में संसद में समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया था कि भारत तभी आगे बढ़ सकता जब देश की नारियां भी इसके साथ ही उन्नति करें। उनका यह विश्वास एमएसएमई क्षेत्र में सरकार के काम में हर रोज दिखाई देता है। एमएसएमई क्षेत्र को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन अगर गहराई से देखें तो इसके दिल में महिला उद्यमियों का मूक बल बसता है। आखिरकार आज इस मूक बल को वह राष्ट्रीय मान्यता, संस्थागत समर्थन और नीतिगत गति मिल रही है जिसका वह हमेशा से हकदार है। भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में महिलाओं की भागीदारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत तक, 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' और 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' पर 3.11 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम पंजीकृत हुए हैं। वास्तव में, 'उद्यम' और 'उद्यम असिस्ट' पंजीकरण के अनुसार, देश के कुल पंजीकृत एमएसएमई में महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है और ये रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिला उद्यमियों के लिए सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। पूरी तरह से ऑनलाइन, कागज रहित और स्व-घोषणा पर आधारित इस व्यवस्था ने उस नौकरशाही बाधा को समाप्त कर दिया, जो महिलाओं के लिए एक बड़ी रुकावट बनी हुई थी।

जनवरी 2023 में शुरू किए गए 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत उन महिलाओं तक पहुँच बनाकर इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया, जिनके पास 'पैन' नंबर या 'जीएसटीएन' नहीं था। इसने उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र में दिए जाने वाले ऋण और सरकारी योजनाओं के लाभों के दायरे में लाने का काम किया। सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है।

आर्थिक शक्ति के रूप में 'नारी शक्ति'

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मज़बूत होता जाता है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाज़ार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है।

महिलाओं के लिए तैयार की गई एक नीतिगत संरचना

एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है। ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं: तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाज़ार तक पहुँच, और उद्योग-स्तरीय कौशल विकास। पिछले पाँच वर्षों में, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 3.2 लाख से ज़्यादा महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सहायता दी गई है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, पीएमईजीपी के कुल लाभार्थियों में से 39त्न महिलाएँ हैं जो इस योजना की रूपरेखा और महिलाओं की कुछ कर दिखाने की ललक, दोनों को दर्शाता है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट महिला ऋणदाताओं को 90 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ गारंटी कवर प्रदान करता है। इससे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे महिलाओं को ऋण देने के लिए तैयार हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक खरीद नीति में संशोधन कर यह अनिवार्य किया गया कि केंद्रीय मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से ही खरीदें। इससे महिला उद्यमियों के लिए एक सुनिश्चित और अनुमानित बाज़ार तैयार होता है, जिससे सरकारी खर्च को महिलाओं के व्यवसाय की वृद्धि में बदला जा रहा है।

सद्गुरू बोधामृतम्

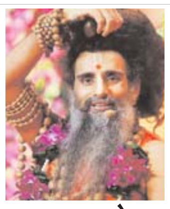

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ भक्त की पहचान है जो अपराध न करे उस अपराध के लिए भी उसको लगता हैं कि मैंने किया है और अहंकारी की पहचान हैं जो उसने किया है वह भी मानने को तैयार नहीं होता है।

◆ बिना प्रेम के ना ही मिले नंदलाला। बाकी सब मिल जाए लेकिन नंदलाला नहीं मिलेगा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1945 - इटली के देशभक्त सैनिकों द्वारा तानाशाह मुसोलिनी एवं उनकी पत्नी की गोली मारकर हत्या। 1999 - अमेरिकी वैज्ञानिक डाक्टर रिचर्ड सीड द्वारा एक वर्ष के अंदर मानव क्लोन बनाने की घोषणा। 1999 - विश्वभर में हज़ारों कम्प्यूटरों को चेर्नोबिल वायरस ने ठप्प किया। 2001 - पहला अंतरिक्ष सैलानी टेनिस टीटो अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना। 2002 - बुकर पुरस्कार का नया नाम 'मैन बुकर प्राइज फॉर फिक्शन' रखा गया। 2002 - पाकिस्तान की सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफके जनमत संग्रह को वैध करार दिया। 2004 - थाबोम्बेकी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। 2004 - थाइलैंड में पुलिस चौकी पर हमले में 122 लोगों की मृत्यु। 2008 - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरों) ने पीएसएलवी-सी9 के साथ 10 सैटेलाइट एक साथ छोड़कर एक नया इतिहास रचा।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ये बस नहीं है झुर्रियां यह है वक्त की लकीरें वक्त ने अपनी कलम से लिख डाली जो तहरीरें जब जब शीतल हवा चले चोट लगे बूढ़े तन पर जब भी यौवन महकता चले बुढ़ापा मंथन पर ये बता दे वक्त शह की कौन सी लिखीं तकरीरें ये बस नहीं हैं झुरियां, ये हैं वक्त की लकीरें।। जिंदगी के समंदर में बीच फंसी प्रौढ़ावस्था दो सेतुओं बीच में है न जाने कैसी अवस्था सह जाती है बोझ बहुत और न जाने कितनी पीरें।। वक्त ने अपनी कलम से, लिख डाली जो तहरीरें।। **- रजनी रामदेव**

सुनो अचानक ही आज महीनों बाद ख़वाब चला आया और तुम्हें भी साथ ले आया और अचानक ही नींद जब खुली ख़्वाब याद रह गया और याद रह गए हो तुम भी ये अहसास भी महीनों बाद दिल को गुदगुदाया सुनो कहीं तुम मेरा पहला पहला वाला अंतिम प्यार तो नहीं।

- शुचि 'भवि'

तुम मेरी याद भुला दो तो कोई बात नहीं, हिज्र की रात में तन्हा ही सफ़र करता हूँ, दर्दे दिल भी नहीं होता है तेरी दीद के बिन, गोया तस्वीर के सजदे में बसर करता हूँ !

- कुलदीप मिश्रा

कुछ लोगों को अपने चारों और उपस्थित हर व्यक्ति से शिकायत होती है। हर एक के लिए नेगेटिव ओपिनियन..!! अफसोस उनको हाँ में हाँ मिलाने वाले भी मिल ही जाते हैं यह एक बडा आश्चर्य क्योकि दो लोगों के साथ एक सी स्थितियाँ संभव ही नहीं - हिंदी में एक शब्द है जिसका वास्तविक अर्थ समझना जरा कठिन है।

- सरिता त्रिवेदी

क्षण भर में पिघल गयी वो बर्फ जो जमी थी मेरे सर्द चेहरे पर लौट आई ज़िंदगी आज जैसे ही तेरी तपिश ने मुझे हौले से छुआ गहराने लगी चेतना फिर से सांसें लेने लगा जीवन ... उन बयारों से ज्यों कानो में चुपके से कुछ कहा तुमने.. खिले रहना यूँ ही मेरे आसमान पर ताकि जीवन चल सके तुम्हे क्या पता कि- ÷पिघलती हैं जब भावनाएं÷ सभ्यता तभी जन्म लेती है ।।

- प्रियंवदा अवस्थी

प्रेम जीने की कला है, ज्ञान उसका सारथी! वंदना प्रति दिन करें हम, भक्त बनकर भारती! भाव नित उत्तम रखो तुम, द्वेष निन्दा छोडकर- भावना मंदिर बना ले, भक्त कर ले आरती!!

- राजकिशोर मिश्र 'राज'

कितने ही नामी राजनीतिक नेता हों जब उनके समिकरणो की बात सामने आती है तो सामने आता है उनका बांटों और राज करो वाला चरित्र। बहुत अच्छा है भारतीय पत्रकारिता और बड़े बड़े नेताओं की पुश्तें महान नेताओं की जातिवादी मानसिकता को प्रकाशित करते हैं। पत्रकारिता कुछ ज्यादा ही बढ़-चढ़ कर ऐसा करती है। अब मेरा नज़रिया बदल गया है नेताओं व पत्रकारों को देखने समझने के मामले में।

- नवीन शंकर शर्मा

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में ही दिन व्यतीत हो जाएगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कारोबारी गतिविधियों में बहुत ध्यान देने की जरूरत है। नए एग्रीमेंट होंगे और आपकी छवि और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी कर रहे लोग अपने प्रोजेक्ट को लेकर सावधान रहेंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। सरकारी कार्यवाही चल रही है, तो उससे संबंधित समाधान मिलने की संभावना है। किसी खास मित्र से मुलाकात होगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। समय बहुत ही अनुकूल है। आज खास कार्य भी हल होने वाला है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको विशेष उपलब्धि मिलने वाली है। अपने कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना और समन्वय बनाकर रखना आपको सफल बनाएगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। अपनी जीवनशैली को और अधिक उन्नत बनाकर रखने का प्रयास करें।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज परिस्थितियां आपके पक्ष में सुखद परिवर्तन ला रही है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को संपन्न करें। मन मुताबिक फल मिलने से मन में खुशी रहेगी और आय के साधन प्रबल होंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी संपर्क द्वारा महत्वपूर्ण समाचार प्राप्त होगा। जो कि आपके भविष्य के लिए बहुत ही लाभदायक साबित होगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। दिन सुखद व्यतीत होगा। किसी मित्र अथवा रिश्तेदार के साथ चल रही अनबन दूर होगी और रिश्ते में मधुरता आएगी। घर की साफ-सफाई और अन्य कार्यों में भी आपकी रुचि रहेगी।

कुंभ राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बच्चों की शिक्षा अथवा करियर को लेकर चल रही समस्या हल हो जाएगी। आज अचानक कुछ ऐसे खर्चे सामने आएंगे जिन पर कटौती करना संभव नहीं होगा। धैर्य और संयम से काम लेंगे तो सब सही रहेगा।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से सभी कार्य योजना बद्ध तरीके से संपन्न होते जाएंगे और आप अपने अंदर अद्भुत ऊर्जा महसूस करेंगे।

QUIZ TIME

1) किस राज्य ने बैसिलस सबटिलिस को अपना राज्य सूक्ष्मजीव घोषित किया है?

2) भारत का पहला मेनोपॉज क्लीनिक किस राज्य ने शुरू किया है?

3) भारत की पहली फ्लैट रोल्ड प्रोडक्ट्स एल्युमिनियम यूनिट कहाँ शुरू हुई है?

4) गल्फूड 2026 (दुबई) में भारत को किस रूप में चुना गया है?

5) वइली रिसर्च हीरोज पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय कौन बने हैं?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) केरल (2) महाराष्ट्र (3) ओडिशा (4) पार्टनर देश (5)

पहेली

शब्द सामर्थ्य -021

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

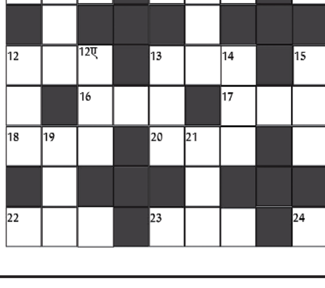

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 020 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सही दवा-शुद्ध आहार अभियान: औषधि और खाद्य सुरक्षा टीम ने कई दुकानों में मारा छापा

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देश पर 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक ''शुद्ध दवा-शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार'' थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। पहले ही दिन औषधि एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सघन अभियान चलाया। अभियान लगातार जारी रहेगा।

औषधि शाखा द्वारा आज जिले में संचालित मेसर्स जलाराम कॉस्मेटिक इंदिरा मार्केट दुर्ग, वर्ल्ड ऑफ ब्यूटी इंदिरा मार्केट दुर्ग, मेसर्स रेडलिप्स कॉस्मेटिक शॉप, नेहरू नगर, भिलाई, मेसर्स वूमनिया मेकअप स्टोर्स, अग्रसेन चौक, नेहरू नगर, मेसर्स प्रकाश जनरल स्टोर्स, आरएसएस मार्केट, पावर हाउस, भिलाई, मेसर्स हर्षित जनरल एण्ड बैंगल्स स्टोर्स पावर हाउस, जवाहर मार्केट, भिलाई और मे केजीएन ज्वेलर्स, जवाहर मार्केट, कैम्प-2, पावर हाउस, भिलाई में 7 कॉस्मेटिक विक्रय करने वाले फर्मों का निरीक्षण किया गया।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 नियमावली 1945 के तहत किये गए निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की एलोपैथिक औषधियों का संग्रह करना नहीं पाया गया। फर्मों के क्रय-विक्रय रिकार्ड की जांच की गई। सख्त निर्देश दिये गए कि उनके द्वारा कास्मेटिक सामान का क्रय अधिकृत विक्रेताओं/एजेंसी से क्रय बिल के माध्यम से किया जाए। भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

खाद्य शाखा द्वारा जिले में विभिन्न क्षेत्रों में संचालित चाट, गुपचुप सेंटर आदि स्ट्रीट वेंडर्स की जांच खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत की गई। संचालकों को स्वच्छ पीने योग्य पानी का उपयोग करने, अखाद्य रंगों का उपयोग न करने और परिसर के आसपास स्वच्छता रखने व डस्टबिन रखने के लिये निर्देशित किया गया। नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी गई।

लगातार जारी रहेगा अभियान

औषधि शाखा द्वारा जिले में कॉस्मेटिक एजेंसियां, थोक एवं खुदरा औषधि विक्रय फर्म, अस्पताल एवं अस्पतालों से जुडे फार्मेसी में कोल्ड चैन का निरीक्षण, निजी एवं शासकीय परिसरों में वैक्सीन संधारण और कोल्ड चैन की जांच, स्वापक औषधियों के थोक व खुदरा फर्मों में क्रय-विक्रय संबंधित दस्तावेजों की जांच, सार्वजनिक स्थलों पर कोटपा अधिनियम के तहत कार्यवाही और जागरूकता अभियान व निजी और शासकीय अस्पतालों की फार्मेसियों की जांच/निरीक्षण व एडवर्स ड्रग ईवेंट की रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं की जांच औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 नियमावली 1945 के तहत की जाएगी। खाद्य शाखा द्वारा चाट, गुपचुप सेंटर्स, गन्ना रस, सॉफ्ट ड्रिंक्स, आईसक्रीम, जूस सेंटर, डेयरी प्रोडक्ट विक्रेता फर्म, मिठाई दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, केक एवं ब्रेकरी प्रोडक्ट विक्रेता फर्म, मिड-डे मील सेंटर्स, हास्पिटल कैंटीन, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर्स, आईस्क्रीम विक्रेता, कन्फेक्शनरी प्रतिष्ठान, ढाबा, फल एवं सब्जी विक्रेता प्रतिष्ठान, पेप्सी, आईसगोला, आईस कैण्डी विक्रेता प्रतिष्ठानों की सघन जांच खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत् की जाएगी।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल रमेन डेका आज दुर्ग और भिलाई प्रवास पर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका 28 अप्रैल को दुर्ग और भिलाई जिले के प्रवास पर रहेंगे। राज्यपाल डेका पूर्वान्ह 10.30 को लोक भवन रायपुर से दुर्ग के लिए प्रस्थान करेंगे। पूर्वान्ह 11.15 बजे दुर्ग पहुँचकर पीडब्ल्यूडी कार्यालय के बैठक हॉल में आयोजित ब्लॉक समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद अपरान्ह 1.15 बजे भिलाई निवास के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल डेका शाम 4.45 बजे रूंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी, भिलाई के लिए रवाना होंगे और शाम 5 बजे संस्थान में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'सच हुए सपने' में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल शाम 6 बजे लोक भवन रायपुर के लिए रवाना होंगे।

गर्मी के दौरान बिजली बंद होने पर शिकायत दर्ज करने हेल्पलाइन नंबर जारी

भिलाई। सेल-बीएसपी के नगर सेवा विभाग द्वारा रात के समय बिजली बंद होने की शिकायतों की जानकारी देने विशेष व्यवस्था की गई है। नगर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा रात्रि पाली में दूरभाष के माध्यम से शिकायत दर्ज करने के लिए दो हेल्पलाइन नंबर निर्धारित किए गए हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी समस्याओं की सूचना सीधे विभाग तक पहुँचा सकते हैं। यह सुविधा रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक उपलब्ध रहेगी। टाउनशिप के उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे रात्रिकालीन अवधि में किसी भी प्रकार की विद्युत अवरोध संबंधी शिकायत दर्ज कराने हेतु दूरभाष क्रमांक 0788-285-7162 और 0788-285-8181 पर फोन कर सकते हैं।

दुर्ग में ट्रक में लगी आग

दुर्ग। जिले में रविवार देर रात से सोमवार तड़के तक अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की चार घटनाएं सामने आईं। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति पर काबू पा लिया। किसी भी घटना में जनहानि की कोई सूचना नहीं है। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा के अनुसार रात करीब 1:35 बजे के आसपास अलग-अलग स्थानों से आग लगने की सूचना मिली। पहली घटना जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम बासिन में हुई, जहां एक ट्रक में आग लग गई। ट्रक से उठती आग की लपटें देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। मौके पर पहुंची टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

पूर्व सीएम बघेल के एआई जनरेटेड वीडियो पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जताया विरोध

कुम्हारी। पाटन विधायक पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संबंध में आपत्तिजनक एआई जनरेटेड वीडियो पोस्ट करने पर कुम्हारी ब्लाक कांग्रेस कमेटी ने कड़ा विरोध जताया है। वीडियो बनाने वाले आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुम्हारी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कुम्हारी थाने में नारेबाजी की। थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर कहा गया कि वीडियो के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की छवि को धूमिल करने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की मांग की। ऐसा न होने पर ब्लॉक कॉंग्रेस कमेटी कुम्हारी के कार्यकर्ता उग्र आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक कॉंग्रेस कमेटी कुम्हारी के अध्यक्ष मनहरण यादव, प्रमोद राजपूत, राजेश्वर सोनकर, ओमनारायण वर्मा, रमाशंकर शुक्ला, रोहित कुर्रे, युवराज साहू, गिरीश देवांगन, विनोद साहू, भूपेंद्र पटेल, थनेश पटेल, ओमप्रकाश यादव, अंचल गुप्ता, लेखराम साहू, सुनील शुक्ला, काजू भाई, अनूप शुक्ला, प्रकाश गज्जर, विजय वर्मा, देवेंद्र साहू, अमर यादव, किशोर सोनकर, रामकुमार चक्रधारी, लक्ष्मी नारायण मार्कण्डेय, कांति साहू, दीपक साहू, तेजप्रताप ध्रुव, जानकी ध्रुव, रीना साहू, ललिता ध्रुव आदि शामिल थे।

दुर्ग के हिर्री में बारातियों से भरी बस पलटी, 19 घायल, दो की हालत गंभीर

■ **सूचना मिलते ही पूर्व विधायक अरुण वोरा पहुंचे जिला अस्पताल, घायलों की सुध ली**

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में रविवार को देर रात बारातियों को लेकर लौट रही बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में 19 लोग घायल हो गए। बोरी थाना क्षेत्र के ग्राम हिर्री के पास दुर्ग-जालबांधा मेन रोड में यह दुर्घटना हुई। बस में 30 से ज्यादा बाराती सवार थे। जानकारी के अनुसार बारातियों से भरी बस ग्राम मडियापार से बारात लेकर दुर्ग के तितुरडीह वार्ड में लौट रही थी। टर्निंग के पास तेज रफ्तार के कारण बस का संतुलन बिगड़ गया। बस पर नियंत्रण न रख पाने के कारण बस सड़क पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में करीब 19 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 17 लोगों को हल्की चोटें आई हैं, जबकि एक बुजुर्ग और एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही बोरी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग और बच्चे का जिला अस्पताल दुर्ग में प्राथमिक इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए एम्स रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज जिला अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में चल रहा है। 4 घायलों को कैजुअल्टी वार्ड और 7 को सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया। दो गंभीर घायलों 11 वर्षीय भावेश और 45 वर्षीय राजकुमार को बेहतर उपचार के लिए एम्स रेफर किया गया है। 3 छोटे बच्चों का इलाज भी जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक अरुण वोरा जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कैजुअल्टी और सर्जिकल वार्ड में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों से उपचार संबंधी जानकारी ली। वोरा ने कहा कि घायलों के इलाज में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। प्रशासन को हादसे के कारणों की जांच कर आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जिला अस्पताल पहुंचे मंत्री गजेन्द्र यादव दुर्घटना में घायलों से मुलाकात की

बस दुर्घटना में घायल तितुरडीह क्षेत्र के नागरिकों से मिलने प्रदेश के केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव आज जिला अस्पताल पहुँचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती सभी घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। मंत्री यादव ने घायलों को हर संभव बेहतर इलाज उपलब्ध कराने भरोसा देते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। यादव ने कहा कि नागरिकों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने देने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और जरूरत पड़ने पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री यादव ने सभी मरीजों से संवाद कर दुर्घटना की जानकारी लिए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को निर्देशित किया कि सभी मरीजों का समुचित और प्राथमिकता के आधार पर इलाज सुनिश्चित किया जाए। **अस्पताल की व्यवस्था का निरीक्षण** :- केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिये। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था, मरीजों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेकर अस्पताल प्रबंधन को गंभीरता से कार्य करने निर्देश दिए। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए मंत्री यादव ने अस्पताल परिसर में शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन

जामुल/नवप्रदेश। नगर पालिका जामुल के वार्ड 18 शिवपुरी में मां कर्मा स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने भूमिपूजन के बाद माता कर्मा स्कूल समिति के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्रीय विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, उपाध्यक्ष अनुसुचित जाति प्राधिकरण के मार्गदर्शन और सहयोग से नगर में विकास कार्य हो रहे हैं। अधोसंरचना मद से दस लाख रुपए की लागत से शिक्षण संस्थान में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण प्रारंभ हो रहा है। इस अवसर पर वार्ड पार्षद तिलेश्वर देवांगन, वार्ड 16 के पार्षद चुम्मन वर्मा, साहू समाज के वरिष्ठ जन जगदीश साहू, डॉ. डीएस साहू, खिलावन साहू, गिरधारी साहू, परदेशी राम साहू, जनक साहू, संतु साहू, मनीष साहू, दुर्योधन साहू, अरूण यादव, विशेश्वर वर्मा, शत्रुहन साहू सहित मां कर्मा स्कूल के शिक्षक-शिक्षिका सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

समाज के लिए वानर सेना हैं एनएसएस के स्वयंसेवक

■ **हेमचन्द यादव विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना की सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में सकारात्मक कार्य करने का आव्हान**

दुर्ग/नवप्रदेश। हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, छत्तीसगढ़ तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से कुल 45 कार्यक्रम अधिकारी शामिल हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी के मार्गदर्शन में सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ नीता वाजपेई (राज्य एनएसएस अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग) उपस्थित ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से कार्यक्रम अधिकारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है, जिससे वे युवाओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर समाजोपयोगी कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन कर सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज की वानर सेना बताते हुए उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में उपयोग करने हेतु उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया।

विवि कुलसचिव डॉ भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा कि एक कार्यक्रम अधिकारी अपनी संस्था में नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाता है। विद्यार्थी उससे प्रेरणा ग्रहण करते हैं। उसका आचरण और सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ आर पी अग्रवाल ने कार्यक्रम अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। जिला संगठक डॉ लीना साहू जिला बालोद उपस्थित रहीं। कार्यशाला के दौरान कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा एवं बाल सुरक्षा जैसे सामाजिक मुद्दों पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति दी गई।

विराट नगर उपकेंद्र में 3.15 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर चार्ज

■ **13,900 से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगी पर्याप्त वोल्टेज के साथ गुणवत्तापूर्ण बिजली**

दुर्ग/नवप्रदेश। विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत बोरसी जोन के 33/11 केवी विराट नगर उपकेंद्र में नया पावर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया। बढ़ते विद्युत भार को प्रबंधित करने के उद्देश्य से 61 लाख 91 हजार रुपये की लागत से 3.15 एमवीए क्षमता का यह अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इस विस्तार के साथ उपकेंद्र की कुल क्षमता बढ़कर 13.15 एमवीए हो गई है, जहां पहले से 5 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर स्थापित थे। विराट नगर उपकेंद्र से जुड़े बोरसी क्षेत्र के लगभग 13,900 से अधिक घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं को सीधा लाभ पहुंचेगा। अतिरिक्त क्षमता से क्षेत्र में ओवरलोडिंग की समस्या समाप्त होगी और उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी। कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि गर्मी के मौसम में बढ़ती बिजली की मांग के बीच उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान मुख्य रूप से एसई जे. जगन्नाथ प्रसाद और ईई आरके दानी, धर्मेंद्र कुमार भारती, दुर्गेश नंदिनी, सहायक अभियंता राजेंद्र गिरी गोस्वामी, डिलेन्द्र कुमार देशमुख, डीके साहू, राहुल सिंह, महेश्वर टंडन, रुचि सेलेट व मोनिका नायर उपस्थित थे।

चुनावी साल में भाजपा की फजीहत भाजयुमो पदाधिकारियों की सूची स्थगित

■ **अपराध में शामिल कई युवा नेताओं को भाजयुमो पदाधिकारी बनाने का आरोप**

भिलाई/नवप्रदेश। चुनावी साल में भिलाई में भारतीय जनता पार्टी की यूथ विंग यानी भारतीय जनता युवा मोर्चा में गुटबाजी और आपसी खींचतान चरम पर है। भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल द्वारा जारी 13 मंडलों की सूची पर संगठन ने रोक लगा दी है। भाजयुमो अध्यक्ष की सूची के विरोध में मंडल अध्यक्षों की सूची को भी संगठन ने स्थगित रखने का फैसला किया है।

इस मामले में कांग्रेस ने भाजपा में गुटीय लड़ाई तेज होने पर तंज कसा है। दुर्ग ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा में गुटबाजी चरम पर है। पार्टी के कार्यकर्ता अपने ही जिला अध्यक्ष को घेर रहे हैं।

वर्तमान में पार्टी के अलग-अलग गुटों में भारी खींचतान मची है। जिला भाजयुमो अध्यक्ष की सूची घोषित होने के बाद मंडल अध्यक्षों ने विरोध जताते हुए अलग सूची जारी कर दी। शिकायत मिलने पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने भिलाई के सभी नेताओं को राजधानी बुलाकर फटकार लगाई। तय किया गया है कि सभी नेताओं और पदाधिकारियों की सहमति से नई सूची जारी की जाएगी।

विवाद के बाद दो युवकों पर चाकू से हमला, एक की मौत

भिलाई/नवप्रदेश। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के बालाजी नगर में गत दिवस चाकू से हमला कर एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार रात करीब 9:30 रजत कुशवाहा अपने दोस्त सुनील को बाइक से घर छोड़ने जा रहा था। इस दौरान आरोपी गोलू सिंह ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान सोमवार को रजत की मौत हो गई। उसके दोस्त सुनील का इलाज जारी है। पुलिस ने मामले में आरोपी गोलू सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार रजत और उसका साथी सुनील बाइक से बालाजी नगर में गांधी विद्यालय के पास पहुंचे। उस समय गोलू सिंह एक लड़के को बैट से मार रहा है। रजत और सुनील ने बीच-बचाव करते हुए उसे रोकने की कोशिश की। इससे आरोपी भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद उसने चाकू निकालकर दोनों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में रजत के पेट और सीने में गंभीर चोटें आईं, जबकि सुनील के सीने, पेट और पीठ पर वार किए गए। घटना के बाद आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को तत्काल सुपेला के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रामनगर स्थित स्पर्श अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएसपी छावनी प्रशांत पैकरा ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई कानून के मुताबिक की जाएगी।

गोदाम में लगी आग

कुम्हारी/नवप्रदेश। महामाया रोड स्थित कागज और गत्ते के गोदाम में भीषण आग से अफरा तफरी मच गई। घटना प्रातः साढ़े तीन बजे की बताई जा रही है। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते गोदाम में रखा सारा सामान और गाड़ियां जलकर राख हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुँची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

प्रदर्शन: महिला सशक्तिकरण के मामले में कांग्रेस सहित विपक्ष का चेहरा उजागर: वर्णिका शर्मा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुद्दे पर भाजपा ने विपक्षी दलों का फूंका पुतला

दुर्ग/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर महिला मोर्चा जिला दुर्ग ने आज भाजपा कार्यालय में आक्रोश सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष वर्णिका शर्मा के अलावा जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महापौर अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, उषा टावरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आक्रोश सम्मेलन के बाद रैली के रूप में महिला मोर्चा की सदस्यों ने पुराना बस स्टैंड पहुंचकर कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन का पुतला जलाया।

आक्रोश सम्मेलन को संबोधित करते हुए वर्णिका शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने महिला आरक्षण का विरोध करके देश की महिलाओं का अपमान किया है। देश की महिलाएं इस अपमान को सदैव याद रखेगी। कांग्रेस को सबक सिखाएंगीं। महिलाओं के हित और अधिकारों की बात आने पर कांग्रेस ने सदैव महिलाओं को प्रताड़ित करने का काम किया है। महिलाओं के अधिकारों को लेकर कांग्रेस पार्टी गद्दारी कर रही है। कांग्रेस पार्टी नहीं चाहती कि मातृशक्ति देश का नेतृत्व करें।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण से जुड़े नारी शक्ति वन्दन अधिनियम सहित तीन विधेयक लोकसभा में लाए गए थे। कांग्रेस के लोगों ने अपने मनगढ़ंत तर्कों व कुटिल सोच के साथ इस बिल का विरोध किया। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं का अपमान किया है। सम्मेलन को महापौर अलका बाघमार और मोर्चा जिलाध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने भी संबोधित किया। सम्मेलन का संचालन महिला मोर्चा जिला महामंत्री ममता राव ने और आभार महामंत्री डॉ भारती साहू ने किया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष हर्षा चंद्राकर, सरिता मिश्रा, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, जनपद पंचायत अध्यक्ष दुर्ग कुलेश्वरी देवांगन, जनपद पंचायत अध्यक्ष पाटन कीर्ति नायक, उतई नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती साहू, जूही चंद्राकर, जयश्री राजपूत, प्रीति राजपूत, किरण मिश्रा, किरण यादव, सरिता चंद्राकर, उषा साहू, अनिता कुलश्रेष्ठ सहित महिला मोर्चा की जिला व मंडल स्तर के पदाधिकारी कार्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

निधन : केके विनोद

दुर्ग/नवप्रदेश। गायत्री परिवार के वरिष्ठ साधक केके विनोद का देहावसान हो गया है। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी तट पर किया गया। इस दौरान गायत्री परिवार के साधकों समेत बड़ी संख्या में स्नेहीजन उपस्थित रहे।

नगरी में गौसम्मान अभियानः दंतेश्वरी मंदिर से तहसील कार्यालय तक निकली भव्य रैली

■ राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

■ गौ हत्या बंद करो, कतल कारखाने बंद करो नारे लगाते हुए पहुंचे लोग

नगरी/नवप्रदेश। देशभर में चल रहे गौसम्मान अभियान के तहत 27 अप्रैल 2026 को नगरी में भी श्रद्धा, आस्था और जनजागरूकता से ओतप्रोत भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय राजाबाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर से सुबह विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में गौसेवक, महिलाएं, युवा एवं नगरवासी शामिल हुए। रैली बजरंग चौक बस स्टैंड से नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। वही नारे लगाते हुए दिखाई दिए गौ हत्या बंद करो गौ हत्या बंद करो कतल कारखाने बंद करो साथ गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किया जाए करके नारे लगाते दिखाई दिए बड़ी संख्या में लोग साथ पूरे मार्ग में नारे लगाते शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ते रहे और गौ माता के सम्मान में नारे गूंजते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

तहसील कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम प्रीति दुर्गम को सौंपा गया। इस ज्ञापन के साथ लगभग 11,000 हस्ताक्षर संलग्न किए गए, जिनके माध्यम से गौ माता को ÷राष्ट्रमाता÷ घोषित करने की मांग की गई। इसके साथ ही देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ठोस नीति बनाने तथा उनके लिए चारा-पानी, चिकित्सा एवं आश्रय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुख रूप से रखी गई।

कार्यक्रम का संचालन सुरभि गौ माता नंदी बाबा संरक्षक के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने गौ माता के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय परंपरा और संस्कृति का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

गौसम्मान अभियान की जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष अरुण सार्वा ने बताया कि यह एक राष्ट्रव्यापी जनजागरूकता अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में गौवंश के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और उन्हें राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए व्यापक समर्थन जुटाना है। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि ÷जिसने भी गौ माता का दूध पिया है, उसका कर्ज चुकाना हम सभी का कर्तव्य है।÷

वहीं गौशाला समिति के अनिल वाधवानी ने कहा कि गौ माता की सेवा से न केवल आध्यात्मिक संतोष प्राप्त होता है, बल्कि यह शारीरिक और मानसिक सुख भी प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को क्षेत्रभर में निरंतर चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़कर गौ संरक्षण के प्रति अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान केवल धार्मिक भावना तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सिरपुर क्षेत्र में दंतैल हाथी की दस्तक, 12 गांवों में अलर्ट जारी

महासमुंद/नवप्रदेश। सिरपुर क्षेत्र में एक बार फिर दंतैल हाथी की आमद ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन खेतों में घुसकर हाथी ने रबी धान की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार रात दंतैल हाथी जंगल के कक्ष क्रमांक 3, 4 और 5 से होते हुए सिरपुर रोड पार कर ग्राम सेनकपाट के खेतों में पहुंच गया। वहां फसलों को नुकसान पहुंचाने के बाद वह पुनः सड़क पार कर जंगल क्षेत्र में लौट गया, जहां वर्तमान में उसके विचरण की सूचना है। इस समय सिरपुर क्षेत्र के गांवों में रबी धान की फसल पककर तैयार है। ऐसे में हाथी के खेतों में प्रवेश करने से कई किसानों की फसल बर्बाद हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी के चलते कई खेतों में धान की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने सिरपुर, सेनकपाट, खमतराई, रायकेरा, मरौद, अमलोर, सुकुलबाय, केशलडीह, खड़सा, फुसेराडीह, लहंगर और मोहकम सहित 12 गांवों में अलर्ट जारी किया है। मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी दी जा रही है। विभाग ने खास तौर पर लोगों से शाम के समय घरों से बाहर न निकलने, अनावश्यक आवागमन से बचने तथा अलसुबह और देर शाम खेतों की ओर न जाने की अपील की है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

महिला आरक्षण रोकने वालों को जनता देगी जवाब, नारी शक्ति अब बदलाव की धुरीः लक्ष्मी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर गरजीं लक्ष्मी राजवाड़े, आरक्षण रोकना सम्मान पर आघात

गरियाबंद/नवप्रदेश। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर उन्हें घेरा। गरियाबंद जिले के छुरा में आयोजित नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम में पहुंची मंत्री राजवाड़े ने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सिर्फ एक विधेयक नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के सम्मान, अधिकार और नेतृत्व का प्रश्न है।

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर वर्षों से मांग उठती रही, लेकिन जब इसे ऐतिहासिक मुकाम तक पहुंचाने का अवसर आया, तब कांग्रेस और विपक्ष ने भ्रम फैलाने तथा राजनीति करने का काम किया। उन्होंने संसद में विधेयक पास नहीं हो पाने को महिलाओं के सम्मान पर चोट बताते हुए इसे काला अध्याय÷ करार दिया। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि कांग्रेस शुरू से तुष्टीकरण और परिवारवाद की राजनीति करती रही है तथा महिलाओं के अधिकारों को लेकर उसकी सोच कभी स्पष्ट नहीं रही। उन्होंने

आरोप लगाया कि विपक्ष को इस बात का डर है कि महिला आरक्षण का श्रेय भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाएगा, इसलिए इसे रोकने की साजिश की गई। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर रही हैं। घर-परिवार की जिम्मेदारी निभाने के साथ सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। नारी शक्ति आज परिवर्तन, प्रेरणा और सशक्त नेतृत्व की पहचान बन चुकी है। मंत्री ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा और यह लड़ाई महिलाओं के अधिकारों के लिए निर्णायक साबित होगी। उन्होंने कांग्रेस पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और समय आने पर जवाब भी देगी। कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मी राजवाड़े ने महिलाओं को एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

इस मौके पर जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बिंदू सिन्हा, जिला मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती बिंदु सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, लेखराज ध्रुवा, माधुरी साहू, मंडल प्रभारी प्रीतम सिन्हा, महामंत्री भारती साहू, खुशी साहू, मिलेश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव, जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद, मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर, सागर मयानी, सभापति रजनी लहरे, सभापति गरिमा ध्रुव, सभापति बलराज पटेल, सभापति भोलेशंकर जायसवाल, सभापति चित्तरेखा ध्रुव, थानसिंग निषाद, जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा, अध्यक्ष प्रतिनिधि दुलम बाई, संतोषी साहू, भगवंतिन सिन्हा, भारती सिन्हा, माहेश्वरी साहू, कामिनी यादव, सुनीता चंद्राकर, कुमारी निषाद, रूपा निषाद, हेमलता ध्रुवा, वेदिका वासनिक, लीना दुबे, शंकर सेन जिला सोशल मिडिया ओबीसी मोर्चा, संतोष ध्रुव जिला कोषाध्यक्ष ह्यह्न मोर्चा, तुलाराम साहू, मयंक सोनी, चन्द्रिका धिवर,सोनिया कोठारी, आरती गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित थे।

कुटीर उद्योग की तरह चल रहा है कच्ची शराब बनाने-बेचने का काम

छुरा/नवप्रदेश छुरा से सत्रह किलोमीटर दूर ग्राम रसेला के आसपास दर्जनों गांवों में कच्ची महुआ शराब बनाने का काम खुलेआम चल रहा है, कच्ची शराब बनाने वाले ग्राम रसेला में एक बाहरी राज्य से आये हुए व्यक्ति के पास प्रति दिन सप्लाई करने का काम करते हैं, रसेला के थोक क्रेता जो बीस पच्चीस लोगों से शराब महुआ कच्ची खरीद कर चील्हर बिक्री करता है प्रति दिन लगभग सौ लीटर महुआ कच्ची शराब बिक्री करता है, गांव वाले इस अवैध धंधे से परेशान हैं, ग्रामीणों के अनुसार शराब कारोबारी दूसरे प्रांत से आकर यहां महुआ शराब का धंधा करता है, इस कारोबारी से मिलने वाले में आबकारी विभाग जवान, जिला पुलिस जवान, जनप्रतिनिधि जिसके कारण इस अवैध शराब कारोबारी का मनोबल बढ़ा हुआ है आज एक साल से अवैधानिक शराब का कारोबार चल रहा है ।

क्षेत्र में कच्ची भठ्टी का काम जोरों पर है, शराब बनाओं और पूरी शराब एक जगह बेच कर आवो सुरक्षा भी है न डर न

भय धंधा चोखा नगद भुगतान लो। क्षेत्र के बेरोजगार युवा वर्ग भी अवैध धंधे को कमाई का अच्छा साधन समझकर धंधे में लगे गये है जिसके कारण शांत क्षेत्र अब अशांत होने लगा है । आबकारी विभाग के कर्मचारी के साथ अवैध कारोबारी से अच्छा दोस्ताना संबंध है संया भय कोतवाल तो डर काहे का क्षेत्र में खुलेआम अवैध शराब की भट्ठियां चल रही हैं। इससे विभाग की संलिप्तता साफजाहिर होती है। यही कारण है कि इस पर अंकुश लगाने में आबकारी विभाग और पूरी तरह नाकाम है।

आबकारी विभाग की लचर कार्यप्रणाली की वजह से अवैध शराब का धंधा फल-फूल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह एक कुटीर उद्योग का रूप ले चुका है। पुराने ढर्रे पर चलना शुरू कर दिया है. जिला आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली भी संदेह के घेरे में है।

पिथौरा में खाद-बीज की दुकानें रहीं बंद, प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पिथौरा/नवप्रदेश। देशव्यापी आह्वान पर आज पिथौरा ब्लॉक के समस्त कृषि आदान विक्रेताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर व्यावसायिक प्रतिष्ठानें पूर्णतः बंद रखीं और एग्री इनपुट डीलर एसोसिएशन के बैनर तले एकजुटता दिखाते हुए अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से केंद्र और राज्य सरकारों से गुहार लगाने के बावजूद उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ है जिसके कारण आज 27 अप्रैल 2026 को सांकेतिक हड़ताल की गई। इस दौरान सुमित अग्रवाल सहित स्थानीय डीलरों ने प्रमुखता से मांग की है कि उर्वरक कंपनियों द्वारा सब्सिडी वाली खाद के साथ अनुपयोगी उत्पादों की जबरन लिंकिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगे और बढ़ती लागत को देखते हुए डीलर मार्जिन बढ़ाकर कम से कम 8त्न किया जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि सीलबंद पैकेट के नमूने फेल होने पर विक्रेता को अपराधी के बजाय केवल 'साक्षी' माना जाए क्योंकि गुणवत्ता की जिम्मेदारी निर्माता कंपनी की होती है।

इसके अलावा व्यापारियों ने खाद की डिलीवरी सीधे विक्रय केंद्र तक सुनिश्चित करने, लाइसेंस प्रक्रिया का सरलीकरण करने और साथी पोर्टल की अनिवार्यता खत्म करने की बात कही है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आगामी खरीफ सीजन से पहले वे अनिश्चितकालीन बंद पर चले जाएंगे जिससे कृषि उत्पादन पर होने वाले विपरीत प्रभाव की जिम्मेदारी शासन की होगी। आज की इस हड़ताल से नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में खाद-बीज की दुकानें बंद रहीं और व्यापारियों की भारी एकजुटता नजर आई।

धमधा में 'गौ सम्मान' अभियान आज तहसील में सौंपा गया ज्ञापन

धमधा/नवप्रदेश। नगर में चल रहे 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के तहत आज तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता प्रशांत अग्रवाल के नेतृत्व में, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रमन लाल यादव, डीपी शर्मा अध्यक्ष गौ सेवा धमधा,नवीन जैन, सामर्थ ताम्रकार, पियूष ताम्रकार, वामन ताम्रकार, वीर ताम्रकार, चमन गुप्ता सहित सैकड़ों गौ-सेवक और नागरिक तहसील कार्यालय पहुंचे और शासन के नाम ज्ञापन सौंपकर गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की। आयोजकों के अनुसार, इससे पहले दो दिन पूर्व नगर में भव्य रैली और हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया था। गायत्री मंदिर से शुरू हुई रैली में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गौ-सेवक और नागरिक शामिल हुए थे। ÷गौ माता की जय÷ के नारों से नगर गूंज उठा था और लोगों ने बढ़-चढ़कर अभियान का समर्थन किया था। हस्ताक्षर अभियान में भी सैकड़ों नागरिकों ने भाग लिया था।

आज का फोकस प्रशासन तक मांग पहुंचाने पर : आज आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पहले हुए अभियान के समर्थन को प्रशासन तक पहुंचाना रहा। ज्ञापन के माध्यम से शासन-प्रशासन से मांग की गई कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग

गरियाबंद से उठी गौ सम्मान की हुंकार, देशव्यापी अभियान का ऐलान

गरियाबंद/नवप्रदेश। गौ संरक्षण को लेकर एक बड़ा और संगठित आंदोलन आकार लेता नजर आ रहा है। सोमवार को गौसेवकों और गौरक्षकों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपतिए प्रधानमंत्रीए राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपाए जिसमें गौवंश के संरक्षण के लिए ठोस और कड़े कदम उठाने की मांग की गई।

इस दौरान गौसेवकों ने 27 अप्रैल को पूरे देश में षगौ सम्मान दिवसष् मनाने का आह्वान किया। उनका कहना है कि गौ माता केवल आस्था का विषय नहींए बल्कि भारतीय संस्कृतिए पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से गौ माता को

राष्ट्रमाता और राष्ट्रदेव का दर्जा देने, गौहत्या पर सख्त राष्ट्रव्यापी कानून बनाने, गौ मंत्रालय के गठन और गोबर.गोमूत्र के वैज्ञानिक उपयोग के लिए अनुसंधान केंद्र स्थापित करने जैसी अहम मांगें रखी गईं। साथ ही गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुव्यवस्थित चारा प्रबंधन की भी बात कही गई। आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की रणनीति भी तय की गई है। पहले चरण में देशभर की तहसीलों के माध्यम से ज्ञापन सौंपे जाएंगेए जबकि दूसरे चरण में जिला स्तर पर कलेक्टर के जरिए राज्य सरकारों तक मांगें पहुंचाई जाएंगी। गौसेवकों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गयाए तो वे राजधानी दिल्ली में कूच कर आमरण अनशन जैसे कड़े कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। आखिर में उन्होंने देशवासियों से अपील की कि 27 अप्रैल को षगौ सम्मान दिवसष् में शामिल होकर गौ संरक्षण के इस अभियान को जन.जन तक पहुंचाएं।

दो ग्राम पंचायतों को मिली पानी टैंकर की सौगात

■ किरण रविन्द्र वैष्णव ने किया समर्पण

छुरिया/नवप्रदेश। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जनसुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव द्वारा एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की गई है। उनके प्रयासों से जिला पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भोलापुर एवं ग्राम पंचायत भंडारपुर को 15वें वित्त आयोग की राशि से

पानी टैंकर प्रदान किए गए हैं, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को विशेषकर भीषण गर्मी के मौसम में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दोनों ग्राम पंचायतों में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। आज विधिवत पूजा-पाठ एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ इन पानी टैंकरों को ग्रामवासियों को समर्पित किया गया। इस दौरान पूरे गांव में उत्साह, उल्लास एवं खुशी का माहौल देखने को मिला और ग्रामीणों ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पानी जैसी आवश्यक सुविधा को लेकर किसी भी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उनका लक्ष्य है और वे इसी भावना के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि 15वें वित्त आयोग की राशि का सदुपयोग करते हुए इस प्रकार के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

मन की बात जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यमः राजवाड़े

■ शीतला मंदिर प्रांगण में मंत्री, सांसद, विधायक व भाजपा कार्यकर्ताओं सहित आमजनों ने सामूहिक रूप से सुनी मन की बात

गरियाबंद/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम षमन की बातष् की 133वीं कड़ी का सामूहिक श्रवण रविवार को छुरा नगर के शीतला माता मंदिर प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़ेए सांसद रूपकुमारी चौधरीए विधायक रोहित साहूए भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनने के बाद महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि षमन की बातष् जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम के जरिए समाज के प्रेरणादायी प्रयासोंए नवाचारोंए संस्कृतिए सेवा कार्यों और देश के विभिन्न हिस्सों की सकारात्मक पहल को देशवासियों तक पहुंचाते हैंए जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी करोड़ों देशवासियों से सीधे संवाद स्थापित कर विकसित भारतए आत्मनिर्भर भारत और सशक्त भारत के निर्माण का संदेश देते हैं। मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहींए बल्कि जनजागरण और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने का अभियान है।

सांसद रूपकुमारी चौधरी और विधायक रोहित साहू ने भी कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाज को नई दिशा देने वाले हैं। यह कार्यक्रम आमजन को राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का सशक्त मंच बन चुका है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और मन की बात के माध्यम से समाज के हर वर्ग को प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के संदेशों को जन.जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

धनसुली में महिला से मारपीट, पड़ोसी बहू-ससुर पर केस दर्ज

महासमुंद। ग्राम धनसुली में एक महिला के साथ पड़ोस में रहने वाले बहू और ससुर द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई जानकारी में पीड़िता रीतु साहू ने बताया कि 26 अप्रैल को उसके माता-पिता काम पर गए हुए थे और वह घर में अकेली थी। इसी दौरान सुबह करीब 11 बजे पड़ोस में रहने वाली सुमन धीवर अपने ससुर मोहन धीवर के साथ उसके घर में जबरन घुस आई। पीड़िता के अनुसार, सुमन धीवर ने उसके साथ मारपीट करते हुए पीठ पर हमला किया और हसिया से भी वार करने की कोशिश की।

कार्यक्रमः विधायक द्वारिकाधीश यादव का भव्य स्वागत, गूंजे समाज के जयकारे

कोसरिया यादव समाज का सम्मेलन, आदर्श विवाह और सम्मान समारोह आयोजित

महासमुंद/नवप्रदेश। ऐतिहासिक नगरी सिरपुर की धरती सोमवार को कोसरिया यादव समाज के जयकारों से गुंजायमान हो उठी। अवसर था कोसरिया यादव समाज महासभा के वार्षिक सम्मेलन, सम्मान समारोह एवं आदर्श विवाह कार्यक्रम का। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव शामिल हुए, जिनका समाज के लोगों ने गर्मजोशी और भव्यता के साथ स्वागत किया।

यज्ञशाला परिसर पहुंचते ही विधायक द्वारिकाधीश यादव का समाज के युवाओं एवं वरिष्ठों ने गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ स्वागत किया। फूलों की वर्षा और मालाओं से लादकर उन्हें भव्य जुलूस के रूप में मंच तक लाया गया। यह नजारा समाज की एकजुटता और अपने नेतृत्व के प्रति सम्मान को दर्शाता नजर आया।

आदर्श विवाह और प्रतिभा सम्मान से बढ़ा समाज का गौरव

महासभा के इस आयोजन में कई जोड़ों का आदर्श विवाह संपन्न कराया गया, जिसे विधायक ने समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

बड़ी संख्या में समाज के लोग रहे उपस्थितः कार्यक्रम में राधेलाल यादव, विनोद यादव, गज्जू यादव, रामानंद यादव, संजय यादव, भुवनेश्वर यादव, लक्ष्मण पटेल, किरण यदु, रिंकी यादव, कुसुम यादव, प्रमिला यादव, लक्ष्मी यादव सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा और एकजुटता ही समाज की असली ताकत : विधायक

अपने संबोधन में विधायक द्वारिकाधीश यादव ने शिक्षा को समाज की प्रगति का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि जिस समाज के पास शिक्षा की शक्ति होती है, उसे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने समाज द्वारा प्रदर्शित एकता और भव्य आयोजन की सराहना करते हुए फिजूलखर्ची छोड़ आदर्श विवाह को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

मुक्तिधाम को बनाया आशियाना, शिकायत लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे ग्रामीण

■ बहेराखार में शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप, जांच की मांग तेज

कवर्धा/रेंगाखार कला/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के ग्राम बहेराखार में शासकीय जमीनों पर अवैध अतिक्रमण और फर्जी रजिस्ट्री के गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामवासियों ने इस संबंध में प्रशासन को शिकायत सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिव कुमार मारकंडे, धन सिंह, साधु राम ने शिकायत में बताया गया है कि बहेराखार बांध के पास स्थित शासकीय भूमि, आदिवासी मुक्तिधाम, सतनामी समाज के श्मशान घाट, निस्तारी सड़क, गौठान तथा जल संसाधन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। आरोप है कि मेसर्स मौर्य्या इंफ्रा. प्रो. प्रा. लिमिटेड की संचालक स्वाति लड्ढा द्वारा इन स्थानों पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। यहां तक कि मुक्तिधाम मंच को पक्का कर आवासीय उपयोग में लेने और मुख्य मार्ग पर भी कब्जा करने की बात कही गई है, जिससे ग्रामीणों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, बहेराखार, निवासपुर और पंडरिया को जोड़ने वाला प्रमुख निस्तारी मार्ग भी कब्जे की जद में है। इसके अलावा गौठान और बांध क्षेत्र में करीब 200 मीटर तक अंदर घुसकर तार फेंसिंग किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।मामले में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में गांव के 16 किसानों द्वारा लगभग 60 से 65 एकड़ जमीन शंकराचार्य बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्रा. लि. को बेची गई थी। इनमें से कई जमीनें शासन द्वारा जीविकोपार्जन के लिए आबंटित थीं, जिनकी रजिस्ट्री नियमों के तहत संभव नहीं है। बावजूद इसके, राजस्व अमले और भू-माफियाओं की मिलीभगत से फर्जी तरीके से रजिस्ट्री किए जाने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत में कहा गया है कि वर्तमान में संबंधित कंपनी के नाम पर करीब 95.40 एकड़ जमीन रिकॉर्ड में दर्शाई जा रही है, जो पूरी तरह संदिग्ध है। ग्रामीणों ने 37 खसरों की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।ग्रामवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि सभी दस्तावेजों की जांच कर मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए, अवैध रजिस्ट्री निरस्त की जाए और शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया जाए। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बोड़ला और तहसीलदार रेंगाखार कला को भी भेजी गई है।

न्यूज गैलरी

ट्रैक्टर शोरूम के चौकीदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर के सोनेसरार वार्ड स्थित ट्रैक्टर शोरूम मे चौकीदारी करने वाले युवक ने शोरूम के बाथरूम मे ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । घटना रविवार देररात रात की बताई गई है । न्यू हालैंड टेक्टर शो रूम सोनेसरार मे चौकीदार के कार्यरत देवेन्द्र सारथी 27 वर्ष ने रविवार रात शोरूम के बाथरूम मे फंसी लगा ली । बताया गया कि रविवार रात को मृतक देवेन्द्र घर से भोजन करने के बाद शो रूम पहुँचा था । जहाँ उसने आत्महत्या कर ली । सुबह घटना की जानकारी शो रूम पहुँचे अन्य कर्मचारियो ने परिजनो और संचालक को दी । मौके पर पहुँची पुलिस ने शव उतारकर उसका पंचनामा और पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनो को सौंपा । प्रारंभिक जांच मे मृतक के मानसिक रूप से परेशान रहने का मामला सामने आया है । पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

पंचायती राज दिवस पर पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन

खैरागढ़/नवप्रदेश। पंचायती राज दिवस पर जिले की सभी 221 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। पंचायतों मे आयोजित ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के बीच विशेष रूप से आगामी जनगणना 26 के संबंध में आम नागरिकों को जागरूक किया गया। ग्राम सभाओं में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वगणना की प्रक्रिया, उसके महत्व एवं इससे होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्राम सभाओं में उपस्थित होकर ग्रामीणों को जनगणना के प्रति जागरूक करने के साथ ही उन्हें स्वगणना करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने बताया कि स्वगणना से नागरिक स्वयं अपने परिवार की सही एवं सटीक जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर ग्राम स्तर पर शासन की योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पंचायत सशक्तिकरण एवं गांव के समग्र विकास के लिए अपने सुझाव भी दिए। जिले में आयोजित इन विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से न केवल पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती मिली, बल्कि जनगणना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

लेखा सह एमआईएस सहायक के पद पर भर्ती के लिए दावा आपत्ति आमंत्रित

कवर्धा/नवप्रदेश। 23/04/2026,छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला कबीरधाम अंतर्गत लेखा सह एमआईएस सहायक के रिक्त संविदा पद पर भर्ती हेतु कार्यालयीन पत्र क्र./109/दिनांक 17.03.2026 के माध्यम से विज्ञापन प्रकाशित करते हुए वांछित अर्हताधारी एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक 17.04.2026 को सायं 5.30 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदनों का जिला स्तरीय चयन समिति के द्वारा नाम, पता, उम्र, शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव आदि का सूक्ष्म परीक्षण एवं निरीक्षण उपरांत पात्र एवं अपात्र सूची का प्रकाशन किया जा रहा है। इसमें अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता, अनुभव नही होने, पूर्ण दस्तावेज संलग्न नही करने एवं वांछित जाति वर्ग के नही होने के कारण अपात्र किए गए है। यदि किसी आवेदक को इस प्रकाशन के संबंध में किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो, तो कार्यालयीन दिवस व समय में दिनांक 29.04.2026 को समय सायं 5.00 बजे तक, रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट या व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर कार्यालय जिला पंचायत कबीरधाम के आवक-जावक शाखा में आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। डाक से विलंब से प्राप्त होने पर इस कार्यालय की कोई जिम्मेदारी नही होगी। पात्र/अपात्र सूची को जिला कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कबीरधाम के सूचना पटल एवं जिले के वेब साईट www.kawardha.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

ओबीसी महासभा ने चार सूत्रीय मांगों पर सौंपा ज्ञापन

खैरागढ़/नवप्रदेश। ओबीसी महासभा ने जातिगत जनगणना, महिला आरक्षण में ओबीसी हिस्सेदारी, बैकलॉग भर्ती और लंबित आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के माध्यम से प्रेषित किया गया। जिलाध्यक्ष सेखु वर्मा ने बताया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय जनगणना 2027 के प्रपत्र में ओबीसी के लिए अलग कोड का प्रावधान नहीं होने से समुदाय में नाराजगी है। महासभा ने मांग की है कि जनगणना प्रपत्र के कॉलम नंबर 13 में ओबीसी के लिए पृथक कोड निर्धारित कर उनकी अलग से गणना की जाए। महासभा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 23 के तहत महिलाओं को दिए गए 33 प्रतिशत आरक्षण में ओबीसी महिलाओं के लिए अलग प्रावधान नहीं होने पर भी आपत्ति जताई। संगठन ने ओबीसी महिलाओं के लिए 27 प्रतिशत पृथक आरक्षण लागू करने की मांग करते इसे सामाजिक न्याय के सिद्धांत से जोड़ा। इसके अलावा, केंद्र और राज्य के विभिन्न विभागों में वर्षों से रिक्त पड़े ओबीसी वर्ग के बैकलॉग पदों को जल्द भरने की मांग भी उठाई । महासभा का कहना है कि हजारों पद खाली होने से संविधान की मूल भावना प्रभावित हो रही है।

लू से बचाव के लिए सतर्क रहने की अपील, बिना कारण घर से न निकलें

कबीरधाम में भीषण गर्मी को लेकर एडवायजरी जारी

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले में लगातार बढ़ते तापमान और आगामी दिनों में संभावित हीट वेव (लू) को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवायजरी जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.के. तुर्रे ने आम नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अप्रैल और मई माह में तापमान में तेजी से वृद्धि होती है, जिससे लू का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण बन सकती है।

लू के लक्षणों को पहचानें

नोडल अधिकारी के अनुसार, लू लगना एक गंभीर चिकित्सकीय आपात स्थिति है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार (40 डिग्री सेल्सियस या अधिक), लाल और गर्म त्वचा, पसीना बंद होना, सिरदर्द, चक्कर, घबराहट, उल्टी और कमजोरी शामिल हैं। गंभीर मामलों में व्यक्ति अचेत भी हो सकता है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेना आवश्यक है।

हीट हेडेक की समस्या भी बढ़ी-गर्मी के दौरान हीट हेडेक यानी गर्मी से होने वाले सिरदर्द की समस्या भी बढ़ जाती है। इसके पीछे डिहाइड्रेशन, अत्यधिक पसीना, इलेक्ट्रोलाइट की कमी, नींद की कमी और अधिक कैफीन का सेवन प्रमुख कारण हैं। माइग्रेन के मरीजों में यह समस्या और गंभीर हो सकती है।बाहर काम करने वाले मजदूर, किसान, यात्री, ट्रैफिक पुलिस और फील्ड ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

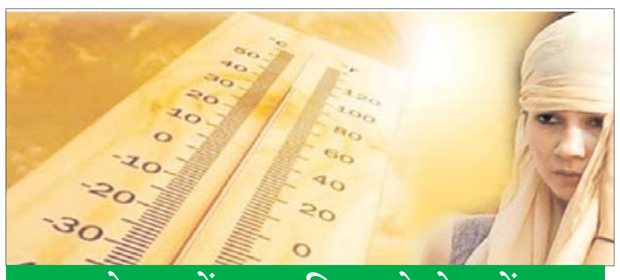

दोपहर में बाहर निकलने से बचें

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। यदि किसी जरूरी कार्य से बाहर जाना पड़े, तो सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढंककर ही निकलें। साथ ही धूप से बचने के लिए हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

पानी और तरल पदार्थ का सेवन जरूरी-गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी तेजी से होती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है।

प्राथमिक उपचार और आपात सुविधा

यदि किसी व्यक्ति को लू लगने की आशंका हो, तो उसे तुरंत छायादार स्थान पर ले जाएं और शरीर को ठंडा करने के लिए ठंडे पानी की पट्टी रखें। यदि व्यक्ति होश में है, तो उसे पानी या ओआरएस दें। गंभीर स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं या 108 एंबुलेंस सेवा से संपर्क करें।स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में लू से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए दवाइयां, ओआरएस और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सांसद-विधायक और केंद्र सरकार की बेसुधी से भवन विहीन है डाकघर: रूपेश

■ सर्वर डाउन, पोस्टल ऑर्डर, पिन कोड, मोबाइल नंबर, जीएसटी परेशानी का कारण

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने राजनांदगांव जिले सहित दुर्ग संभाग में किराए के भवन में संचालित डाकघर को भाजपाई सांसद और विधायक के साथ केंद्र की भाजपा सरकार की अदूरदर्शिता एवं असफलता करार देते हुए कहा जब से केंद्र मे भाजपा सरकार आई है तब से विश्वनीय संस्थाओं से जनता का भरोसा उठता जा रहा है रेल के बाद अब जनता का डाक सेवा पर से भरोसा उठ गया है क्योंकि यह लुट का पर्याय बन गया है।

प्रवक्ता दुबे ने बताया कि रजिस्ट्री डाक सेवा को बंद कर अब विभाग स्पीड पोस्ट चालू कर जहां रजिस्ट्री में कम पैसे लगते थे और एक्नॉलेजमेंट घर आता था लेकिन अब डिजिटल क्रांति के नाम पर स्पीड पोस्ट में दुगना पैसा देने के साथ साथ डाक सेवा में जीएसटी राशि की वसूली की जा रही है फिर स्वयं ट्रैकिंग कर प्रिंट आउट निकालने में होती परेशानी के कारण कम्प्यूटर सेंटर से प्रिंट निकालने का खर्च करने जनता विवश हो गई है क्योंकि कोरियर सर्विस में कम पैसे लगते है।दुबे ने कहा कि राजनांदगांव जिले में संचालित डाकघरों में से बमुश्किल 10 प्रतिशत डाकघर ही स्वयं के भवन में है बाकी सब किराए के भवन में संचालित हो रहे हैं।

साथ ही भवनों में जनता को सुविधाएं भी नहीं मिल रही है डाकघर की शाखाओं में पोस्टल ऑर्डर का पर्याप्त अभाव रहता है स्पीड पोस्ट करने वाले व्यक्ति से मोबाइल नंबर की अनिवार्यता बताते हैं नहीं होने पर 1 से 10 तक नंबर डाल कर खाना पूर्ति करते हैं, जहां पोस्ट करना है वहां का पिन कोड पूछ जाता है जिससे जनता अनभिज्ञ रहती है ऐसे व्यवहारिक कठिनाइयों से जनता परेशान होती है लगातार सर्वर डाउन से भी डाक विभाग के प्रति जनता का भरोसा उठता जा रहा है।

गांधी चौक में बर्थडे पार्टी के दौरान चाकूबाजी

राजनांदगांव/नवप्रदेश। थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी अनुप यादव उर्फ मुंडू (29 वर्ष) निवासी बल्देवबाग ने 25 अप्रैल को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि 24-25 अप्रैल की दरम्यानी रात वह अपने दोस्त शोएब खान का जन्मदिन मनाने गांधी चौक गया था। केक काटने के दौरान राकेश सोनी उर्फ तूफान और महमूद अली के बीच विवाद हो गया, जिसे वह छुड़ाने पहुंचा। इसी दौरान आरोपी राकेश सोनी और राकेश श्रीवास उर्फ कालू ने चाकू से उस पर हमला कर दिया।

प्रार्थी ने अपने बचाव में हाथ आगे कर वार को रोका, जिससे उसके अंगूठे और उंगली के बीच गंभीर चोट आई। उसने बताया कि यदि वह हाथ से वार नहीं रोकता तो हमला जानलेवा हो सकता था।

मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर टीम गठित कर आरोपी राकेश श्रीवास (43 वर्ष), निवासी गौशाला मार्केट गांधी चौक को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी राकेश सोनी उर्फ तूफान के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

पुलिस की गश्त में बदमाशों, वारंटियों, संदिग्धों के खिलाफ विशेष अभियान में स्थायी वारंटी गिरफ्तार

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिला पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही कर आदतन अपराधियों पर अंकुश लगाने ,आमलोगो की सुरक्षा को लेकर जिला मुख्यालय मे देररात जारी व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान के तहत दो स्थाई वारंटियो को गिरफ्तार किया है ।

जिला पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शहर के बरेठपारा, जमातपारा, बख्शी मार्ग, इतवारी बाजार, धरमपुरा, अमलीपारा, दाऊचौरा, बस स्टैंड, शिव मंदिर रोड, राज फैमिली क्षेत्र, गंजीपारा, रश्मि देवी कॉलोनी, खम्हरिया, इंदिरा आवास पारा, अटल आवास एवं पिपरिया क्षेत्रों में गश्त की गई। गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के बैंक, एटीएम, सराफा दुकान एवं संदिग्ध स्थलों की जांच , गुंडा निगरानी बदमाशों, फरार वारंटियों एवं असामाजिक तत्वों के निवासों पर दबिश देकर उनकी उपस्थिति , वर्तमान आय-व्यवसाय के संबंध में पूछताछ कर उन्हें अपराध से दूर रहने की हिदायत दी । पुलिस टीम ने शहर के लॉज एवं ढाबों में भी जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान फरार स्थायी वारंटी विजय यादव 30 वर्ष, बरेठपारा को उसके निवास से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर आदेश पर जेल भेजा गया । अभियान के दौरान 09 निगरानी बदमाश, 20 गुंडा बदमाश, 19 स्थायी वारंटी एवं 03 गिरफ्तारी वारंटियों के संबंध में दबिश एवं वैधानिक कार्यवाही की गई।

भूपेश के एआई विडियो पर भड़की कांग्रेस

ज्ञापन सौंपकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

खैरागढ़/नवप्रदेश। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आपत्तिजनक एवं तथ्यहीन एआई जनरेटेड विडियो पोस्ट होने के बाद बढ़े आक्रोश के बीच जिला महिला कांग्रेस पदाधिकारियो ने थाना पहुँच थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंप विडियो पोस्ट करने वाले इंस्टाग्राम, आईडी संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही और आईडी को बैन करने की मांग की है । जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती रिंकु महोबिया की अगुवाई मे सौंपे गए ज्ञापन मे कांग्रेस ने बताया कि कांग्रेस पोलखोल आईडी द्वारा आपत्तिजनक भ्रामक एवं एआई जनरेटेड विडिया पोस्ट कर इसका व्यापक प्रसार कर पूर्व सीएम बघेल की छवि को सीधे तौर पर खराब करने, सामाजिक वैमनस्य फैलाने, राजनितिक दुर्भावना को प्रेरित करने,वातावरण को बिगाड़ने, जनमानस को गुमराह करने का प्रयास है ।

गौ माता के सम्मान में शिवसेना का उपवास धरना

■ उपवास धरना के माध्यम से जताया गौ रक्षा का अटूट संकल्प

राजनांदगांव/नवप्रदेश। गौमाता की रक्षा एवं सम्मान को लेकर शिवसेना द्वारा प्रदेशभर में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीशों को ज्ञापन सौंपा गया। यह अभियान शिवसेना के प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में एक साथ संचालित किया गया।इसी कड़ी में राजनांदगांव में शिवसेना प्रदेश सचिव कमल सोनी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिवसेना के मुख्य पदाधिकारियों ने पिंजरापोल गौशाला में गौ माता की पूजा के बाद जिला कलेक्टोरेट के सामने 1 दिवसीय उपवास धरना का आयोजन कर दोपहर 3 बजे जिलाधीश को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शिवसेना दुर्ग संभाग प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष आकाश सोनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शिवसैनिक उपवास में शामिल रहे और सभी ने एकजुट होकर अपनी मांगों को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा। ज्ञापन के साथ शिवसेना के प्रतिनिधि मंडल ने गौ रक्षा हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से आमजन से कराए गए हस्ताक्षरयुक्त प्रतियों को भी सौंपा, जिससे इस मुद्दे के प्रति जनसमर्थन स्पष्ट रूप से सामने आया।इस अवसर पर शिवसेना के मुख्य पदाधिकारियों एवं शिवसैनिकों द्वारा उपवास धरना कर गौ माता की रक्षा हेतु अपना अटूट संकल्प प्रकट किया गया।

गड़बड़ी: बिना निर्माण के ठेकेदार को भुगतान किए जाने का मामला, नगरीय प्रशासन विभाग से हुई थी शिकायत

शिकायत के बाद जांच कर टीम ने जुटाए दस्तावेज

खैरागढ़/नवप्रदेश। नगरपालिका मे बिना कार्य किए ही ठेकेदार कंपनी को किए गए भुगतान की जांच मे कई खुलासे हो रहे है । शहर के बरेठपारा वार्ड मे पांच लाख की लागत से बनने वाले नाली निर्माण कार्य मे काम किए बिना भुगतान होने की शिकायत नपाध्यक्ष गिरजा चंद्राकर ने सीधे नगरीय प्रशासन विभाग से की थी । जिस पर विभाग के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता सहित तीन सदस्यीय दल ने मौके पर पहुँच मामले की जांच की और इसकी रिपोर्ट तैयार कर वापस चले गए । पालिकाध्यक्ष चंद्राकर ने मामले मे सीधे तौर पर तत्कालीन सीएमओ अविनाश देवांगन, प्रभारी लेखापाल रहे नीरज सिंह और इंजीनियर मुजफ्फर हुसैन पर ठेकेदार कंपनी हक इंटरप्राइजेस के साथ सांठगांठ कर बिना कार्य के ही भुगतान किए जाने की शिकायत की थी।

समयपाल ने कहा मुझे जानकारी ही नहीं

मामले मे नगरपालिका मे पदस्थ टाइमकीपर अंकुर सिंह ने बताया कि उक्त निर्माण कार्य को लेकर उनको कोई जानकारी नही है । पालिका के लोकनिर्माण विभाग शाखा मे किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य कराए जाने के दौरान एक मात्र टाइमकीपर सिंह की तैनाती मौके पर की जाती है । ताकि निर्माण कार्य की मानिटरिंग की जा सके । सिंह ने बताया कि उक्त नाली निर्माण और सीसी सड़क कार्य कब और कहां हुआ है इसकी कोई जानकारी उनके पास नही है । ना ही वे कभी मौके पर गए है । टाइमकीपर के खुलासे के बाद निर्माण कार्य मे बिना कार्य भुगतान किए जाने का फर्जी वाड़ा प्रमाणित हो रहा है । तो दूसरी ओर शासकीय राशि का अधिकारियो कर्मचारियों द्वारा दुरुपयोग किए जाने की मंशा भी सामने आ गई है । न ही फाइल बनी न मेजरमेंट हुआ ।मामले मे पालिका से अंदरुनी जानकारी भी सामने आई है दावा किया गया कि बरेठपारा मे 5 लाख 75 हजार रू से बनने वाले नाली की कोई फाइल नही बनी है । और ना ही किसी प्रकार के मेजरमेंट बुक मे दस्तावेज बनाए गए है । अधिकारियो ने ठेकेदार से मिलीभगत कर पूरा कार्य होने का हवाला देकर भुगतान लिया है । इसी वार्ड 6 मे 2 लाख 27 हजार रू के सीसी सड़क बनाए जाने के मामले मे भी बड़ा खुलासा हुआ है कि अधिकारियों ने सांठगांठ कर निर्माण कार्य का भुगतान 3 मार्च को ही ठेकेदार कंपनी हक इंटरप्राइजेस को कर दिया । जब मामले की भनक जनप्रतिनिधियों को लगी तो आनन फानन मे 12 मार्च से कार्य शुरू कराया गया ताकि शिकवा शिकायत से बचा जा सके । इस सीसी सड़क मे भी तय निर्माण राशि से अतिरिक्त राशि 2 लाख 45 हजार रू का भुगतान किया गया है ।

> बरेठपारा वार्ड मे नाली निर्माण किए बिना ही राशि भुगतान मामले मे शिकायत के बाद तीन सदस्यीय अधिकारियो के दल ने मौका मुआयना किया है । फर्जीवाड़े की जांच के बाद कार्यवाही जरूर होगी।
>
> – गिरजा चंद्राकर अध्यक्ष नगर पालिका खैरागढ़

धरसीवां तहसील में गूंजा गौमाता को 'राष्ट्रमाता' बनाने का शंखनाद

– राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। आज 27 अप्रैल को 'गौ सम्मान आव्हान अभियान दिवस' के अवसर पर धरसीवां तहसील में गौभक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गौमाता के सम्मान, सेवा और सुरक्षा के संकल्प के साथ मुक्तेश्वर शिव मंदिर चरौदा में विधि विधान से पूजा अर्चना के पश्चात भजन कीर्तन के साथ तहसील कार्यालय निकले जिसमें क्षेत्र के हजारों गौभक्तों ने एकजुट होकर गौमाता को राष्ट्रमाता÷ का दर्जा दिलाने हेतु हुंकार भरी।

भारी संख्या में जुटे गौभक्त

अभियान के तहत धरसीवां तहसील कार्यालय में भारी संख्या में गौभक्तों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गौवंश के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करना और उन्हें राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में मान्यता दिलाना था। उपस्थित जनसमूह ने ÷गौमाता की जय÷ और ÷गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करो÷ के नारों के साथ पूरे परिसर को भक्तिमय कर दिया।

गौसेवा ही सर्वोपरि धर्म

इस अवसर पर वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि गौमाता केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। उन्हें राष्ट्रमाता का सम्मान मिलना हर भारतीय की आस्था का विषय है। धरसीवां तहसील के कोने-कोने से आए युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने इस अभियान को अपना पूर्ण समर्थन दिया और भविष्य में भी गौसेवा के लिए समर्पित रहने का संकल्प लिया।

प्रार्थना पत्र के माध्यम से उठाई

मांग : अभियान के दौरान धरसीवां तहसीलदार के माध्यम से देश के महामहिम राष्ट्रपति, यशस्वी प्रधानमंत्री, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री के नाम एक औपचारिक प्रार्थना पत्र सौंपा गया। इस ज्ञापन में प्रमुख रूप से निम्नलिखित मांगें रखी गई हैं। गौमाता को तत्काल प्रभाव से 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिया जाए। गौवंश की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाए जाएं। सड़कों पर बेसहारा घूम रहे गौवंश के लिए उचित संरक्षण और चारे की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

गौ-माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की मांग तेज

छुईखदान । देशभर में एक साथ आयोजित 'गो सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत आज छुईखदान सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान ने स्थानीय सीमाओं को पार करते हुए राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण किया, जिसमें लाखों गौ-भक्तों, सनातन परंपरा से जुड़े नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने भाग लेकर गौ-संरक्षण और सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस राष्ट्रव्यापी पहल का प्रमुख उद्देश्य गौ-माता को 'राष्ट्र माता' का सम्मानजनक दर्जा दिलाना तथा पूरे देश में गौवंश हत्या निषेध कानून को प्रभावी और सख्ती से लागू करवाने की मांग को मजबूती देना है। कार्यक्रम की शुरुआत छुईखदान में सुबह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित 'कामधेनु यज्ञ' से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भटगांव में तेज बारिश से लोगों को गर्मी से मिली राहत

भटगांव/नवप्रदेश। नगर भटगांव आज 42 डिग्री तक तापमान रहा लोग तेज धुप से परेशान रहे तो वही शाम होते होते मौसम का बदने लगा और शाम 5 बजे से हवा तुफान गरज चमक बिजली के साथ तेज बारिश शुरु हो गया जो रात्रि से 7 बजे तक चलता रहा इस अचानक मौसम की बदने से तेज बारिश ने इस भीसड़ गर्मी से लोगों को राहत पहुचाया।

अवैध शराब के दो मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार, स्कूटी सहित शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बसना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में शराब के साथ एक स्कूटी भी जब्त की है।

पहले मामले में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बोहरडीह जाने वाले कच्चे रास्ते पर बजाज शोरूम के पीछे बेहरा पेड़ के पास एक युवक अवैध शराब बिक्री के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और संदेही युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम ग्राम छुईपाली निवासी गजेंद्र साव (23) बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 20 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 4,000 रुपए है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

भीषण गर्मी से बाजार की रौनक गायब, शादी सीजन में भी सन्नाटा

छुईखदान/नवप्रदेश। क्षेत्र मे पड़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचने के कारण दोपहर के समय सड़के सुनसान नजर आ रही है शादी सीजन होने के बावजूद बाजारो मे अपेक्षित भीड़ नही दिख रही जिससे व्यापारियो मे चिंता बढ़ गई है। दोपहर के समय मुख्य बाजार और सड़के लगभग खाली दिख रही है लोग तेज धूप और लू से बचने के लिए घरो मे ही रहना बेहतर समझ रहे है खरीदारी के लिए भी लोग सुबह या देर शाम का समय चुन रहे है दुकानदारो का कहना है कि इस बार शादी सीजन के बावजूद ग्राहको की संख्या कम है जिससे बिक्री प्रभावित हो रही है स्थानीय व्यापारियो के अनुसार गर्मी का असर सीधा कारोबार पर पड़ रहा है कपड़ा ज्वेलरी और अन्य शादी से जुड़े व्यवसायो मे भी अपेक्षित बढ़ोतरी नही हो पाई है छोटे व्यापारियो के सामने रोज़ी रोटी का संकट गहराने लगा है सीजन खत्म होने के बाद और बढ़ेगी चिंता जानकारो का मानना है कि अभी शादी सीजन के चलते थोड़ी-बहुत खरीदारी हो रही है लेकिन जैसे ही सीजन खत्म होगा बाजारो मे और अधिक सन्नाटा छा सकता है यदि तापमान मे जल्द गिरावट नही आई तो व्यापारियो की मुश्किले और बढ़ सकती है।

देशभर के कृषि आदान व्यापारी हड़ताल पर, पीएम मोदी के नाम सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद/नवप्रदेश। देशभर के खादए बीज और कीटनाशक विक्रेताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की। एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन ;एडाद्ध के बैनर तले करीब 5 लाख व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ने प्रधानमंत्री छंतमदकतं डवकप को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। गरियाबंद जिले में भी कृषि आदान व्यापारियों ने जिला कृषि उप संचालक के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। व्यापारियों का कहना है कि पिछले 10 वर्षों से वे जबरन उत्पाद लिंकिंगए कम मार्जिनए महंगी डिलीवरी और ऑनलाइन पोर्टल की अनिवार्यता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैंए लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

निजी विद्यालयों की मनमानी पर कलेक्टर सख्त

गरियाबंद/नवप्रदेश। कलेक्टर बीएस उइके एवं पुलिस अधीक्षक श्री नीरज चंद्राकर ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के समस्त अशासकीय ;निजीद्ध विद्यालयों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में फीस वृद्धिए आरटीई के तहत प्रवेशए पुस्तक एवं गणवेश व्यवस्थाए विद्यार्थियों की सुरक्षाए अपार आईडी तथा परिवहन नियमों को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि किसी भी स्कूल द्वारा बिना अनुमति मनमानी शुल्क वृद्धि करना नियम विरुद्ध है। किसी भी स्कूल में विद्यार्थियों एवं पालकों से अनावश्यक फीस वसूली करने की शिकायत मिलने पर ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने स्कूल प्रबंधन को अपनी पूरी फीस संरचनाए पूर्व वर्षों की शुल्क सूची और सभी संबंधित अभिलेख समिति के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम 2020 के तहत प्रत्येक निजी विद्यालय में फीस विनियमन समिति का गठन अनिवार्य है। समिति की अनुशंसा के आधार पर ही फीस तय होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक सत्र में अधिकतम 8 प्रतिशत तक ही फीस वृद्धि की जा सकती है। इससे अधिक वृद्धि के लिए जिला स्तरीय फीस समिति की अनुमति आवश्यक होगी। विद्यालयों में आरटीई के तहत पात्र बच्चों का प्रवेश अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भीषण गर्मी श्रद्धालुओं के आस्था को डिगा नहीं पाई, सुरक्षा को लेकर प्रशासन रहा अलर्ट

मण्डीप खोल गुफा दर्शन, श्रद्धा-आस्था के बीच खुले पवित्र द्वार, श्रद्धालुओं का रेला

छुईखदान/नवप्रदेश। केसीजी जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ठाकुरटोला जमीदारी स्थित प्रसिद्ध मण्डीप खोल गुफा के वार्षिक दर्शन इस वर्ष भी अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुए। अक्षय तृतीया के बाद आने वाले पहले सोमवार को परंपरा अनुसार गुफा के द्वार विधि-विधान और पूजा-पाठ के साथ खोले गए।

सुबह से ही गुफा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पुजारीजनों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के पश्चात गुफा में प्रवेश की अनुमति दी गई। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में प्रवेश कर दर्शन लाभ प्राप्त किया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और ÷जय-जयकार÷ के स्वर गूंजते रहे।

गुफा के खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पूरे दिन मेले जैसा वातावरण बना रहा। दूर-दराज़ के गांवों और जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचे। भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा किए गए इंतजाम काफी हद तक सफल रहे और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराया गया।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे भीड़ नियंत्रण सुचारू रूप से संचालित हुआ। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्थायी चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया गया, जहां जरूरतमंदों को तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, शौचालय, साफ सफाई और प्रकाश व्यवस्था की समुचित व्यवस्था की गई थी। साथ ही गुफा परिसर और आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध भी प्रभावी रूप से लागू रहा। इस वर्ष प्रशासन और आयोजन समिति द्वारा की गई बेहतर व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं ने संतोष व्यक्त किया। शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुए इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र की आस्था और परंपरा को एक बार फिर मजबूती प्रदान की।

महामाया तालाब में विशेष सफाई अभियान, 2 डंपर कचरा निकाला

नपा अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने खुद संभाली कमान, 70-80 कर्मचारियों के साथ किया श्रमदान

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू के निर्देश पर आज नगर के कुलदेवी मां महामाया तालाब में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। सुबह 6 बजे से शुरू हुए इस अभियान में पालिका के लगभग 70ङ्क80 सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया और सुबह 11 बजे तक तालाब एवं मंदिर परिसर के आसपास से करीब 2 डंपर कचरा निकालकर क्षेत्र को स्वच्छ किया।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू स्वयं मौके पर मौजूद रहे और कर्मचारियों के साथ तालाब की सफाई में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। उन्होंने तालाब से कचरा निकालकर कर्मचारियों का उत्साहवर्धन भी किया।

अध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि महामाया तालाब से शहरवासियों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, ऐसे में उन्हें स्वच्छ और साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में महामाया तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य भी कराया जाएगा।

अभियान के दौरान पार्षद नीरज चंद्राकर, स्वच्छता प्रभारी दिलीप चंद्राकर, सफाई सुपरवाइजर जीतू सोनी, मुंशी महेश कुमार, वीर कुमार, जीतेन्द्र सोनी, गोपाल सोना, मनोज कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजली कटौती से 90% फसल नुकसान की आशंका

■ धरसींवा के किसानों ने उठाई निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग

धरसीवां / कूंरा /नवप्रदेश। धरसींवा ब्लॉक के किसानों के सामने इस समय एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति उत्पन्न हो गई है। अटल ज्योति योजना के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन भीषण गर्मी के इस दौर में लगातार हो रही बिजली कटौती ने खेती-किसानी को गहरे संकट में डाल दिया है।

खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की आवश्यकता है, और ऐसे समय में बिजली बाधित होने से किसानों की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है।इसी गंभीर परिस्थिति को देखते हुए आज धरसींवा ब्लॉक के किसानों ने एकजुट होकर रायपुर कलेक्टर एवं CSPDCL के अधिकारियों के समक्ष ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन के माध्यम से मांग रखी गई कि आगामी 20 से 25 दिनों तक बिजली कटौती को पूर्णतः रोका जाए और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि खेतों की सिंचाई सुचारू रूप से हो सके और खड़ी फसल सुरक्षित रह सके।

किसानों के साथ चर्चा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल ने इस विषय को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि जब अटल ज्योति योजना किसानों को लाभ देने के लिए बनाई गई है। तो ऐसे महत्वपूर्ण समय में बिजली कटौती पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने CSPDCL के मैनेजिंग डायरेक्टर से सीधे तौर पर किसानों की मांगों पर तत्काल निर्णय लेने का आग्रह किया।

7 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह गिरफ्तार

पुलिस ने 12.563 किलो मादक पदार्थ और दो कारें जब्त की

महासमुंद/नवप्रदेश। एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सांकरा पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12.563 किलोग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तस्कर ओडिशा के कटक से महाराष्ट्र के जालना तक गांजा खपाने की फिराक में थे। इस पूरे नेटवर्क की जानकारी मुखबिर से मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई की।

एनएच-53 स्थित गुरु घासीदास चौक, सांकरा तिराहा के पास घेराबंदी कर पुलिस टीम ने एक एक्सयूवी वाहन (एमएच 12 जेयू 8769) और उसके आगे चल रही पायलटिंग डिजायर कार (एमएच 24 एएफ 2235) को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहनों में गांजा परिवहन की पुष्टि होने पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान तस्करी में प्रयुक्त दोनों वाहनों के साथ 9 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं, जिनका उपयोग नेटवर्क संचालन में किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र के जालना जिले के निवासी मनोज सांगले (24), रोहित भोसले (29), किशन पवार (27) और रंजीत घोलप (27) शामिल हैं। इसके अलावा तीन विधि से संघर्षरत बालकों को भी पुलिस ने संरक्षण में लिया है।

पेज 1 का शेष...

वेदांता हादसा: जांच के...

से बढ़ गया। बढ़ते दबाव के कारण बायलर का निचला पाइप अपनी जगह से हट गया और जोरदार विस्फोट होने से आसपास काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए और कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक सुरक्षा विभाग की मॉनिटरिंग कमजोर

छत्तीसगढ़ में कारखाना अधिनियम 1948, बॉयलर अधिनियम 1923 लागू हैं। उद्योगों में सुरक्षा सुरक्षित करने के लिये औद्योगिक सुरक्षा विभाग जैसी संस्थाएं कार्य कर रही हैं। लेकिन मॉनिटरिंग का सिस्टम बेहद कमजोर है। जांच तंत्र अप्रभावी है। जवाबदेह और जिम्मेदार लोगों पर किसी भी स्तर पर कार्रवाई नहीं हो रही है। यही वजह है कि बार-बार भीषण हादसे हो रहे हैं और छत्तीसगढ़ में श्रमिकों की मौतें हो रही हैं। हादसे के बाद जिस तरह से जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिये भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने बयान दिया और वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर आपत्ति जताई, उससे एक बार फिर यह आशंकाएं जताई जा रही है कि न प्रभावी तरीके से जांच होगी, न जिम्मेदारों पर एक्शन लिया जाएगा। औद्योगिक सुरक्षा को लेकर बने कानूनी प्रावधानों के बावजूद प्रकरण इतना कमजोर बनाया जाएगा कि चिमनी हादसे की तरह इस बार भी जिम्मेदारों को सजा नहीं मिल पाएगी।

टीएमसी सांसद मिताली ...

मैं किसी तरह जान बचाकर निकली हूं।'

टीएमसी का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में सांसद की गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। टीएमसी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा- गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सिंतु संत्रा, सनातन संत्रा और राजकुमार रॉय के रूप में की गई है। दावा है कि तीनों भाजपा कार्यकर्ता हैं।

छत्तीसगढ़ 'धान का...

तेंदुवाधाम आज धार्मिक और सांस्कृतिक जागरण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है, जहां हजारों श्रद्धालु एक साथ श्रीराम कथा का श्रवण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर को अत्यंत सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि एक ही मंच से अनेक संतों का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त होना विशेष अनुभव है। उन्होंने आश्रम परिसर में हरिवंश औषधालय एवं पंचकर्म केंद्र, श्री राम-जानकी मंडपम, हरिवंश वैदिक पाठशाला, मां दुर्गा गौ मंदिर और हनुमत प्रवेश द्वार सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के लोकार्पण पर आश्रम प्रबंधन और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 'धान का कटोरा' होने के साथ-साथ सेवा, समर्पण और आस्था की भूमि भी है। उन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण के दौरान छत्तीसगढ़ से 11 ट्रक चावल और चिकित्सकों की टीम के वहां पहुंचने का उल्लेख करते हुए इसे प्रदेशवासियों की गहरी श्रद्धा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भगवान श्रीराम भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं, जो देश की सांस्कृतिक एकता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर लाभान्वित हो रहे हैं।

होर्मुज बंद होने से ...

को लेकर पहले बात होनी चाहिए और परमाणु मुद्दे पर वार्ता बाद में भी हो सकती है।

बता दें कि वैसे तो अमेरका और ईरान के बीच युद्धविराम चल रहा है लेकिन होर्मुज का रास्ता अब भी बंद है। एक तरफ अमेरिका ने नाकेबंदी कर रखी है। इसी वजह से ईरान भी होर्मुज को खोलने के लिए तैयार नहीं है। इसके चलते उर्वरक, प्राकृतिक गैस, फ्यलू और कच्चे तेल की सप्लाई एकदम ठप हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर स्थितियां ऐसी ही बनी रहीं तो आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतों में और भी इजाफा होगा। वहीं पेट्रोल और डीजल की किल्लत बढञ सकती है।

भारतमाला घोटाले में ....

आरोपों से जुड़े पुख्ता दस्तावेजों के आधार पर ईडी यह कार्रवाई कर रही है।

भारतमाला घोटाला: 500 करोड़ से अधिक की हेराफेरी की आशंका

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना (रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर) के लिए छत्तीसगढ़ में किए गए भूमि अधिग्रहण में करीब 500 करोड़ रुपये के घोटाले का अनुमान है। जांच में सामने आया है कि मुआवजे की राशि बढ़ाने के लिए कई तरह के फर्जीवाड़े किए गए। कृषि भूमि को पुराने दस्तावेजों में गैर-कृषि (डायवर्टेड) भूमि दिखाकर मुआवजे की रकम कई गुना बढ़ा दी गई। एक ही खसरे की जमीन को कागजों में छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर अलग-अलग लोगों के नाम पर मुआवजा क्लेम किया गया। इस पूरे खेल में राजस्व विभाग के अधिकारियों (एसडीएम, तहसीलदार और पटवारी) की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

कार्रवाई से इलाके में मची खलबली

ईडी की इस रेड से राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में खलबली मच गई है। हालांकि, अभी तक प्रवर्तन निदेशालय की ओर से इस कार्रवाई की कोई आधिकारिक पुष्टि या विवरण साझा नहीं किया गया है। इससे पहले भी रायपुर और अभनपुर में जमीन कारोबारी गोपाल गांधी के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए थे।

यूपी ने रचा इतिहास...

करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने बुनियादी ढांचे को केवल यातायात तक सीमित न रखकर, उसे राष्ट्र रक्षा के एक अभेद्य कवच के रूप में विकसित किया है।

इंजीनियरिंग का कमाल: कैसे सामान्य सड़क से अलग होती है एयरस्ट्रिप: इन एयरस्ट्रिप का निर्माण सामान्य डामर की सड़कों से बिल्कुल भिन्न होता है। इसमें जिस तकनीक और सामग्री का उपयोग किया जाता है, वह इसे एक पूर्ण सैन्य रनवे के समकक्ष बनाती है।

PQC तकनीक: एयरस्ट्रिप के निर्माण में उच्च श्रेणी के कंक्रीट का उपयोग किया जाता है, जो फाइटर जेट्स के लैंडिंग के समय उत्पन्न होने वाले प्रचंड घर्षण और तापमान को सहन कर सके।

लोड बेयरिंग कैपेसिटी: इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये 30 टन से अधिक वजन वाले भारी विमानों के झटके झेल सकें। जहाँ सामान्य सड़क 15-20 सेमी मोटी होती है, वहीं एयरस्ट्रिप की परतें काफी सघन और मजबूत बनाई जाती हैं।

रडार और सिग्नलिंग इंटीग्रेशन: आपात स्थिति में इन पट्टियों पर पोर्टेबल लाइटिंग और रडार सिस्टम तैनात करने की व्यवस्था होती है, जिससे शून्य दृश्यता में भी विमान सुरक्षित उतर सकें।

ड्रेनेज और ग्रिप: इनके किनारे इस तरह बनाए जाते हैं कि पानी का जमाव न हो और विमान के टायरों को अधिकतम ग्रिप मिले।

यूपी के चार सामरिक स्तंभ: इन एक्सप्रेसवे पर है एयरस्ट्रिप की सुविधा

उत्तर प्रदेश ने चरणबद्ध तरीके से अपने प्रमुख एक्सप्रेसवे को रक्षा मानकों के अनुरूप तैयार किया है:

गंगा एक्सप्रेसवे: देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक, जहाँ हाल ही में एयरस्ट्रिप की सुविधा जोड़ी गई है। यह पश्चिमी यूपी को पूर्वी यूपी से जोड़ते हुए रणनीतिक बढ़त प्रदान करता है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे: यह राज्य का पहला ऐसा आधुनिक मार्ग था, जिस पर वायु सेना ने पहली बार फाइटर जेट्स की लैंडिंग कराकर इतिहास रचा था। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे: इस पर बनी एयरस्ट्रिप ने 'गगन शक्ति' जैसे बड़े वायु सेना अभ्यासों के दौरान अपनी सक्षमता सिद्ध की है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे: सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों को जोड़ने वाला यह मार्ग डिफेंस कॉरिडोर के विकास में भी सहायक है।

प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार अंतागढ़, केंद्र बिंदु होते हुए भी एक कोने में होती है प्रशासनिक बैठक

■ अंतागढ़ में पनप रहा है आक्रोश

■ प्रशासनिक 'गणित' में उलझा अंतागढ़, क्या नक्शे से गायब है वनांचल की सुगमता?

अंतागढ़/नवप्रदेश। जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर अब सवालिया निशान लगने लगे हैं। यह सवाल किसी नीति को लेकर नहीं, बल्कि अधिकारियों के 'भूगोल और गणित' के ज्ञान को लेकर है। अंतागढ़ क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और समाज से जुड़े लोगों का आरोप है कि जिले में बैठे आला अधिकारी जानबूझकर अंतागढ़ की भौगोलिक स्थिति की अनदेखी कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश पनप रहा है।

वही प्रशासन भी अंतागढ़ की अनदेखी कर एक क्षेत्र पर मेहरबान है आंकड़ों पर गौर करें तो भानुप्रतापपुर की भौगोलिक स्थिति स्पष्ट है। यदि भानुप्रतापपुर को केंद्र माना जाए, तोः पूर्वः कोरर (22 किमी) पश्चिमः दुर्गुकोंदल (15-20 किमी) उत्तरः कच्चे (13 किमी) केवटी 10 किमी के सीमित दायरे में है वही अगर अंतागढ़ कोयलीबेडा क्षेत्र से दूरी लंबी होती है जैसे दक्षिणः रावघाट (70किमी) आमाबेड़ा 60 किलोमीटर , कोयलीबेडा 60 किलोमीटर वही इन क्षेत्रों की अंतिम सीमा की दूरी कही अधिक होगी ।

इसके विपरीत, अंतागढ़ को केंद्र बिंदु की दृष्टि देखे सभी क्षेत्रों की दरी समान नजर आती । उत्तर में कच्चे (43 किमी) से लेकर दक्षिण में रावघाट (40 किमी) तक, और पूर्व में आमाबेड़ा (30 किमी) से लेकर पश्चिम में कोयलीबेड़ा (30 किमी) तक का विशाल क्षेत्र भी अंतागढ़ से एक सीमित क्षेत्र दायरे में आ जाते है इसके बावजूद, हर विशेष मीटिंग, ट्रेनिंग और शिविर के लिए अंतागढ़ कोयलीबेडा के लोगों को भानुप्रतापपुर की लंबी दौड़ लगानी पड़ती है।

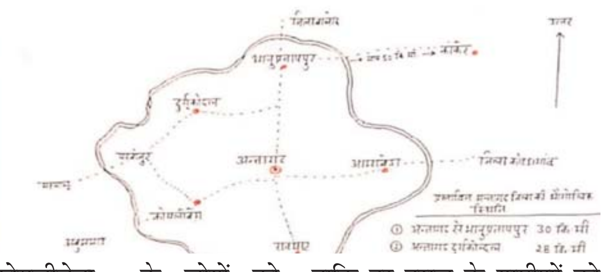

प्रशासनिक ढांचा बनाम जमीनी हकीकतः क्षेत्रवासियों का कहना है कि शासन ने अंतागढ़ में अतिरिक्त कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना इसीलिए की थी ताकि दूर-दराज के ग्रामीणों को भटकना न पड़े। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि महत्वपूर्ण जिला स्तर की प्रशासनिक पदस्थ होते हुए भी बैठकों का केंद्र आज भी भानुप्रतापपुर बना हुआ है। जनता पूछ रही है– क्या अंतागढ़ में पदस्थ इन बड़े अधिकारियों का औचित्य केवल कागजों तक सीमित है?जनता की आवाजः अंतागढ़ राजस्व देने में जिले में अग्रणी है, लेकिन विकास और सुविधाओं के मामले में आज भी पिछड़ा है। जिले में बैठे अधिकारी स्थानीय समीकरणों के चलते भानुप्रतापपुर को प्राथमिकता देते हैं, जो सीधे तौर पर अंतागढ़ के साथ सौतेला व्यवहार है।

बड़ा सवालः क्या अंतागढ़ कांकेर का हिस्सा नहीं?

: पिछले दिनों शासन की बेरुखी साफनज़र आयी जिले में प्रदेश के मंत्रीयो के कई दौरे हुए पर एक सीमित क्षेत्र तक पहुंच रही । जिसमें अंतागढ़ कोइलीबेडा क्षेत्र अछूता रहा शासन स्तर से इन क्षेत्र के प्रति उदासीनता रवैया जारी है वही प्रशासन स्तर से भी कुछ सही नजर नहीं आ रहा है प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी उठे सवालों ने इस आग में घी डालने का काम किया है। अंतागढ़ वासियों का सीधा सवाल है कि यदि दूरी और सुविधा का ध्यान नहीं रखना है, तो क्या प्रशासन अंतागढ़ को जिले का हिस्सा नहीं मानता? भारी भरकम राजस्व देने वाले इस क्षेत्र को प्रशासनिक प्रशिक्षण और प्रशासनिक बैठक को एक समान दूरी वाले क्षेत्र को छोड़कर एक कोने में किया जाता है । जो न्याय संगत नहीं है

कोचिंग और परीक्षा केंद्र एक कोने में क्यों?

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अक्सर देखा जाता है कि कांकेर जिले को कोचिंग हो परीक्षा केंद्र दो भागों में विभाजित किया जाता है जिसमें पहला कांकेर दूसरा भानुप्रतापपुर आखिर क्या आकलन कर एक कोने क्षेत्र को केंद्र बनाया जाता है क्या जिला प्रशासन को अंतागढ़ और कोयलीबेडा की भौगोलिक स्थिति का गणित सुलझा नहीं पाए है क्योंकि इन दोनों क्षेत्रों से भानुप्रतापपुर की दूरी लंबी हो होती है जिसके चलते आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों को आर्थिक और समय की अधिक खर्च करना पड़ता है ।

न्यूज गैलरी

बस्तर के छः शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय नवाचारी सम्मान

जगदलपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षिक संप्रवाह कार्यक्रम के अंतर्गत बस्तर जिले के छः शिक्षकों सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 160 नवाचारी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, अंडमान-निकोबार, पंजाब, दिल्ली एवं राजस्थान के शिक्षकों द्वारा नवाचारी गतिविधियों की लाइव प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के उप सचिव डॉ. बी. रघु सर ने कहा कि - ÷गुणात्मक लब्धियों को लक्ष्य बनाकर कार्य करें÷। उन्होंने कहा कि विजन, मिशन और लक्ष्य को सीढ़ी बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है तथा कार्य में आत्मसंतुष्टि होना अत्यंत आवश्यक है।

सुशासन तिहार को लेकर समीक्षा बैठक, अधिकारी तैयारी पूर्ण कर लें

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर ने आज समय-सीमा की बैठक लेकर विभागों में लंबित प्रकरणों की साप्ताहिक प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आगामी मई माह में आयोजित होने वाले सुशासन तिहार, बस्तर मुन्ने तथा नियद नेल्लानार 2.0 के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें। विशेष तौर पर ग्राम पंचायत एवं क्लस्टर स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों के आयोजन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।आज सुबह 11 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने बताया कि सुशासन तिहार के तहत मई माह के प्रथम अथवा द्वितीय सप्ताह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रवास संभावित है। अतः तदनुरूप विभाग के अधिकारी अपनी तैयारियां पूर्ण रखें।

खिड़कियों से कूदकर बचाई जान, सभी सुरक्षित

चलती बस में आधी रात को आग 70 बारातियों में मची अफरा-तफरी

बालोद / नवप्रदेश। । पुरूर थाना क्षेत्र के जगतरा मंदिर के पास आधी रात एक बड़ा हादसा टल गया, जब बारातियों से भरी एक बस में अचानक आग लग गई। घटना रात करीब 12:05 बजे की बताई जा रही है, जब कांकेर से लौट रही बारात की बस में अचानक धुआं भरने लगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस के गियर बॉक्स में शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते महज 5 मिनट के भीतर पूरी बस में धुआं फैल गया, जिससे अंदर बैठे करीब 65 से 70 बारातियों में अफरा-तफरी मच गई।

खिड़कियों से कूदकर बचाई जान- स्थिति गंभीर होते देख कई बारातियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि अन्य लोग तुरंत नीचे उतर गए। समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

ड्राइवर ने बुझाने की कोशिश की, लेकिन नहीं पाया काबू- बस चालक ने पहले इंजन गर्म होने की आशंका में गाड़ी रोककर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी। इसके बाद चालक ने तुरंत सभी बारातियों को नीचे उतरने के लिए कहा। कुछ ही मिनटों में पूरी बस धुएं से भर गई और देखते ही देखते बस जलकर खाक हो गई।इस दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति का हाथ दरवाजे में फंस गया, जिससे वह हल्का घायल हो गया। वहीं, बस में रखा एक बैग कपड़े, चार्जर सहित अन्य सामान के साथ जलकर खाक हो गया।

52 सीटर बस में 70 लोग सवार-बताया जा रहा है कि बस शर्मा ट्रेवल्स की 52 सीटर थी, जिसमें बारात जाते समय करीब 60 लोग सवार थे। वापसी में अन्य गाड़ियों से गई कुछ लड़कियों को भी इसी बस में बैठाया गया, जिसके कारण कुल 65 से 70 लोग बस में सवार हो गए थे।

टोल प्लाजा पार करते ही हुआ हादसा- यह हादसा टोल प्लाजा पार करने के 1-2 किलोमीटर बाद, नैकुरा मोड़ के पास हुआ। बारात डौंडीलोहारा ब्लॉक के बड़गांव से कांकेर गई थी और वापस लौटते समय यह घटना हो गई।

दूसरी बस से बड़गांव भेजे गए बाराती- हादसे के बाद करीब डेढ़ से दो बजे के बीच दूसरी बस मौके पर पहुंची, जिसके जरिए सभी बारातियों को सुरक्षित बड़गांव पहुंचाया गया। कुछ बुजुर्ग पहले ही शादी स्थल पर रुक गए थे, जबकि अन्य बारातियों को सुरक्षित वापस भेज दिया गया।

बड़ा हादसा टला, जांच में जुटी पुलिस- समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि इस घटना ने यात्रा के दौरान वाहनों की तकनीकी जांच और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बालोद पुलिस की सख्त बैठक, बीट प्रणाली मजबूत करने के निर्देश

■ ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने पर जोर

बालोद। पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल ने सोमवार को पुलिस कार्यालय बालोद में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक का मुख्य उद्देश्य थाना एवं चौकी स्तर पर बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, पुलिसिंग को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की सतत निगरानी सुनिश्चित करना रहा।

बीट प्रणाली की समीक्षा, सख्त निर्देश जारी- बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बीट व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए–

प्रत्येक थाना/चौकी क्षेत्र में ग्रामवार बीट विभाजन की अद्यतन सूची तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

हर आरक्षक को आबंटित ग्रामों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित कर उसका रिकॉर्ड संधारित किया जाए।बीट प्रभारी द्वारा ग्राम भ्रमण की तिथि, स्थान और संख्या का नियमित एवं विधिवत रिकॉर्ड रखा जाए। बीट भ्रमण के बाद बीट पुस्तिका थाना प्रभारी के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए।थाना प्रभारी द्वारा बीट पुस्तिका का अवलोकन कर आवश्यक टिप्पणियां दर्ज की जाएं।

रोजनामचा और रिकॉर्ड संधारण पर विशेष जोर- बीट भ्रमण पर जाने से पहले रोजनामचा (सान्हा) में दिनांक, समय और ग्राम का नाम दर्ज करना अनिवार्य किया गया।

जनगणना की तैयारी पूरी,

बीजापुर / नवप्रदेश। जिले में आगामी जनगणना कार्य को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके तहत जनगणना से जुड़े कर्मचारियों की तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण प्रक्रिया आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गई।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202604100700077 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक/हक प्राप्तकर्ता मुकेश मटियारा पिता स्व. रत्तुराम मटियारा निवासी म.नं.-87, ढीमरपारा दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम-दुर्ग, प.ह.नं.-19 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 534/3, 534/10 रकबा क्रमशः 0.0140, 0.0100 हे. कुल रकबा 2550 वर्गफीट/236.98 वर्गमीटर भूमि लगान अभिलेखानुसार भूमि हकत्याग की जाने वाली सम्पत्ति का बाजार मूल्य 7,46,700/- रूपये भूमि को हक त्यागकर्तागण किशोर कुमार मटियारा, मनोज मटियारा, सुनीता मटियारा तीनों पिता स्व. रत्तुराम मटियारा निवासी म. नं.-87, ढीमरपारा दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) से पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 09/01/2024 को हक प्राप्तकर्ता के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर हक प्राप्तकर्ता के पक्ष में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.69/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदिका बसंती सोनी पति स्व0 रमेश कुमार सोनी निवासी ब्राम्हण पारा दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नजूल भूमि शीट कमांक 29 सी भूखंड कं. 93 क्षेत्रफल 158 वर्गमीटर भूमि धारक रमेश कुमार सोनी आ0गिरधर लाल सोनी के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक रमेश कुमार सोनी की मृत्यु दिनांक 22.06.2023 को हो चुकी है मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक के वारिसान उनकी पत्नी बसंती सोनी पति स्व0 रमेश कुमार सोनी, रवि सोनी. मनोज सोनी, विजय सोनी, प्रतिमा सोनी, पूजा सोनी पिस0 स्व0 रमेश कुमार सोनी है। आवेदक द्वारा उक्त प्रश्नाधीन भूखण्ड से मृतक सहधारक का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर वारिसानो का नाम पर फौती नामान्तरण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13.05.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अकरम गोरी पिता श्री इम्मामूद्दीन गोरी, पता एल.आई.जी.323, वार्ड 45, पद्मनाभपुर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) 491001 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम एम. अकरम गोरी त्यागकर नया नाम अकरम गोरी रख लिया है । अतः आज से मुझे समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम अनस रजा पिता श्री अकरम गोरी के नाम से ही जाना व पहचाना जावे।

रोहित देवांगन
अधिवक्ता- जिला न्यायालय दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग)
मो. 9300602536

नाम-परिवर्तन

मैं निर्मलाबाई साहू (माता का नाम) ध.प. केदार साहू, निवासी- ग्राम करमतरा, बिजेलता तह. खैरागढ़ जिला के.सी.जी. छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिक सुपुत्र देवप्रकाश साहू (DEVPRAKASH SAHU) (पुराना नाम) से बदल कर वेदप्रकाश साहू (VED-PRAKASH SAHU) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
निर्मलाबाई साहू
ध.प. केदार साहू,
निवासी- ग्राम करमतरा,
बिजेलता तह. खैरागढ़
जिला के.सी.जी. (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00040 कसारीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104100089

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी रजत यादव पिता/पति स्व. रोहित यादव पता इंदिरा नगर वार्ड 36 डुण्डेरा उतई, संतोष नाबा. पिता/पति स्व. मोहन पता कसारीडीह, रेखा यादव पिता/पति स्व. रोहित यादव पता इंदिरा नगर वार्ड 36 डुण्डेरा उतई, राजू नाबा. पिता/पति स्व. मोहन पता कसारीडीह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 712/4 (0.0020) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रेखा यादव पिता/पति स्व. रोहित यादव पता इंदिरा नगर वार्ड 36 डुण्डेरा उतई, संतोष नाबा. पिता/पति स्व. मोहन पता सुभाष नगर वार्ड 42 दुर्ग, रजत यादव पिता/पति स्व. रोहित यादव पता इंदिरा नगर वार्ड 36 डुण्डेरा उतई, राजू नाबा. पिता/पति स्व. मोहन पता कसारीडीह के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11.05.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17.04.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी, परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **30691** दिनांक **27.04.2026**
वार्ड का नाम- **39 - ठाकुर प्यारे लाल वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **39** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR560D00285** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **GOPAL** पिता / पति श्री/ श्रीमती **SURTA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **DEEPAK VANECHIYA** पिता /पति श्री/श्रीमती **LT. GOPAL VANECHIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **FAUTI NAMANTRAN** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी, परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **30646** दिनांक **27.04.2026**
वार्ड का नाम- **39 - ठाकुर प्यारे लाल वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **39** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR759A00196** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **VIJAY KUMAR SAHU** पिता / पति श्री/ श्रीमती **CHETAN RAM SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **PRIYA GAJWANI** पिता /पति श्री/श्रीमती **KAILASH GAJWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

25 एवं 7 एमएलडी एसटीपी को मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

रायगढ़/नवप्रदेश। नगर निगम रायगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि शहर के 25 एमएलडी एवं 7 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को अंतरराष्ट्रीय स्तर का ह्रस्ह 9001:2015 (क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम) प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय के कुशल मार्गदर्शन, सतत निगरानी एवं टीम के समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

नगर निगम द्वारा संचालित दोनों एसटीपी से जल एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणाली, जिसमें संग्रहण, उपचार (ट्रीटमेंट) एवं सुरक्षित निस्तारण की समस्त प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरी हैं।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

।। तृतीय निविदा आमंत्रण ।।

मो.मा.अं.चौकी, दिनांक - 23/04/2026

जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी के अंतर्गत ग्राम पंचायत **बांधाबाजार** में विदेशी कम्पोजिट मदिरा दुकान खोले जाने हेतु तृतीय निविदा आमंत्रित की जानी है। मदिरा दुकान की जानकारी एवं निविदा शर्तें / फार्म कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, दंतेश्वरी मंदिर के समीप चिल्हाटी रोड, अं.चौकी, जिला मोहला-मानपुर-अं. चौकी से निविदा प्रपत्र 1000/- (एक हजार रूपये) बैंक ड्राफ्ट जिला प्रबंधक छ.ग. स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी के नाम से जमा कर कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय पर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दो भाग में प्रस्तुत की जाएगी, तकनीकी एवं वित्तीय। निविदा दिनांक **05.05.2026 को कार्यालयीन समय प्रातः 11:00 बजे तक** प्राप्त की जा सकती है, तथा निविदा को कार्यालय में दिनांक **05.05.2026 को दोपहर 2:00 बजे तक** जमा किया जा सकेगा। नियत समय तक प्राप्त निविदां दिनांक **दिनांक 05.05.2026 को शाम 5:00 बजे** खोली जाएगी। तकनीकी निविदा एवं वित्तीय निविदा को पृथक-पृथक लिफाफों में सीलबंद कर लिफाफे के ऊपर स्पष्ट अक्षरों में निविदा का प्रकार तकनीकी / वित्तीय अंकित किया जाना अनिवार्य है। उक्त दोनों लिफाफे एक बड़े लिफाफे में भरकर जमा किया जावे। तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने एवं स्थल निरीक्षण पश्चात् समिति के समक्ष उपयुक्त स्थल वाले निविदादाताओं की वित्तीय निविदा खोली जावेगी। वित्तीय निविदा खोले जाने की सूचना निविदादाता को पृथक से दी जाएगी।

(कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित)

जी- 262700383/2

जिला आबकारी अधिकारी
जिला- मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

लोक शिक्षण संचालनालय
ब्लॉक-सी, प्रथम तल, इन्द्रावती भवन
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

फेक्स नं. 0771-242521, दूरभाष क्र.0771-2331385
ई-मेल-cg.dpi.dir@gmail.com

क्र.शी.मु.क.कौ.प.प./मु.प. परिणाम घोषणा/61/2025/

नवा रायपुर दिनांक 23.04.2026

- सूचना -

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद् द्वारा वर्ष 2025-26 के द्वितीय छःमाह सत्र (माह-अक्टूबर 2025) में आयोजित हिन्दी/अंग्रेजी शीघ्रलेखन में गति 100 शब्द प्रति मिनट तथा हिन्दी/अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन में कौशल गति 5000, 8000 एवं 10000 की-डिप्रेशन प्रतिघण्टा के मान से कौशल परीक्षाएं आहूत की गई थी।

उक्त परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम परिषद कार्यालय के पत्र क्रं.शी.मु.क.कौ.प.प./मुख्य परीक्षा/61/परिणाम /2025/07 दिनांक 23.04.2026 द्वारा घोषित किये गये है।

परीक्षार्थीगण परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम परिषद् की वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in/ से download कर सकते है तथा उत्तीर्ण परीक्षार्थी अपने login-id-password से Provisional Certificate (प्रावधिक प्रमाण पत्र) Download कर सकेंगें।

परीक्षा परिषद द्वारा परिणाम घोषणा तिथि से दिनांक 10/05/2026 तक उत्तर पुस्तिका के पुर्नमुल्यांकन/पुर्नगणना हेतु राशि रूपये 200/- का चालान 0202-शिक्षा खेल-कूद कला तथा संस्कृति, 01-सामान्य शिक्षा 600 सामान्य 0661 में जमा कर चालान की एक प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न कर अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय को स्वयं अथवा सीधे डाक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त अंकित तिथि के पश्चात् के चालान स्वीकार्य नहीं होंगे।

यह भी स्पष्ट किया जाता है कि हिन्दी /अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन में विभिन्न प्रकार के गति (5000,8000,10000) की परीक्षाओं के लिए पुर्नगणना / पूर्नमुल्यांकन हेतू आवेदन पत्र स्वीकार्य नहीं है।

अभ्यार्थीगण परीक्षाओं संबधी अन्य जानकारी के लिए वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in का समय-समय पर अवलोकन करते रहे। पुर्नमुल्यांकन / पुर्नगणना के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप वेबसाईट से download कर सकते है।

जी- 262700381/2

उप संचालक
लोक शिक्षण संचालनालय (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, (संचा. संधा. संभाग) पण्डरिया

क्रमांक/54-4300/सूचना/250 पण्डरिया, दिनांक 27.04.2026

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संचा. संधा. उपसंभाग बोडला के अंतर्गत मानसून पूर्व लाईन की मरम्मत किया जाना आवश्यक है जिसके लिए निम्नलिखित वितरण केन्द्र और उसके सम्मुख दर्शाये गये फीडरों की विद्युत आपूर्ति समय **सुबह 8:00 बजे से 3:00 बजे तक** बाधित रहेगी। असुविधा के लिए खेद है।

क्र.	वि.के.	11 के. व्ही. फीडर	सुधार तिथी	संबंधित क्षेत्र
1	पाण्डातराई	रूसे	28-04-2026	रूसे एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
			25-05-2026	रूसे सबस्टेशन से निकलने वाले समस्त फीडर
		मोहगांव	29-04-2026	मोहगांव एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		जंगलपुर	30-04-2026	जंगलपुर एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		पलानसरी	01-05-2026	पलानसरी एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		चारभाठा	02-05-2026	चारभाठा एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		कुसुमघटा	04-05-2026	कुसुमघटा एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
			30-05-2026	कुसुमघटा सबस्टेशन से निकलने वाले समरत फीडर
		भलपहरी	05-05-2026	भलपहरी एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		सारंगपुर कला	06-05-2026	सारंगपुर कला एवं फीडर से संबधित समस्त ग्राम
		छांटा	07-05-2026	छांटा एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		सिरमी	08-05-2026	खण्डसरा एवं फीडर से सबंधित समस्त ग्राम
		मड़मड़ा	09-05-2026	मड़मड़ा एव फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		कुम्ही	12-05-2026	कुम्ही एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
			13-05-2026	कुम्ही सबस्टेशन से निकलने वाले समस्त फीडर
		कोयलारी	14-05-2026	कोयलारी एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		परसवारा	15-05-2026	परसवारा एवं फीडर से संबधित समस्त ग्राम
		पलानसरी पंप	16-05-2026	पलानसरी पंप एवं फीडर से संबंधित रागस्त ग्राम
		भगतपुर	18-05-2026	भगतपुर एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		रूसे भगतपुर पप	19-05-2026	रूसे भगतपुर पंप एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		जंगलपुर पम्प	20-05-2026	जंगलपुर एच.वी.डी.एस एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		खरहट्टा	23-05-2026	खरहट्टा सबस्टेशन से निकलने वाले समस्त फीडर
		भरेली (पोड़ी)	27-05-2026	भरेली (पोड़ी) एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		भरेली पम्प	28-05-2026	भरेली एच. वी. डी. एस. एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		कुसुमघटा पंप	29-05-2026	कुसुमघटा पंप एवं फीडर से सबंधित समस्त ग्राम
		पाण्डातराई शहर	30-05-2026	पाण्डातराई शहर एवं फीडर से सबंधित समस्त ग्राम
		चरखुरा	01-06-2026	चरखुरा एवं फीडर से सबंधित समस्त ग्राम
		डोंगरिया	02-06-2026	डोंगरिया एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
2	पोंडी	खडौदा	27-04-2026 28-04-2026	खडौदा एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		पोंडी ग्रामीण	29-04-2026	पोंडी ग्रामीण एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		पोंडी टाउन	30-04-2026	पोंडी टाउन एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		हरिनछपरा	01-05-2026	हरिनछपरा एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		बीजाझोरी	01-05-2026	बीजाझोरी एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		राम्हेपुर	02-05-2026	राम्हेपुर एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		सारंगपुर	04-05-2026	सारंगपुर एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		सूरजपुरा	05-05-2026	सूरजपुरा एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		पोड़ी पम्प	13-05-2026	पोड़ी पंप एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		हरिनछपरा पंप	14-05-2026	पंप फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		सुखाताल	15-05-2026	सुखाताल एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
		लेजाखार	16-05-2026	लेजाखार एवं फीडर से संबंधित समस्त ग्राम

नोटः- समय आवश्यकतानुसार बढ़ाई एवं घटाई जा सकती है।
"स्वहित एवं राष्ट्हीत में ऊर्जा बचाये" "विद्युत चोरी कानूनन अपराध है।"
असुविधा से बचने हेतु बिजली बिल का भुगतान अवश्य करें।

(के. के. झा-कार्यपालन अभियंता, संचा. संधा. संभाग पंडरिया)

मांगलिक कार्यों में पुरुषोत्तम मास के चलते 30 दिनों का विराम, अब जून-जुलाई में शादी

■ जून और जुलाई में 15 दिन ही सजेंगे लग्न मंडप

रायपुर/नवप्रदेश। सनातन धर्मानुरागी सभी तरह के मांगलिक आयोजन को शुभ मुहूर्त में ही करते हैं। इसके चलते हिंदू विधि-विधान से परंपराओं का निर्वहन करते हैं। यही वजह है कि चाहे गृह प्रवेश करना हो या फिर बेटे-बेटियों की शादी, इसकी तिथि मुहूर्त मिलने पर ही तय की जाती है। अभी जहां वैवाहिक समारोह का सिलसिला चल रहा और आमंत्रण पत्र मिलने पर लोग व्यावहारिक पक्ष से जुड़ रहे हैं। वहीं 10 मई के बाद एक बार फिर महीनेभर के लिए शादी, सगाई, मुंडन, जनेऊ संस्कार करने वालों को अपनी प्लानिंग टालनी होगी। इस संदर्भ में पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि 17 मई से 15 जून तक अधिक मास यानी पुरुषोत्तम मास प्रभावी रहने वाला है। इस बीच में सभी तरह के शुभकार्यों पर विराम लगेगा। इसे देखते हुए 26, 29, 30 अप्रैल और 5, 6, 7, 8, 10 मई में मिलने वाले बचे हुए मुहूर्त में लोग विवाह उत्सव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पुरुषोत्तम मास में करें भगवान विष्णु की पूजा: पं. शुक्ला ने बताया कि 17 मई से 15 जून तक अधिक मास के रूप में ज्येष्ठ माह प्रभावी रहेगा। पुरुषोत्तम मास में भगवान विष्णु की आराधना, दान, धर्म पालन और सात्विक जीवन का विशेष महत्व है। इस महीने में सूर्योदय से पहले स्नान, श्रीमद्भागवत कथा श्रवण, दीपदान और ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करना चाहिए। इस दौरान व्रत करना, तुलसी पूजा और निस्वार्थ भाव से सेवा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि भीषण गर्मी के बाद भी धर्मानुरागी कथाओं के साथ धार्मिक अनुष्ठान को ही प्राथमिकता देते हैं।

15 दिन फिर मिलेगा शुभ मुहूर्त: बरसात की दस्तक के साथ ही 19, 22, 23, 24, 26, 27, 28 और 29 जून को लोग

शादी, सगाई और गृह प्रवेश कर सकेंगे। इसके बाद 1, 3, 4, 6, 7, 8, 9 जुलाई को भी लोगों धार्मिक विधि-विधान से मांगलिक उत्सव के लिए तिथियां मिलने वाली हैं। इसके बाद 16 जुलाई से गुरु अस्त होंगे, यह समयकाल 10 अगस्त तक प्रभावी होगा। इसके बाद 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी, चौमासा आरंभहोगा। वहीं 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह से फिर लग्न मंडप सजाने का अवसर मिलेगा। इसके बाद 21, 24, 25 और 26 नवंबर के साथ ही 2, 3, 4, 5, 11, 12 दिसंबर 2026 तक मांगलिक कार्य होंगे।

बारात को रॉयल लुक देने ओपन रूफ, कन्वर्टिबल, विंटेज कारों की मांग

रायपुर/नवप्रदेश। शादी-ब्याह के सीजन में इस बार भी बारात के अंदाज में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां पहले दूल्हे पारंपरिक घोड़ी पर सवार होकर बारात लेकर निकलते थे, अब उनकी जगह ओपन रूफ कन्वर्टिबल और रॉयल लुक वाली विंटेज कारों ने ले ली है। आधुनिक दौर में शादी को खास और यादगार बनाने की चाहत ने इस ट्रेंड को तेजी से बढ़ावा दिया है।

खासकर युवा दूल्हे अब शाही अंदाज में एंट्री करना पसंद कर रहे हैं, हैं, जिससे जिससे उनकी बारात मेहमानों के बीच आकर्षण का केंद्र बन रही है। वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े मंयक तिवारी का कहना है कि इस ट्रेंड को बढ़ाने में सोशल मीडिया का बड़ा योगदान है। आजकल प्री-वेडिंग शूट, सिनेमैटिक वीडियोग्राफी और रील्स का चलन बढ़ गया है। है। ऐसे में ओपन रूफऔर कन्वर्टिबल कारें फोटो, वीडियो में रॉयल फील देती हैं। यही कारण है कि दूल्हे अब स्टाइलिश और क्लासिक एंट्री के लिए विंटेज कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

ट्रेंड ने बारात के पारंपरिक अंदाज को बदला: अगर बारात शहर से बहर या रिसॉर्ट वेडिंग में जानी हो तो किराया अलग से तय किया जाता है। दूरी, समय और लोकेशन के आधार पर अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है। ड्राइवर चार्ज, फ्यूल, नाइट स्टे और टाइम एक्सटेंशन जैसी सुविधाएं भी इसमें शामिल होती है।

डेस्टिनेशन वेडिंग में भी बढ़ी मांग

शादी सीजन में विंटेज कारें सिर्फशहर तक सीमित नहीं है, बल्कि डेस्टिनेशन वेडिंग और आउटडोर रिसेप्शन में भी पहली पसंद बन रही हैं। शाही एंट्री के इस ट्रेंड ने बारात के पारंपरिक अंदाज को पूरी तरह बदल दिया है।

विंटेज कारों का किराया 35 हजार तक: विंटेज कारों को फूलों, एलईडी लाइट्स, रिबन और थीम डेकोरेशन से सजाया जाता है, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक हो जाता है। कई परिवार दूल्हा-दुल्हन की तोंड एंट्री, जयमाला स्टेज और फोटोशूट के लिए अलग से पैकेज भी बुक कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राज्यभर में होंगे विशेष कार्यक्रम, राज्यपाल ने दिए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन ने कहा कि रेडक्रॉस के मानव सेवा कार्यो का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचाने के लिए सदस्यता अभियान को गति देना आवश्यक है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों एवं विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाए। श्री डेका ने 8 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राज्य एवं जिला शाखाओं में वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री टोमन साहू ने मुलाकात की। इस दौरान रेडक्रॉस सोसायटी की गतिविधियों, सदस्यता अभियान तथा आगामी विश्व रेडक्रॉस दिवस के आयोजन के संबंध में राज्यपाल द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। श्री डेका ने 8 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर दान संग्रहण कार्यक्रम चलाएं।

कोचली जलाशय योजना के लिए 19.39 करोड़ रुपए स्वीकृति

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बलरामपुर जिले के विकासखण्ड-बलरामपुर की कोचली जलाशय योजना के कार्यों के लिए 19 करोड़ 39 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृत प्रदान किये गये हैं। योजना के प्रस्तावित कार्यों के उपरांत 350 हेक्टेयर में खरीफएवं 150 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सहित कुल 500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के कार्यों को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से बदलेगा लखनपुर नगर पंचायत का स्वरूप

रायपुर/नवप्रदेश। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि लखनपुर का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इन परियोजनाओं के माध्यम से नगर की

आधारभूत संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कार्यों के पूर्ण होने से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्राप्त होगी। नगर पंचायत लखनपुर में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज 283 लाख रूपए की लागत से पूर्ण होने वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का विधिवत भूमिपूजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण से छत्तीसगढ़ के लखनपुर नगर पंचायत का स्वरूप तेजी से बदलने की उम्मीद है।

पाण्डुका थाना क्षेत्र के नहर में बहते मिले 17 संदिग्ध पैकेट, पुलिस कर रही जांच

राजिम/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के पाण्डुका क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब नहर में एक के बाद एक बहते हुए 17 संदिग्ध पैकेट नजर आए। प्रारंभिक आशंका है कि इन पैकेटों में गांजा भरा हुआ है। सूचना मिलते ही पाण्डुका पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मोहतरा से अतरमरा के बीच स्थानीय लोगों ने नहर में बहते हुए कई पैकेट देखे, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर

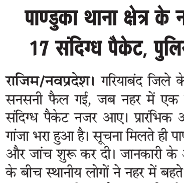

पैकेटों को कब्जे में लिया और जांच प्रारंभ की। यह नहर नेशनल हाईवे-130 से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, कुल 17 पैकेटों में लगभग 68 किलो से अधिक गांजा हो सकता है, जिसकी बाजार कीमत करीब 7 लाख रुपए आंकी जा रही है। पुलिस को आशंका है कि गांजा तस्करों ने पुलिस की बढ़ती मुस्तैदी और धरपकड़ अभियान को देखते हुए बचने के लिए यह खेप नहर में फेंक दी होगी। तस्करों में डर का माहौल-क्षेत्र में लगातार चल रही नशे के खिलाफकार्रवाई के चलते तस्करों में डर का माहौल बना हुआ है। इसी कारण तस्करों द्वारा सबूत मिटाने के उद्देश्य से गांजा के पैकेट नहर में बहा देने की संभावना जताई जा रही है।पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि पैकेट किसने और कब नहर में फेंके। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी हुई है।

फूड पार्क में कंपनियों की रूचि नहीं: सिर्फ 14 इकाइयां लगीं, 9 में राइस मिल और दूसरे उद्योगों को भी जमीन

■ छत्तीसगढ़ में फूड पार्क योजना का बुरा हाल

■ 18 में से 14 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित लेकिन काम शुरू नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के हर ब्लॉक में फूड पार्क स्थापित करने की योजना का बुरा हाल है। पूर्व सरकार ने इसके लिए राज्य के 22 जिलों के 53 ब्लॉकों में उद्योग विभाग के माध्यम से 1500 एकड़ जमीन अधिग्रहित की थी, इनमें से 18 स्थानों पर फूड पार्क स्थापना के लिए 132 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी।

फूड पार्कों में प्रसंस्करण इकाइयों की कमी

18 में से 14 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित हो गए हैं और यहां फल-सब्जी प्रसंस्करण इकाइयों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है, लेकिन ज्यादातर स्थानों पर फूड पार्क का काम शुरू ही नहीं हो पाया है। फूड पार्क के लिए पर्याप्त संख्या में प्रसंस्करण इकाइयों के नहीं आने से उद्योग विभाग और सीएसआईडीसी ने 9 फूड पार्क में राइस मिल, दाल मिल जैसे दूसरे उद्योग स्थापित करने का निर्णय लिया है। संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने इसके लिए अनुमति भी दे दी है। 5 ब्लॉकों में प्रस्तावित फूडपार्क में दूसरे उद्योगों के लिए जमीनों का आबंटन भी शुरू हो गया है।

14 ब्लॉकों में उत्पादन शुरू

उद्योग विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 14 फूड पार्क स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सुकमा में -3, बस्तर में 1, सरगुजा-जशपुर में 2-2, कांकेर, राजनांदगांव, कोरिया, रायपुर, गरियाबंद, सूरजपुर, मुंगेली, धमतरी आदि जिलों में 1-1 फूडपार्क शामिल हैं। 14 ब्लॉकों में फूडपार्क से उत्पादन भी - शुरू हो गया है। हालांकि सुकमा और दूसरे जिलों में स्थापित फूड पार्क छोटे हैं और उनमें उत्पादक इकाइयों की संख्या भी कम है।

किसानों को नहीं मिलते उत्पादों के उचित दाम

छत्तीसगढ़ में टमाटर, मिर्च, सब्जियों और फलों के उत्पादक किसानों को उनके उत्पाद के उचित दाम नहीं मिलने की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। हर साल किसानों को दाम नहीं मिलने के कारण अपने उत्पाद नष्ट तक करने पड़ते हैं। इसके कारण कई बार उन्हें घाटा उठाना पड़ता है। किसानों की इस समस्या को देखते हुए ही पूर्व सरकार ने राज्य के हर ब्लॉक में फूडपार्क स्थापित करने का निर्णय लिया था। इसके लिए उद्योग विभाग के माध्यम से बड़ी कार्ययोजना भी तैयार की गई। 53 ब्लॉकों में इसके लिए जमीन भी खरीद ली और एक तिहाई स्थानों पर पार्क स्थापित करने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति भी दे दी गई।

9 फूडपार्क में दूसरे उद्योगों को जमीन की अनुमति

9 फूडपार्क में पर्याप्त संख्या में फल-सब्जी प्रसंस्करण इकाइयों के नहीं आने के कारण वहां दूसरे छोटे उद्योग स्थापित करने की अनुमति देने का निर्णय उद्योग विभाग ने लिया है। इन फूडपार्कों के पास करीब 248 एकड़ जमीन है। संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने इसके लिए अनुमति भी जारी कर दी है। धमतरी जिले के बागोद, सरगुजा के रिखी, रायपुर के खपरीखुर्द और मुंगेली के बिरबिरा में फ्लोर मिल, राइसबान, आइल साल्वेंट प्लांट, फोर्टिफाइड राइस मिल, दालमिल और दूसरी इकाइयां स्थापित करने के लिए जमीन आबंटित भी कर दी गई है। पांच अन्य फूड पार्क में भी जमीन आबंटन की प्रक्रिया जारी है।

शहरों में बनेंगे 13 हजार पीएम आवास

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में पीए आवास योजना शहरी 2.0 एएचपी घटक के लिए 13 हजार 361 मकानों की मंजूरी मिली है। यह निर्णय भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित केन्द्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की 6वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुक्रम में लिया गया है।

रायपुर, बीरगांव, बिलासपुर, भिलाई, रिसाली और धमतरी नगर निगम क्षेत्र में मकान बनाए जाएंगे। ये मकान कमजोर आय वर्ग के लोगों के लिए और स्लम के पुनर्वास के लिए बनाए जाएंगे। इसके लिए संबंधित निकायों को राशि जारी कर दी गई है। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के 'भागीदारी में किफायती आवास घटक के तहत विभिन्न परियोजनाओं को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस आवंटन के तहत राजधानी रायपुर के नगर निगम को सबसे अधिक आवास का आव्टन किया गया है।

रायपुर-निगम की विशेष सामान्य सभा काले कपड़ों में पहुंचे महापौर व पार्षद

■ कांग्रेस शर्म करो के नारे लगाए, महिला विरोधी का आरोप भी लगाया

रायपुर। रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में पक्ष और विपक्ष के पार्षदों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्ष ने शहर में बढ़ते जल संकट के मुद्दे पर चर्चा की मांग उठाई। हालांकि सभापति ने स्पष्ट किया कि इस विषय पर दोनों पक्षों की सहमति नहीं बन पाने के कारण चर्चा नहीं कराई जाएगी। यह विशेष बैठक महिला सशक्तिकरण से जुड़े जनजागरूकता अभियान को लेकर बुलाई गई है, लेकिन बैठक शुरू होने से पहले ही राजनीतिक माहौल गरमा गया। सभा से पहले भाजपा पार्षदों ने कांग्रेस शर्म करो के नारे लगाए और कांग्रेस पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया। वहीं विरोध दर्ज कराने के लिए महापौर और भाजपा पार्षद काले कपड़े पहनकर बैठक में पहुंचे। सभा में पक्ष और विपक्ष के सभी पार्षद

मौजूद हैं। संभावित हंगामे को देखते हुए नगर निगम परिसर में सुरक्षा बल भी तैनात किए गए हैं। फिलहाल, हंगामे के बीच बैठक की कार्यवाही जारी है।

पिछली बैठक में 14 एजेंडों पर चर्चा–नगर निगम की पिछली सामान्य सभा 9 अप्रैल को आयोजित हुई थी, जिसमें 14 एजेंडों पर चर्चा की गई। सिटी कोतवाली चौक का नाम जैन स्तंभ रखने के प्रस्ताव पर जमकर बहस हुई, लेकिन विपक्ष के विरोध के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। बाकी एजेंडे बहुमत से पारित किए गए, जबकि किरण बिल्डिंग परिसर में दुकानों के व्यवस्थापन से जुड़े मुद्दे पर शासन से मार्गदर्शन लेने का निर्णय लिया गया।

ठगों ने 13 किश्तों में पैसे ट्रांसफर कराए, व्हाट्सएप के जरिए किया कांटेक्ट

रायपुर में डॉक्टर से साइबर ठगों ने ठगे 1.50 लाख रुपए

रायपुर। राजधानी रायपुर में ठगों ने महिला डॉक्टर को ट्रेडिंग स्कीम में मुनाफे का झांसा देकर 1.51 लाख रुपए ठग लिए, जब पैसे रिटर्न मिले तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पीड़िता ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता डॉ. पूजा किशोर ने पुलिस को बताया कि वह बालगोपाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल में डॉक्टर हैं और अस्पताल के हॉस्टल में रहती हैं। 24 अप्रैल 2026 को उनके व्हाट्सऐप पर दो अलग-अलग नंबरों से मैसेज आया। मैसेज करने वालों ने खुद को निवेश योजना से जुड़ा बताया और ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच दिया।

ठगों ने यूपीआई के जरिए ट्रांसफर कराए पैसे

ठगों ने डॉक्टर को विश्वास में लेकर अलग-अलग किश्तों में यूपीआई के जरिए पैसे ट्रांसफर कराए। डॉक्टर ने कुल 13 ट्रांजेक्शन में रकम भेजी। इनमें 22,178 रुपए, 22,177 रुपए, 5,000 रुपए, 22,937 रुपये, 15,999 रुपये, 22,937 रुपये, 10,212 रुपये और 29,999 रुपये सहित कुल 1,51,439 रुपए ट्रांसफर किए गए। डॉ. पूजा ने बताया कि उनके बैंक खाते की ट्रांजेक्शन लिमिट 1 लाख रुपए थी। इसलिए ठगों के कहने पर उन्होंने अपने दोस्तों लोकेश बांडेबुच्चे और निरंजन सावंत के खातों से भी पैसे ट्रांसफर कराए। यह रकम कोटक महिंद्रा बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अलग-अलग खातों में भेजी गई।

पैसे रिटर्न नहीं होने पर मिलने पर ठगी का एहसास

जब ठगों ने और पैसे मांगने शुरू किए और कोई रिटर्न नहीं मिला, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने सिटी कोतवाली थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस 2023 की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस संबंधित मोबाइल नंबर, बैंक खाते और यूपीआई आईडी की पड़ताल कर रही है। इसके साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया या व्हाट्सऐप पर आने वाली किसी भी निवेश योजना पर बिना जांच-परख के भरोसा न करें।

सरकार की पहल: अब सर्विस सेक्टर को भी मिलेगी हजार मीटर से 25 हेक्टेयर तक जमीन

औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम में बड़ा बदलाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब सर्विस सेक्टर से संबंधित इकाइयों को भी राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में जमीन मिल सकेगी। सबसे छोटे याची सूक्ष्म उद्योगों को एक हजार मीटर और वृहद उद्योगों के लिए 25 हेक्टेयर तक जमीन देने का रास्ता सरकार ने खोल दिया है।

औद्योगिक क्षेत्रों में सेवा क्षेत्र की इकाइयों को मिलेगा स्थान

यह व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में व्यापक संशोधन किया है। संशोधित नियमों के तहत सेवा क्षेत्र की वैसी इकाइयां, जिनकी स्थापना भूमि उपयोग नियमों के अनुरूप स्वीकृत है, अब औद्योगिक क्षेत्रों में स्थान पा सकेंगी। इसके लिए प्रीमियम की दरें लघु विनिर्माण उद्योग के लिए निर्धारित दरों की न्यूनतम, चार गुना या नीलामी दर (जो भी अधिक हो) के आधार पर तय की गई है।

एप्रोच रोड की समस्या का समाधान

उद्योगों के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण, प्रावधान जोड़ा है। यदि आवंटित भू-खण्ड या निजी औद्योगिक भूमि का सार्वजनिक मार्ग से सीधा संपर्क नहीं तो आवंटन प्राधिकारी एप्रोच रोड के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि को पृथक पट्टे पर आवंटित कर सकेंगे।

किन इकाइयों को कितनी जमीन

संशोधन में उद्यमों की श्रेणी के आधार पर अधिकतम भूमि आवंटन की सीमा भी स्पष्ट की गई है। सूक्ष्म उद्यमः 1,000 वर्गमीटर तक । लघु उद्यमः अधिकतम 1 हेक्टेयर तक। मध्यम उद्यम- अधिकतम 5 हेक्टेयर तक । वृहद उद्यम- अधिकतम 25 हेक्टेयर तक । 100 करोड़ से अधिक निवेश वाले उद्यम- 25 हेक्टेयर से अधिक भूमि की पात्रता रख सकेंगे। नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित अवधि में भूमि का पूर्ण उपयोग नहीं होता है, तो 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम देकर 6 माह का समय लिया जा सकता है, अन्यथा अतिशेष भूमि का समर्पण करना होगा।

हस्तांतरण और संगठन परिवर्तन पर राहत

व्यापारियों को राहत देते हुए संगठन के स्वरूप में परिवर्तन (जैसे एकल स्वामित्व से कंपनी बनाना) को अब 'हस्तांतरण' की श्रेणी में नहीं माना जाएगा, बशर्ते मूल आवंटियों का हिस्सा 51 प्रतिशत या उससे अधिक बना रहे। इसके अलावा, बीमार या बंद इकाइयों के लिए सरफेसी एक्ट या एनसीएलटी के माध्यम से होने वाली नीलामी में नवीन आवंटियों को केवल 10 प्रतिशत हस्तांतरण शुल्क देना होगा।

पीपीपी परियोजनाओं के लिए नए अधिकार : राज्य सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के संचालक मंडल को विशेष अधिकार दिए हैं।

इन इकाइयों के लिए खुला जमीन का रास्ता

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में 'सेवा क्षेत्र' को विशेष प्राथमिकता दी गई है। ताजा संशोधनों के बाद, अब इन क्षेत्रों से जुड़ी इकाइयों को औद्योगिक पाकों में भूमि आवंटन और अन्य रियायतों का लाभ मिल सकेगा। सर्विस सेक्टर में आने वाली इकाईयां इस प्रकार हैं। आईटी और सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और आईटी परामर्श सेवाएं। बीपीओ, केपीओ और डेटा सेंटर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स आधारित सेवाएं। लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस.. पर्यटन और आतिथ्य होटल, रिसॉर्ट और कन्वेंशन सेंटर। एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक विरासत केंद्र। मनोरंजन पार्क और इको-टूरिज्म परियोजनाएं। अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर और विशेष चिकित्सा केंद्र। स्किल डेवलपमेंट सेंटर (कौशल विकास *केंद्र) और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान। तकनीकी और अनुसंधान सेवाएं, इंजीनियरिंग सेवाएं- मशीनरी मरम्मत, रखरखाव और तकनीकी परामर्श। डिजिटल पेमेंट सेवाएं-वित्तीय तकनीक से जुड़े केंद्र। कृषि उपकरणों का किराया और मृदा परीक्षण केंद्र।

पूर्व डीआईजी और उनसे जुड़े संगठनों के खिलाफ छापेमारी

नई दिल्ली/ए.। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को पंजाब में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान राज्य पुलिस के पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और उनसे जुड़े संगठनों के खिलाफ धन शोधन की जांच के तहत चलाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चंडीगढ़, लुधियाना, पटियाला, नाभा और जालंधर में आरोपी, उसके सहयोगियों और संदिग्ध बेनामीदारों से जुड़े लगभग 11 परिसरों को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत जांच में शामिल किया जा रहा है।

मुंबई में तरबूज खाने के बाद परिवार के चार लोगों की मौत

मुंबई(वार्ता)। दक्षिण मुंबई में एक दंपति और उनकी दो नाबालिग बेटियों की अपने घर में एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान तरबूज खाने के बाद कथित तौर पर खाद्य विषाक्तता के कारण मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अब्दुल्ला , उनकी पत्नी नसरीन और बेटियां जैनब और आएशा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल को जेजे मार्ग स्थित अपने घर पर परिवार ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसके कुछ ही देर बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। अधिकारी ने बताया कि परिवार ने पांच मेहमानों के साथ मिलकर चिकन पुलाव खाया। मेहमानों के जाने के बाद परिवार ने तरबूज खाया और थोड़ी देर में ही सभी को उल्टियां होने लगीं और चक्कर आने लगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- ना मैं बलात्कारी, ना बच्चों का शोषण करने वाला

यौन हिंसा व दुर्व्यवहार के दावों को ट्रंप ने किया खारिज

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में सुरक्षा में सेंध लगने की घटना के बाद, CBS के '60 मिनट्स' के साथ एक इंटरव्यू में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संदिग्ध कोल थॉमस एलन द्वारा लिखे गए एक घोषणापत्र में लगाए गए आरोपों पर बात की और यौन हिंसा व दुर्व्यवहार के दावों को सिरे से खारिज कर दिया।

वाशिंगटन/ए.। अमेरिका में White House Correspondents Dinner के दौरान हुई गोलीबारी अब सिर्फएक सुरक्षा घटना नहीं रही, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक विवाद बन चुकी है। एक तरफ हमलावर का कथित 'manifesto' है, तो दूसरी तरफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का तीखा जवाब, 'ना मैं बलात्कारी हूं, ना पेडोफाइल।' आखिर सच क्या है?

25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित हाई-प्रोफाइल डिनर इवेंट के दौरान एक शख्स ने सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश की और फायरिंग कर दी। आरोपी की पहचान कोल टोमस एलन के रूप में हुई। वह हथियारों से लैस था और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया था। उस दौरान एक सीक्रेट सर्विस एजेंट घायल हो गया, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट ने उसकी जान बचा ली। गोलीबारी की इस घटना से पहले संदिग्ध ने एक कट्टरपंथी घोषणापत्र लिखा था। इंटरव्यू के दौरान, होस्ट नोरा ओ'डॉनेल ने उस दस्तावेज का एक अंश पढ़कर सुनाया, जिसमें संदिग्ध ने लिखा था: 'मैं अब किसी बाल-यौन अपराधी, बलात्कारी और गद्दार को अपने अपराधों से अपने हाथ रंगने की अनुमति देने को तैयार नहीं हूं।' इस पर ट्रंप की प्रतिक्रिया तत्काल और बेहद गुस्से से भरी थी। ट्रंप ने ओ'डॉनेल से कहा, 'खैर, मैं तो इंतजार ही कर रहा था कि तुम इसे पढ़ो, क्योंकि मुझे पता था कि तुम ऐसा करोगे।' ट्रंप ने हमलावर की बातों को उजागर करने के लिए प्रेस को निशाने पर लिया। वहीं, उन्होंने जवाब देते हुए कहा, 'हां, उसने यह लिखा था। मैं कोई बलात्कारी नहीं हूं। मैंने किसी का बलात्कार नहीं किया।' जब ओ'डॉनेल ने आगे पूछा कि क्या उन्हें (ट्रंप) लगता है कि शूटर खास तौर पर उन्हीं के बारे में बात कर रहा था, तो ट्रंप ने कहा: 'मैं कोई पेडोफाइल नहीं हूं। माफ कीजिए। माफ कीजिए। मैं कोई पेडोफाइल नहीं हूं। क्या आपने वह बकवास किसी बीमार आदमी से पढ़ी है? मेरा नाम उन सब चीजों से जोड़ा गया जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं था। मुझे पूरी तरह से बेदाग साबित किया गया था।' इंटरव्यू में पहले, प्रेसिडेंट ट्रंप ने गोलीबारी के दौरान मची अफरा-तफरी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शुरू में उन्होंने सीक्रेट सर्विस की उन्हें वहां से निकालने की कोशिशों का विरोध किया, क्योंकि वह 'देखना चाहते थे कि आखिर हो क्या रहा है।'

ट्रंप ने उन एजेंट्स के बारे में कहा, जिन्होंने उन्हें चारों ओर से घेर लिया था, 'मैं उनके लिए इसे इतना आसान नहीं बना रहा था।' उन्होंने कहा, 'मैं देखना चाहता था कि क्या हो रहा है... मैंने उनसे एक मिनट रुकने के लिए कहा।'

ईरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को भेजा होर्मुज खोलने का नया प्रस्ताव

तेहरान/ए.। ईरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को होर्मुज पर एक समझौता भेजा है। साथ ही परमाणु वार्ता में देरी हो सकती है।৺×द्धश्ह्य के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी और मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि ईरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए अमेरिका को एक नया प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने पर समझौता करने की बात कही गई है, जबकि परमाणु वार्ता को बाद के चरण के लिए टाल दिया गया है। ईरान अब अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने को बिल्कुल भी तैयार नहीं है। बातचीत में सिर्फयुद्ध खत्म करने, प्रतिबंधों में राहत, मुआवजा और नाकेबंदी हटाने जैसे मुद्दों पर ही चर्चा होगी। परमाणु मुद्दों पर 'बाद में किसी अलग समझौते में बात की जा सकती है,' और वह भी तभी, जब युद्ध खत्म हो जाए। इस्लामाबाद में हुई बातचीत के पहले दौर में परमाणु मुद्दा ही मुख्य मुद्दा था, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि 'यही एकमात्र ऐसा मुद्दा था जो सचमुच मायने रखता था।' अब ईरान ने इस मुद्दे को बातचीत से पूरी तरह हटा दिया है।

ट्रंप-ईरान आमने-सामने

ट्रंप का कहना है कि परमाणु समझौते के बिना युद्ध खत्म नहीं होगा। वहीं, ईरान का कहना है कि जब तक युद्ध खत्म नहीं हो जाता, तब तक परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं होगी। इस बीच अमेरिका के साथ वार्ता के दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता के बीच तीन दिन में दूसरी बार पाकिस्तान पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की।

भारत और न्यूजीलैंड ने किए FTA पर हस्ताक्षर, 20 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के मकसद से मुक्त व्यापार समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यह एफ्टीए भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है। इसमें सभी टैरिफ लाइन यानी उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं। इससे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और प्रसंस्कृत खाद्य जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इससे पहले न्यूजीलैंड सिरेमिक, कालीन, मोटर वाहन व उसके कलपुर्जों जैसे भारतीय उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक का शुल्क लगाता था। अब बिना किसी शुल्क के बाजार पहुंच मिलने से भारतीय उत्पाद वहां अन्य देशों की वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। समझौते के तहत भारत को अपने विनिर्माण क्षेत्र के लिए लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला और धातुओं के कबाड़ जैसे कच्चे माल भी शुल्क-मुक्त मिलेंगे जिससे उत्पादन लागत घटेगी एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी।

दूसरी ओर, भारत ने 70.03 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों (जिसकी मूल्य के हिसाब से द्विपक्षीय व्यापार में 95 प्रतिशत हिस्सेदारी है) पर शुल्क में रियायत देने की पेशकश की है जबकि 29.97 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों को संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बाहर रखा गया है। इन संवेदनशील उत्पादों में मुख्य रूप से दुग्ध (दूध, क्रीम, पनीर आदि), अन्य पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), कृषि उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, वसा एवं तेल, हथियार एवं गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और एल्युमिनियम से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।भारत लकड़ी, ऊन, भेड़ का मांस और कच्चा चमड़ा जैसे उत्पादों सहित न्यूजीलैंड की करीब 30 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों पर शुल्क समाप्त करेगा।

वहीं 35.60 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों पर तीन, पांच, सात और 10 वर्ष में चरणबद्ध तरीके से शुल्क समाप्त किया जाएगा।

'टूट चुकी न्याय की उम्मीद, अब सत्याग्रह के रास्ते पर चलूंगा'

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को एक पत्र लिखकर न्यायपालिका और राजनीति के गलियारों में हलचल मचा दी है। केजरीवाल ने साफ कर दिया है कि वह जस्टिस स्वर्णकांता की अदालत में न तो खुद पेश होंगे और न ही किसी वकील के जरिए अपनी बात रखेंगे। अरविंद केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में न्यायपालिका के प्रति अपनी निराशा व्यक्त करते हुए लिखा कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। केजरीवाल ने इसे अपनी 'अंतरात्मा की आवाज' बताते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। पत्र में केजरीवाल ने लिखा है कि अदालत की कार्यवाही से दूरी बनाने का उनका उद्देश्य महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' के मार्ग का अनुसरण करना है। उन्होंने साफ किया कि वह इस अदालती प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पैरवी नहीं करवाएंगे, बल्कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध का रास्ता अपनाएंगे। हालांकि केजरीवाल ने हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता की अदालत की कार्यवाही में शामिल होने से इनकार किया है, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जस्टिस स्वर्णकांता द्वारा दिए गए किसी भी फैसले के खिलाफ उनके पास सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार सुरक्षित है।

मॉस्को में पुतिन से मिले ईरानी विदेश मंत्री अराघची

दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 3 दिन में युद्धविराम पर सहमत होने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर तेल निर्यात न हुआ तो उसकी पाइपलाइन सिस्टम फेल होकर 'फट सकती हैं'। इस बीच ईरान कूटनीतिक कोशिशों में जुटा है, लेकिन सीधी बातचीत अब भी नहीं हो रही।

पश्चिम एशिया में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है और अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सीधी चेतावनी दे दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर तीन दिनों के भीतर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनी, तो ईरान के तेल पाइपलाइन सिस्टम 'अंदर से फट सकते हैं'। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिकी नाकेबंदी के कारण ईरान के पास तेल निर्यात के विकल्प खत्म हो रहे हैं। 'अगर तेल को जहाजों या कंटेनरों में नहीं भेज पाए, तो पाइपलाइन अंदर से फट जाती है। गौरतलब है कि अमेरिका लगातार ईरान पर समुद्री और आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची कूटनीतिक दौरे पर सक्रिय हैं। ओमान की यात्रा के बाद अराघटी दोबारा इस्लामाबाद लौटे और अब रूस पहुंच चुके हैं। अराघची ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक लिखित संदेश भी पहुंचाए हैं, जिनमें परमाणु मुद्दे और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम विषय शामिल हैं।

अराघची ने की पुतिन से चर्चा : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बैठक में रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया। रूसी मीडिया के अनुसार पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का संदेश मिला है।

अराघची की यात्रा ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ईरान रूस का समर्थन मजबूत करने में जुटा है। इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठक करेंगे। इसमें ईरान के साथ जारी तनाव, रुकी बातचीत और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

अजय देवगन ने दी 'गोलमाल 5' की शूटिंग से जुड़ी अपडेट

मुंबई(वार्ता)। लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'गोलमाल' की पांचवीं फिल्म 'गोलमाल 5' फ्लोर पर लौट चुकी है। फिल्म की शूटिंग चल रही है। अब अजय देवगन ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी नई अपडेट साझा की है। इसके साथ ही अजय देवगन ने फिल्म की कास्ट की एक झलक भी दिखाई है, जिसमें फिल्म के प्रमुख किरदार नजर आ रहे हैं।

अजय देवगन ने 'गोलमाल 5' के ऊटी शेड्यूल को लेकर जानकारी साझा की है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने फिल्म की कास्ट की भी झलक दिखलाई है। अजय ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'इस बार सवारी बड़ी है और एंटरटेनमेंट उससे भी ज्यादा बड़ा होगा। गोलमाल 5 का ऊटी शेड्यूल लड़कों के साथ।'

अजय की पोस्ट से साफ है कि फिल्म का ऊटी का शेड्यूल शुरू हो चुका है। अजय की इस पोस्ट में अजय के अलावा अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, शरमन जोशी और कुणाल खेमू नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जैसा अजय देवगन ने संकेत दिया कि इस बार गोलमाल की बाइक और भी बड़ी हो गई है। क्योंकि इस बार शरमन जोशी की फिल्म में पहले सीजन के बाद वापसी हुई है। 14 मार्च को रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर मेकर्स ने 'गोलमाल 5' की घोषणा की थी। इसके साथ ही फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आती है। इसके साथ ही मेकर्स ने स्पष्ट किया कि 'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि., संभाग कवर्धा,
थाना रोड कवर्धा जिला-रायपुर (छ.ग.)

ज्ञाप क्र./ व.ले.लि./2026-27 रायपुर दिनांक /04/2026

भाव पत्र

वित्तीय वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 में अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग मंडल क्रमांक-1 रायपुर के कार्यक्षेत्र अंतर्गत व्ही.आई.पी. आगमन एवं शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन हेतु किराया भंडार सामग्री के भाव पत्र (कोटेशन) रजिस्टर्ड / स्पीड पोस्ट के द्वारा बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। इच्छुक योग्य टेंट हाउस प्रतिष्ठान निम्नानुसार तिथि में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है, विवरण निम्नानुसार है

1. आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि - 07.05.2026
2. कोटेशन प्रस्तुत करने की तिथि - 14.05.2026
3. कोटेशन खोलने की तिथि - 15.05.2026

आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार दस्तावेज / प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करना आवश्यक होगा -

आवश्यक अर्हताएं -

(1) 30 लाख रूपये का एकल कार्य का कार्यानुभव होना चाहिए ।
(2) पिछले 5 वर्ष में किसी 1 वर्ष में 50 लाख का टर्नओव्हर होना चाहिए।
(3) निविदा में भाग लेने के लिए रू. 20,000/- का Vendor Empanelment Fees (जो वापसी योग्य नहीं होगी) राशि जमा करना पड़ेगा।
(4) निविदा में फर्म का गुमास्ता पंजीयन, आयकर चुकता प्रमाण पत्र या विगत 3 वर्षों का आयकर रिटर्न (फार्म 16), जी.एस.टी. की पंजीयन प्रमाण पत्र, ISO प्रमाण-पत्र तथा पैन कार्ड की स्व प्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा।
(5) उपलब्ध सामग्री की सूची invoice सहित प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
(6) निविदा संबंधी अन्य शर्तें विभागीय वेबसाईट छ.ग. शासन लो.नि.वि. की वेबसाईट https://pwd.cg.nic.in/ के नोटिस बोर्ड में उपलब्ध है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि. वि., संभाग कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

जी-262700385/5

// आम-सूचना //

मैं श्रीमती किलेश्वरी (Kileshwari) पति भरत लाल, जाति गोड़, उम्र 39 वर्ष, ग्राम सेमरकोना, तहसील/जिला बालोद (छ.ग.) का निवासी हूं। मेरे शैक्षणिक दस्तावेज (कक्षा दसवीं अंकसूची) में मेरा नाम किलेश्वरी (Kileshwari) पिता भरत लाल (Bharat Lal), आधार कार्ड (क्रमांक 738562876775) में किलेश्वरी पड़ोटी (Kileshwari Padoti) पति भरतलाल मंडावी (Bharatlal Mandavi) एवं पेन कार्ड (क्रमांक BBOPK5478C) में किलेश्वरी पड़ोटी (Kileshwari Padoti) पिता भरत लाल (Bharat Lal) अंकित है। अतः मैं इस आम-सूचना के द्वारा आम जनता/सर्वसाधारण को सूचित करती हूं कि अब मुझे **किलेश्वरी** (Kileshwari) पति **भरत लाल** के नाम से जाना, माना व पहचाना जाये और मेरे शैक्षणिक व अन्य दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों में मेरा नाम **किलेश्वरी** (Kileshwari) **पति भरत लाल** दर्ज /संशोधित किया जाये तथा मुझसे संबंधित केन्द्र/राज्य सरकार के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय अभिलेखों में संबोधित, संव्यवहारित एवं अभिलिखित किया जाये।

दिनांक - 27/04/2026

भवदीय किलेश्वरी
श्रीमती किलेश्वरी (Kileshwari)
पति भरत लाल
जाति गोड़, उम्र 39 वर्ष,
पता ग्राम सेमरकोना
तहसील/जिला बालोद (छ.ग.)
मो.नं. 7710927285

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

NIT NO. 07/PWD/Zone-1/2026 **RAIPUR DATED: 22.04.2026**

Online bids are invited for the following works of works upto **08.05.2026 at 17:30 hours**.

S. No	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable Amount of contract (In Rupees)	Invite
1	189490	बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 18 अंतर्गत तिलक नगर बालाजी मंदिर के पास सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	25,00,000.00	द्वितीय निविदा आमंत्रण

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in on **22.04.2026, 17.30 Hours.** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE-NO. - 1
MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR (C.G.)

रायपुर में आईपीएल का मैच 10 और 13 मई को, मई के पहले सप्ताह से मिलेंगे टिकट

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में 10 और 13 मई को होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह है। फैंस को अब बेसब्री से टिकटों का इंतजार है। जानकारी के अनुसार टिकटों की बिक्री मई के पहले सप्ताह से शुरू हो सकती है।

अभी तक आरसीबी ने 8 दिन पहले अपने होमग्राउंड के टिकट बेचे हैं, इसलिए रायपुर का टिकट 1 मई के बाद ही मिलेगा। वहीं, इन शानदार मुकाबलों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम 8 मई को रायपुर पहुंच सकती है। टीम यहां 6 दिनों तक डेरा डालेगी। मैदान पर अभ्यास भी करेगी। मुंबई इंडियंस की टीम के भी 8 मई के बाद राजधानी पहुंचने की संभावना है।

मैच के लिए स्टेडियम तैयार हो रहा है। यहां कुछ बदलाव भी किए गए हैं।

2000 से 8000 रुपए तक होंगे

टिकट के दाम

इस बार मैचों के लिए टिकटों की दरें लगभग तय कर ली गई हैं। आम दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरुआती टिकट की कीमत 2000 रुपए रखी गई है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्टेडियम में बैठकर मैच का लुत्फ उठा सकें। इसके अलावा अलग-अलग स्टैंड्स के लिए 2500, 3500, 5000 और 8000 रुपए तक की श्रेणियां हो सकती हैं। दर्शकों को टिकट आरसीबी की आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन खरीदना होगा। टिकट बुकिंग को लेकर 28 अप्रैल से 1 मई के बीच आधिकारिक अपडेट आने की पूरी संभावना है।

राजधानी की अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

आईपीएल जैसे मेगा इवेंट का असर केवल मैदान तक ही सीमित नहीं रहता। इन मैचों से राजधानी की अर्थव्यवस्था को भी बड़ी रफ्तार मिलेगी। बाहरी शहरों और राज्यों से आने वाले हजारों दर्शकों के कारण रायपुर के होटल, रेस्टोरेंट, ट्रांसपोर्ट और छोटे-बड़े व्यापारियों के व्यापार में भारी उछाल आएगा। दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्टेडियम में फ्रेंचाइजी द्वारा दो बड़े बदलाव किए गए हैं। दिल्ली और मुंबई के क्रिकेट स्टेडियमों की तर्ज पर रायपुर में भी प्लैटिनम सीटों के सामने लगे कांच के पैनल्स हटा दिए गए हैं। प्रबंधन ने लगभग 30 से अधिक कांच निकाल दिए हैं।

प्राइम टाइम में होंगे दोनों रोमांचक मुकाबले

रायपुर के क्रिकेट फैंस को इस बार दो बेहद हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। 10 मई को पहली भिड़ंत आईपीएल की दो सबसे चर्चित टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच होगी। इसके बाद 13 मई को आरसीबी का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। ये दोनों ही मैच शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे, जिससे दर्शकों को प्राइम टाइम में क्रिकेट का पूरा रोमांच देखने को मिलेगा।

ऑनलाइन टिकट बुकिंग में दिखेगा स्टैंड का नजारा

टिकट बिक्री को पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए इस बार एक नई व्यवस्था लागू की गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने होम ग्राउंड की तरह रायपुर में भी दर्शकों को टिकट बुक करते समय स्टैंड की फोटो देखने की सुविधा देगा। अब ऑनलाइन पोर्टल पर टिकट खरीदते समय दर्शकों को यह पता चल सकेगा कि उनकी सीट स्टेडियम के किस हिस्से में है और वहां से मैदान का नजारा कैसा दिखेगा। दर्शक कीमत के साथ-साथ सीट की लोकेशन जांचने के बाद ही टिकट बुक कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ में लू और वज्रपात की चेतावनी, भीषण गर्मी का दौर जारी

■ 45 डिग्री के करीब रहेगा आज का तापमान

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है और आने वाले दिनों में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान भी 28.3 डिग्री पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को तापमान 45 डिग्री के आसपास रहने और लू चलने की संभावना है। प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है। हालांकि बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। बावजूद इसके गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाले कई सिस्टम सक्रिय हैं।

वज्रपात की चेतावनी भी जारी की गई

तेज हवा (40-50 किमी/घंटा) और वज्रपात की चेतावनी भी जारी की गई है। मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले तीन दिनों तक लू जैसी स्थिति बनी रह सकती है। प्रदेश में सर्वाधिक तापमान राजनांदगांव में 44.5 और 44.4 डिग्री बिलासपुर में दर्ज किया गया। जबकि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री रहा। माना एयरपोर्ट में अधिकतम 43.8, दुर्ग में 43.9 और पेण्ड्रारोड में 42.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। जगदलपुर अपेक्षाकृत ठंडा रहा, जहां अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री दर्ज हुआ।

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने 2026-27 के लिए मदिरा दुकानों से जुड़े अहातों के ऑनलाइन आवंटन की गाइडलाइन जारी की

शराब दुकानों के बाहर फिर खुलेंगे अहाते

■ ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन, आवंटन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की देशी, विदेशी और कम्पोजिट मदिरा दुकानों से संलग्न अहातों के आवंटन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। शासन के आदेशानुसार, इन अहातों का प्रबंधन पहले आओ, पहले पाओ की नीति के तहत ऑनलाइन निविदा पद्धति से किया जाएगा।

जमा करने की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध

आबकारी आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इच्छुक निविदादाता 20 मई से 15 मार्च 2027 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट उपयोग किया जा सकता है। निविदा जमा करने की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। सफल पंजीकरण के बाद आवेदक को उनके मोबाइल नंबर और ईमेल पर वास्तविक पंजीकरण संख्या भेजी जाएगी, जो भविष्य में चयन प्रक्रिया के लिए अनिवार्य होगी।

इतनी लगेगी फीस

प्रत्येक अहाते के लिए 5हजार रुपये की नॉन-रिफंडेबल प्रोसेस फीस निर्धारित की गई है। अर्नेस्ट मनी निविदादाता को अपनी निविदा राशि का 5 प्रतिशत हिस्सा अर्नेस्ट मनी के रूप में ऑनलाइन जमा करना होगा। यह राशि चयन के बाद लाइसेंस फीस में समायोजित की जा सकेगी।

कलेक्टर को अधिकृत 'अनुज्ञापन प्राधिकारी' नियुक्त

आवंटित लाइसेंस 1 जून 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए वैध होंगे। कोई भी एकल निविदादाता (व्यक्ति, फर्म या कंपनी) किसी एक जिले में दो से अधिक अहातों के समूह का लाइसेंस प्राप्त नहीं कर सकता। लाइसेंस जारी करने के लिए जिले के कलेक्टर को अधिकृत 'अनुज्ञापन प्राधिकारी' नियुक्त किया गया है।

चयन और दस्तावेज सत्यापन

चयनित निविदादाता को सूचना मिलने के दो कार्य दिवस के भीतर अपने मूल दस्तावेजों (जैसे आयु प्रमाण, स्थायी निवास प्रमाण और पैन कार्ड) के साथ अनुज्ञापन प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होना होगा। यदि चयनित आवेदक समय पर वांछित धनराशि जमा करने में विफल रहता है, तो उसका 'चयन निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रित की जा सकेगी। किसी भी तकनीकी सहायता के लिए विभाग ने रायपुर कार्यालय में हेल्पलाइन नंबर 0771-2512609 भी जारी किया है, जहां कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

नहीं होना चाहिए आपराधिक मामला या आबकारी विभाग का बकाया

आवेदक का भारत का नागरिक होना और 21 वर्ष से अधिक आयु का होना अनिवार्य है। निविदादाता के पास स्थायी खाता संख्या (पैन) होना चाहिए। आवेदक का चरित्र निष्कलंक होना चाहिए और उसके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला या आबकारी विभाग का बकाया नहीं होना चाहिए। मदिरा के विनिर्माण, परिवहन या थोक विक्रय से जुड़े व्यक्ति इस निविदा में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे।

मिट्टी के डिजाइनर थर्मस, सुराही और मटके न्यू जनरेशन की बनी च्वॉइस

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी में देसी फ्रिज यानी मिट्टी के मटकों, सुराहियों और थर्मस की डिजाइनर बर्तनों की इन दिनों खूब डिमांड हो रही है। न्यू जनरेशन अपने लाइफ स्टाइल में नए पैटर्न के रूप में डिजाइनर बर्तनों को शामिल कर रहे हैं। गर्मी के मौसम में मिट्टी के बर्तन से पानी पीना सेहत के लिए लाभकारी होने के कारण इसकी डिमांड हर जनरेशन में कायम है।

फर्क बस इतना हुआ है कि अब मिट्टी के बर्तनों को नए जमाने के हिसाब से डिजाइन किया जाने लगा है। यही वजह है कि मिट्टी के डिजाइनर बर्तन हर वर्ग की पहली पसंद बन रही हैं। गृहणी, स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल सभी घर से लेकर ऑफिस-दफ्तर तक गर्मी में ठंडी व सेहतमंद पानी पीने के लिए मिट्टी के डिजाइनर बर्तनों में मटकों, सुराहियों और थर्मस कैरी कर रहे हैं। गर्मी के सीजन के दौरान बाजार में इन मिट्टी की डिजाइनर बर्तनों को लेकर जबरदस्त क्रेज सोसायटी में देखने को मिल रहा है। शहर के महादेवघाट, माना, रायपुरा, पुरानी बस्ती, कालीबाड़ी के कुम्हार बड़े पैमाने पर मिट्टी के डिजाइन बर्तन व घड़े बना रहे हैं। प्रदेश के शहर व ग्रामीण अंचल के अलावा पड़ोसी राज्यों में भी मिट्टी के इन डिजाइनर मटकों, सुराहियों और थर्मस की सप्लाई की जा रही है। कुम्हार परिवार के लोग समय की मांग के अनुसार अपने मिट्टी कला को नया स्वरूप में ढाल चुके हैं। वे नए जनरेशन की पसंद को ध्यान में रखकर मिट्टी के एक से बढ़कर एक डिजाइनर बर्तनें व होम डेकोरेशन की सामग्री भी तैयार कर रहे हैं। इस साल मिट्टी के मटके, सुराही, थर्मस, होम डेकोरेशन के सामान व पारंपरिक पूजा-पाठ के बर्तनों में भी नए डिजाइन दे रहे हैं। महादेवघाट निवासी सूरज कुंभकार ने बताया कि इस साल गर्मी का मौसम ठीकठाक चल रहा तो अच्छी आमदनी की आस है।

नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मानः गरियाबंद के 7 शिक्षकों समेत 160 को इनोवेटिव कार्यों के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर। (नवप्रदेश)। राजधानी रायपुर में शिक्षा जगत का एक प्रतिष्ठित और भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जहाँ नवाचारी गतिविधियां समूह भारत की छत्तीसगढ़ टीम द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह शैक्षिक संप्रवाह 2025-26 का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम ऐतिहासिक स्वामी आत्मानंद प्रो. जे.एन. पांडेय शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में हुआ, जिसमें पूरे देश से आए उत्कृष्ट शिक्षकों ने शिक्षा में नवाचार की अद्भुत मिसालें पेश कीं।

समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए नवाचारी शिक्षकों ने अपनी सफल शैक्षणिक पहल की लाइव प्रस्तुति दी।

160 उत्कृष्ट शिक्षकों का राष्ट्रीय सम्मान

इस राष्ट्रीय समारोह में चयनित 160 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें गरियाबंद जिले के पद्मजा गुप्ता, नीता यादव (फिंगेश्वर), सोनाली मैडम (मैनपुर), मोहम्मद अनवर खान (छुरा), संतोष कुमार तांडी (छुरा), सुशील कुमार अवस्थी (देवभोग) सहित कुल 7 शिक्षकों ने विशिष्ट पहचान बनाई और मंच पर सम्मान प्राप्त किया।

चाकू दिखाकर लूट की वारदात हिस्ट्रीशीटर समेत तीन गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर के सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में चाकू की नोंक पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले हिस्ट्रीशीटर समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने घटना के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में एक वयस्क और दो विधि के साथ संघर्षरत बालक शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी सुजल लदेर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25-26 अप्रैल की दरमियानी रात वह अपने मित्र वैभव यादव के साथ स्कूटी से चंगोराभाठा से शिवानंद नगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रात करीब 2:40 बजे कुकुरबेड़ा गुरुद्वारा के पीछे तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर डराया-धमकाया और मारपीट करते हुए वैभव का आधार कार्ड तथा प्रार्थी के गले में पहनी चांदी की चेन लूटकर फरार हो गए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। थाना सरस्वती नगर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ितों से पूछताछ की और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान एक आरोपी की पहचान हिस्ट्रीशीटर आकाश नायक उर्फ जेडी के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने दोनों विधि के साथ संघर्षरत बालकों को भी पकड़ लिया। तीनों आरोपियों के कब्जे से लूटी गई चांदी की चेन, आधार कार्ड और घटना में प्रयुक्त बटनदार चाकू बरामद किया गया है। प्रकरण में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी आकाश नायक उर्फ जेडी थाना सरस्वती नगर का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पहले से ही आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

15 संस्थानों के 684 स्पेशल बच्चों के दांत खराब

■ दो साल बाद सामने आई रिपोर्ट, इलाज अब भी अधूरा

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में स्पेशल चाइल्ड (मंदबुद्धि एवं दिव्यांग बच्चों) की डेंटल हेल्थ को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। एम्स रायपुर के डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा की गई पड़ताल में जिले के 15 शासकीय मान्यता प्राप्त संस्थानों और डे-केयर सेंटर के लगभग 684 बच्चों के दांतों की स्थिति खराब पाई गई। इन बच्चों को तत्काल इलाज की आवश्यकता बताई गई थी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि रिपोर्ट सामने आने के करीब दो साल बाद भी समुचित उपचार की व्यवस्था नहीं हो सकी है।

यह अध्ययन दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच किया गया था, जिसमें 3 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि अधिकांश बच्चों के दांतों में सड़न, संक्रमण और अन्य गंभीर समस्याएं हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ये बच्चे अपनी तकलीफ ठीक से बता नहीं पाते, जिससे वे लंबे समय तक दर्द सहने को मजबूर रहते हैं। डेंटिस्ट्री विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. विराट गल्होत्रा ने बताया कि संस्थान के पास डायग्नोसिस (जांच) की सुविधा तो है, लेकिन इन बच्चों को अस्पताल लाकर नियमित इलाज करने की कोई व्यवस्थित प्रणाली नहीं थी। यही कारण रहा कि जांच के बाद उपचार शुरू करने में ही करीब दो साल का समय लग गया। इस दौरान बच्चों के स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति क्या है, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि कई बच्चे अब उन संस्थानों या डे-केयर में हैं या नहीं, इसकी जानकारी भी उपलब्ध नहीं है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्यपाल को स्थिति से अवगत कराया गया, जिसके बाद इस वर्ष 5 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। इस राशि से अब धीरे-धीरे इलाज की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। फिलहाल दो दृष्टिबाधित बच्चों का उपचार प्रारंभ किया गया है, जिसमें ओरल प्रोफिलैक्सिस और रिस्टोरेटिव प्रक्रियाएं शामिल हैं। साथ ही बच्चों को ऑडियो निर्देश, स्पर्श आधारित मार्गदर्शन और बैटरी से चलने वाले टूथब्रश के उपयोग की जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि स्पेशल चाइल्ड सामान्य बच्चों की तरह ब्रश नहीं कर पाते, इसलिए उनके लिए विशेष देखभाल और तकनीक की आवश्यकता होती है। बैटरी से चलने वाले ब्रश उनके लिए अधिक प्रभावी माने जाते हैं, जिससे वे बेहतर तरीके से दांत साफ कर सकते हैं।

पड़ताल में यह भी सामने आया कि छत्तीसगढ़ में ऐसे स्पेशल चाइल्ड की संख्या 6 लाख से अधिक है, लेकिन उनके ओरल हेल्थ पर अब तक कोई व्यापक अध्ययन नहीं हुआ है। रायपुर में किया गया यह अध्ययन एक प्रारंभिक प्रयास था, जिसके लिए भी समाज कल्याण विभाग से विशेष अनुमति लेनी पड़ी। यह स्थिति बताती है कि राज्य स्तर पर इस दिशा में अभी और गंभीर प्रयासों की जरूरत है। डॉ. गल्होत्रा ने बताया कि संबंधित संस्थान समाज कल्याण विभाग के अनुदान पर एनजीओ के माध्यम से संचालित होते हैं, जिससे समन्वय की कमी भी सामने आई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com